राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 277 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,09 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

वैक्सीन राजनीति पर बोले पीएम- मुंह नहीं खोलूंगा, कोरोना रोकने के लिए दिए ये मंत्र

नई दिल्ली । देश में तेजी से बढ़ते कोरोना के ताजा मामलों पर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए फिर से युद्ध स्तर पर काम करना आवश्यक है. प्रधानमंत्री ने राज्यों से निषिद्ध क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने और जांच में तेजी लाने को कहा. मुख्यमंत्रियों के साथ देश में कोरोना संक्रमण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की समीक्षा में कुछ बातें स्पष्ट हैं जिन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है.

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं पहले दिन से वैके सीन पर राजनीति देख रहा हूं. देश के लोगों की सेवा करना हमारी जिम्मेदारी है, मैं इसपर मुंह नहीं खोलना चाहता हूं. जो राजनीति कर रहे हैं वे कर ही रहे हैं, हमें इसपर कुछ कहना नहीं है. सभी सीएम अपने राज्य की स्थिति को बदलने को लेकर सामने आएंगे.

पीएम मोदी ने कहा, पिछले साल कोरोना की जो सर्वोच्च रफ्तार थी उसे हम इस बार पार कर चुके हैं. इस बार मामलों की वृद्धि दर पहले से भी ज्यादा तेज है. महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, पंजाब, मध्यप्रदेश और गुजरात समेत कई राज्य पहली लहर की पीक को भी पार कर चुके हैं. कुछ और राज्य भी इस ओर बढ़ रहे हैं. हम सबके लिए ये चिंता का विषय है. ये एक गंभीर चिंता का विषय है.

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार लोग पहले की अपेक्षा बहुत अधिक लापरवाह हो गए हैं और अधिकतर राज्यों में प्रशासन भी सुस्त नजर आ रहा है. उन्होंने कहा, ऐसे में कोरोना मामलों की इस अचानक बढ़ोतरी ने मुश्किलें पैदा की हैं. इसके प्रसार को रोकने के लिए फिर से युद्ध स्तर पर काम करना आवश्यक है. उन्होंने कहा कि इन तमाम चुनौतियों के बावजूद देश के पास पहले की अपेक्षा बेहतर अनुभव और बेहतर संसाधन उपलब्ध हैं.

उन्होंने कहा, जनभागीदारी के साथ-साथ हमारे परिश्रमी चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मियों ने स्थिति को संभालने में बहुत मदद की है और आज भी कर रहे हैं. प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले हमारे पास ना तो मास्क थे और ना ही पीपीई किट उपलब्ध थी और ना ही संसाधन थे इसलिए कोरोना से उस समय बचने का एकमात्र साधन लॉकडाउन बचा था और वह रणनीति काम आई.

उन्होंने कहा, लॉकडाउन के समय का उपयोग करते हुए हमने अपनी क्षमता बढ़ाई और संसाधन विकसित किये. आज हमारे पास संसाधन हैं तो हमारा बल छोटे-छोट निषिद्ध क्षेत्रों पर होना चाहिए. हमें इसके परिणाम मिलेंगे. यह मेहनत रंग लाएगी. उन्होंने कहा, हम जितनी ज्यादा जांच करेंगे उतना सफल होंगे. जांच, संपर्क का पता लगाना, उपचार करना और कोरोना से बचाव संबंधी उपायों को कड़ाई से पालन करना और बेहतर कोविड-19 प्रबंधन पर हमें बल देना है.

ज्ञात हो कि गुरुवार को भारत में एक दिन में कोविड-19 के 1,26,789 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की कुल संख्या 1,29,28,574 हो गई. वहीं, उपचाराधीन मामले भी नौ लाख के पार चले गए हैं. महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, केरल और पंजाब में कोविड-19 के रोजाना मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और देश में सामने आए संक्रमण के 1,26,789 नए मामलों में से 84.21 प्रतिशत मामले इन 10 राज्यों में हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि देश में एक सप्ताह में कोरोना वायरस संक्रमण की दर मार्च और अप्रैल के शुरुआती सात दिनों की क्रमशः 2.19 से 6.21 प्रतिशत बढ़कर 8.40 प्रतिशत हो गई है. भारत में प्रतिदिन कोविड-19 रोधी टीके की औसतन 34,30,502 खुराकें दी जा रही हैं, जिसके साथ ही देश रोजाना लगाए जाने वाले टीकों की संख्या के मामले में दुनियाभर में पहले स्थान पर पहुंच गया है. सुबह सात बजे तक की रिपोर्ट के अनुसार अब तक 13,77,304 सत्रों में कुल 9,01,98,673 टीके लगाए जा चुके हैं.

पीएम मोदी ने ली कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज

देश में तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण के मामलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज ली है. पीएम मोदी ने ट्वीट करके इस बात की जानकारी दी. इससे पहले पीएम मोदी को भारत बायोटेक की देश में विकसित कोवैक्सीन की पहली डोज 1 मार्च को लगी थी. गुरुवार को कोवैक्सीन की दूसरी डोज लेने के बाद पीएम मोदी ने नागरिकों से टीका लगवाने की अपील की. मोदी ने कहा- हमें टीके से कोरोना वायरस को हराना है. अगर आप योग्य हैं, तो वैक्सीन जरूर लगवाएं.

पीएम मोदी ने ट्वीट किया, AIIMS में मुझे कोरोना वैक्सीन की मेरी दूसरी खुराक मिली. टीकाकरण हमारे पास वायरस को हराने के कुछ तरीकों में से एक है. अगर आप वैक्सीन लगवाने के लिए योग्य हैं तो जल्द ही cowin.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करा कर वैक्सीन लगवाएं.' पीएम मोदी को कोरोना वैक्सीन देने वाली दो नर्सों में पहली पुड्डुचेरी की पी. निवेदा और दूसरी पंजाब की निशा शर्मा थीं.

एक नज़र...

आईपीएल 2021 का आगाज आज से

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दुनिया के सबसे आकर्षक टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आगाज शुक्रवार से होगा। पहला मैच शुक्रवार को चेन्नई में मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच खेला जाएगा। पांच बार की आईपीएल विजेता मुंबई इंडियंस आईपीएल इतिहास में विराट कोहली की टीम आरसीबी पर हमेशा भारी पड़ी है। आरसीबी और मुंबई इंडियंस के बीच अब तक 29 मुकाबलों में 19 बार बाजी मुंबई के हाथ में लगी, वहीं आरसीबी 10 मैच जीती है। लगातार दूसरे साल कोरोना वायरस की वजह से आईपीएल के मैच बिना दर्शकों के खेले जाएंगे।

भारत-चीन के बीच 11वें दौर की बैठक आज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। करीब डेढ़ महीने बाद भारत और चीन के कोर कमांडर्स पूर्वी लद्दाख से सटी एलएसी पर पूरी तरह से तनाव खत्म करने एक बार फिर शुक्रवार को मिलने जा रहे हैं। ये मुलाकात एलएसी से सटे चुशूल में भारत की तरफ होगी। करीब एक साल से पूर्वी लद्दाख से सटी एलएसी पर चल रहे टकराव में ये ग्यारहवें दौर की वार्ता है। आखिरी मीटिंग 20 फरवरी को हुई थी। भारतीय सेना की तरफ से लेह स्थित 14वीं कोर (फायर एंड फ्यूरी कोर) के कमांडर, लेफ्टिनेंट जनरल पीजीके मेनन नेतृत्व करेंगे, जबकि चीन की तरफ से पीएलए-सेना के दक्षिणी झिंगज्यांग डिस्ट्रिक के कमांडर नेतृत्व करेंगे।

हिमाचल प्रदेश में भाजपा ने 64 में से 28 सीटें जीती

शिमला, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में चुनाव से डेढ़ साल पहले, सियासी रुझान प्रदेश की मौजूदा भाजपा सरकार के खिलाफ जनमत का संकेत दे रहे हैं। सूबे में हुए चार नगर निगम चुनावों के नतीजे कुछ इसी ओर इशारा करते हैं। दरअसल, सात अप्रैल को मंडी, पालमपुर, धर्मशाला और सोलन में हुए नगर निगम चुनाव में जो नतीजे सामने आए हैं, वे कांग्रेस को राहत देने वाले हैं। नगर निगम चुनावों में भाजपा को निराशा हाथ लगी है। चारों नगर निगमों की कुल 64 में से 29 सीटें कांग्रेस की झोली में गई हैं। इसके अलावा, भाजपा को 28 सीटों के साथ संतोष करना पड़ा, वहीं, आम आदमी पार्टी कहीं भी खाता नहीं खोल पाई है।

बॉलीवुड फिल्ममेकर गुप्ता की पत्नी एवं बेटी जिंदा जली

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बॉलीवुड फिल्ममेकर संतोष गुप्ता की पत्नी और बेटी ने अंधेरी के एक उपनगरीय इलाके में खुद को जिंदा जला लिया। संतोष गुप्ता की पत्नी का नाम अस्मिता गुप्ता था और उनकी बेटी का नाम सृष्टि गुप्ता था। अंधेरी वेस्ट के डीएन नगर इलाके में मां-बेटी ने सोमवार दोपहर को खुद को लपटों के हवाले कर दिया ।हड़बड़ी में दोनों को कूपर हॉस्पिटल ले जाया गया जहां अस्मिता को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि संतोष की बेटी सृष्टि जो कि 70 प्रतिशत तक जल चुकी थी, मां के मरने के एक दिन बाद उसने भी दम तोड़ दिया।

ममता बनर्जी बोलीं- चुनाव आयोग मुझे 10 नोटिस दे सकता है, लेकिन मेरा जवाब एक ही होगा

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि वह सांप्रदायिक आधार पर मतदाताओं को बांटने के किसी भी प्रयास के खिलाफ आवाज उठाती रहेंगी. इसके लिए चुनाव आयोग चाहे तो उन्हें 10 कारण बताओ नोटिस भेज दे, लेकिन इनसे वह अपना रुख नहीं बदलेंगी. ममता ने कथित रूप से मुस्लिम मतदाताओं से टीएमसी के पक्ष में मतदान करने की अपील की थी, जिसके बाद चुनाव आयोग ने बुधवार को बनर्जी को आचार संहिता के उल्लंघन के लिये नोटिस भेजा था.

टीएमसी प्रमुख बनर्जी ने दोमजुर में चुनाव प्रचार के दौरान पूछा कि जब भाजपा के स्टार प्रचारक तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने भाषणों में हिंदू और मुस्लिम वोटबैंक का जिक्र करते हैं, तो उनके खिलाफ कोई शिकायत क्यों दर्ज नहीं की जाती? बनर्जी ने कहा, आप चाहें तो मुझे दस कारण बताओ नोटिस भेज सकते हैं, लेकिन मेरा जवाब एक ही होगा. मैं हमेशा हिंदू, मुस्लिम वोटों के विभाजन के खिलाफ बोलती रहूंगी. मैं धार्मिक आधार पर मतदाताओं को बांटने के खिलाफ खड़ी रहूंगी.

नरेंद्र मोदी के खिलाफ शिकायत क्यों नहीं ?- ममता

मुख्यमंत्री ने कहा, नरेंद्र मोदी (पीएम) के खिलाफ शिकायत क्यों नहीं दर्ज की जाती? जो हर रोज हिंदू और मुस्लिम (वोटबैंक) की बात करते हैं. नंदीग्राम चुनाव के दौरान जिन लोगों ने मिनी पाकिस्तान शब्द का प्रयोग किया, उनके खिलाफ कितनी शिकायतें दर्ज की गईं?

डोमजुर की रैली के दौरान ममता बनर्जी ने राजीब बनर्जी पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा, मैं आपसे माफी चाहती हूं कि मैंने गद्दार मीर जाफर को पिछले चुनाव में यहां से उतारा था. जब वह सिंचाई मंत्री थे तब मुझे उनके खिलाफ शिकायत मिली थी, जिसके बाद मैंने उन्हें पद से हटा दिया और वन मंत्री नियुक्त किया. वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नोटिस जारी करने को लेकर चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए सवाल किया कि भाजपा के खिलाफ दर्ज शिकायतों पर अब तक क्या कदम उठाए गए हैं. तृणमूल कांग्रेस की प्रवक्ता महुआ मोइत्रा ने कहा कि चुनाव आयोग भेदभाव करना बंद करे.मोइत्रा ने ट्वीट किया, भाजपा की शिकायत पर चुनाव आयोग ने ममता दीदी को नोटिस जारी किया. तृणमूल कांग्रेस की शिकायतों पर क्या हुआ. भाजपा उम्मीदवार द्वारा नकदी बांटने के वीडियो सबूत भी हैं. भाजपा की बैठकों में हिस्सा लेने के लिए कैश कूपन भी बांटे गए. चुनाव आयोग ने हुगली में प्रचार के दौरान सांप्रदायिक आधार पर वोटरों से कथित तौर पर अपील करने को लेकर बनर्जी को नोटिस जारी किया है.

परीक्षा पर चर्चा पर राहुल गांधी का पीएम मोदी पर तंज, बोले- खर्चा पर भी चर्चा हो

नई दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम की पृष्ठभूमि में गुरुवार को उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'खर्चा पर भी चर्चा' होनी चाहिए. उन्होंने यह सवाल भी किया कि प्रधानमंत्री पेट्रोल-डीजल की बढ़ी हुई कीमतों को लेकर चर्चा क्यों नहीं करते?राहुल गांधी ने एक खबर साझा करते हुए ट्वीट किया, 'केंद्र सरकार की कर वसूली के कारण गाड़ी में पेट्रोल-डीजल भरवाना किसी इम्तिहान से कम नहीं है. फिर प्रधानमंत्री इस पर चर्चा क्यों नहीं करते? खर्चा पर भी हो चर्चा!'

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को 'परीक्षा पर चर्चा' के ताजा संस्करण में डिजिटल माध्यम से छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से संवाद किया. इसमें उन्होंने कहा कि परीक्षा छात्रों के जीवन में आखिरी मुकाम नहीं, बल्कि एक छोटा सा पड़ाव होता है, इसलिए अभिभावकों या शिक्षकों को बच्चों पर दबाव नहीं बनाना चाहिए.

इस दौरान मोदी ने कहा था कि परीक्षा छात्रों के जीवन में आखिरी मुकाम नहीं, बल्कि एक छोटा सा पड़ाव होता है. इसलिए अभिभावकों या शिक्षकों को बच्चों पर दबाव नहीं बनाना चाहिए. उन्होंने कहा कि कोविड-19 के कारण छात्रों ने अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण साल तो गंवा दिया लेकिन इस महामारी के कारण उन्हें बहुत कुछ सीख भी मिली.

उन्होंने अभिभावकों, शिक्षकों और रिश्तेदारों को छात्रों पर अनावश्यक दबाव ना बनाने का आग्रह करते हुए कहा कि अगर बाहर का दबाव खत्म हो जाएगा तो छात्र परीक्षा का दबाव महसूस नहीं करेंगे.

प्रधानमंत्री ने कहा, 'ऐसा नहीं है कि परीक्षा आखिरी मौका है बल्कि वह एक प्रकार से लंबी जिंदगी जीने के लिए अपने आपको कसने का उत्तम अवसर है. समस्या तब होती है जब हम परीक्षा को ही जीवन के सपनों का अंत मान लेते हैं और जीवन-मरण का प्रश्न बना लेते हैं.'

उन्होंने कहा कि परीक्षा जीवन को गढ़ने का एक अवसर है और परिजनों को अपनों बच्चों को तनाव मुक्त जीवन देना चाहिए. प्रधानमंत्री ने अभिभावकों से बच्चों के साथ समय बिताने का आग्रह किया और कहा कि तभी वह बच्चों के असली सामर्थ्य ओर उनकी रुचि का अंदाजा लगा पाएंगे.

पांच दिन बाद नक्सलियों ने कमांडो राकेश्वर को छोड़ा

रायपुर। तीन अप्रैल को जोनागुड़ा में फोर्स और नक्सलियों की मुठभेड़ के बाद बंधक बनाए गए जवान राकेश्वर सिंह को नक्सलियों ने छोड़ दिया है। राकेश्वर तर्रेम में 168वीं बटालियन के कैंप में पहुंचे। वहां उनका मेडिकल चेकअप किया गया। कोबरा बटालियन राकेश्वर सिंह की घर वापसी के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उनसे और परिजनों से बात की। उन्हें कैसे और किसके साथ रिहा किया गया। कितने बजे वह कैंप पहुंचे, इन बातों का खुलासा नहीं हो पाया है।

पत्नी बोली-आज मेरी जिंदगी का सबसे खुशी भरा दिन

राकेश्वर की रिहाई के बाद उनकी पत्नी मीनू ने कहा कि आज मेरी जिंदगी का सबसे खुशी भरा दिन है। मुझे उनके लौटने का पूरा भरोसा था। इसके लिए सरकार का धन्यवाद। वहीं उनकी मां कुंती देवी ने कहा कि हम बहुत ज्यादा खुश हैं, जो हमारे बेटे को छोड़ रहे हैं, उनका भी धन्यवाद करती हूं। भगवान का भी धन्यवाद करती हूं।

जम्मू कश्मीर मुठभेड़ में तीन आतंकी ढेर एक जवान घायल

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में गुरुवार को मुठभेड़ की एक घटना में तीन अज्ञात आतंकवादी मारे गए, वहीं एक सुरक्षाकर्मी घायल हो गया। बाबा मोहल्ला में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी की और तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिस पर सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ शुरू हो गई। गोलीबारी में एक सुरक्षाकर्मी घायल हो गया। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में तीन आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान का और उनके संगठन का पता लगाया जा रहा है।

जम्मू में हिरासत में रखे गए रोहिंग्या पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

प्रक्रिया का पालन किए बिना नहीं भेजा जाएगा म्यांमार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर में हिरासत में लिए गए लगभग 170 रोहिंग्या शरणार्थियों की रिहाई और उन्हें म्यांमार भेजने को लेकर गुरुवार को अपना फैसला सुना दिया है। इस मामले पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा किसी भी रोहिंग्या को तब तक वापस म्यांमार नहीं भेजा जाएगा, जब तक उनके डिपोर्टेशन के लिए उचित प्रक्रिया नहीं अपनाई जाती है।। बता दें कि इस मामले में 26 मार्च को सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

गुरुवार को आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक रोहिंग्याओं को फिलहाल म्यांमार नहीं भेजा जाएगा। फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में अंतरिम राहत देना संभव नहीं है। इसके साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट ने रोहिंग्याओं को जम्मू-कश्मीर के कठुआ में बने होल्डिंग सेंटर से रिहा करने की अपील को खारिज कर दिया। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बोबड़े की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह फैसला सुनाया है। इस बेंच में जस्टिस एएस बोपन्ना और वी रामासुब्रमण्यम भी शामिल थे।

बेंगलुरू समेत इन छह शहरों में शनिवार से लागू होगा नाइट कर्फ्यू

बेंगलुरू । देशभर में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में कोरोना के बढ़ते मामलों ने तमाम राज्यों की चिताएं बढ़ा दी हैं। यही कारण है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में तमाम तरह की पाबंदिया लगाई जा रही है। कहीं नाइट कर्फ्यू, कहीं वीकेंड लॉकडाउन तो कहीं संपूर्ण लॉकडाउन की घोषणा कर दी गई है।

इस बीच कर्नाटक के बेंगलुरू समेत छह अन्य शहरों में भी नाइट कर्फ्यू का ऐलान कर दिया गया है। सरकार ने गुरुवार को घोषणा करते हुए कहा कि नाइट कर्फ्यू का यह आदेश शनिवार से लागू हो जाएगा, जो रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक जारी रहेगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राज्यों से आग्रह किया था कि वे कोरोना वायरस निपटने के लिए नए प्रतिबंधों की घोषणा करें। मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने घोषणा करते हुए कहा कि नाइट कर्फ्यू 20 अप्रैल तक जारी रहेगा, जो बेंगलुरू के अलावा मैसूरु, मंगलुरु, कालाबुरागी, बीदर, तुमकुरु और मणिपाल में भी लागू होगा। उन्होंने कहा, हालांकि इस दौरान जरूरी सेवाएं जारी रहेंगी।

आपको बता दें कि कर्नाटक महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, केरल और पंजाब जैसे 10 राज्यों में से एक है, जिसके रोजाना के कोरोना मामलों में तेजी दिखाई दी है। इसके आलावा पूरे भारत की बात करें, तो कोरोना मामलों में बमुश्किल दो महीने में 13 गुना वृद्धि हुई है। यही कारण है कि बढ़ते कोरोना मामलों के मद्देनजर देशभर में तरह-तरह की पाबंदियां लागू की जा रही हैं।

कर्नाटक में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 6,570 नए मामले सामने आए, जिससे राज्य में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 10,40,130 हो गए। इसके साथ ही 36 और लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 12,767 तक पहुंच गई। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि दिन में 2,393 रोगियों को ठीक होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। अब तक राज्य में 9,73,949 मरीज बीमारी से ठीक हो चुके हैं। विभाग के बुलेटिन के अनुसार, राज्य में अब 53,395 मरीजों का इलाज चल रहा है।

कानून वापस नहीं होने तक जारी रहेगा आंदोलन: टिकैत

सहारनपुर, (एजेंसी)। किसान नेता राकेश टिकैत ने गुरुवार को फिर दोहराया कि कृषि कानूनों के वापस होने तक इसके खिलाफ चल रहा आंदोलन चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण अगर संपूर्ण लॉकडाउन लगाया जाता है, तब भी किसान दिल्ली सीमा पर डटे रहेंगे। किसान अब पूरी तरह से कानून को लेकर आर-पार के मूड में हैं। शहीद भगत सिंह के भतीजे किरणजीत सिंह की बेटी की शादी में शिरकत करने आये टिकैत ने कहा कि आंदोलन गांव गांव तक फैल गया है। किसान आंदोलन के समर्थन में भाजपा नेत्री प्रियवंदा तोमर के पार्टी से त्यागपत्र के सवाल पर कहा कि लोग समझ रहे हैं कि कानून किसानों के खिलाफ है ।

पाकिस्तानी नार्को मॉड्यूल का भंडाफोड़

कुपवाड़ा में सरहद पार से लाई 60 करोड़ की हेरोइन बरामद

कुपवाड़ा, (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी है। सरहद पार से आने वाले नशे के सामान पर खास प्रहार किया जा रहा है। ऐसे ही एक पाकिस्तानी नार्को मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया है।

अभियान में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कुपवाड़ा के करनाह इलाके से सरहद पार से भारी मात्रा मे लाई गई हेरोइन बरामद की है, जिसकी कीमत 60 करोड़ रुपए आंकी गई है। जम्मू कश्मीर पुलिस के अनुसार गुरुवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सेना के साथ चलाए एक ऑपरेशन में आतंकियों के एक समर्थक को गिरफ्तार किया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान तंगदार के पंजितारा के रहने वाले मुख्तार शाह के तौर पर हुई है, जो सरहद पार रहने वाले आतंकियों के संपर्क में था।

खुफिया जानकारी

पुलिस को सूत्रों से जानकारी मिली थी कि सरहद पार से आतंकियों की फंडिंग के लिए ड्रग्स की एक बड़ी खेप भेजी जा रही है, जिससे कमाए जाने वाले पैसों का इस्तेमाल आतंकी कार्रवाई में किया जाएगा। इसी आधार पर कुपवाड़ा में कई जगहों पर छापे मारी की गई और तलाशी के दौरान 9 पैकेट बरामद किए गए, जिनमें करीब 9 किलो हेरोइन थी, जो कुपवाड़ा लाई जा रही थी। पुलिस के अनुसार कुपवाड़ा से आगे नशे की यह खेप उत्तरी कश्मीर और श्रीनगर में विभिन ड्रग डीलर्स के पास पहुंचनी थी, लेकिन इससे पहले ही यह पुलिस के हत्थे चढ़ गई।

सुनवाई | अवैध उगाही मामला: महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री देशमुख के खिलाफ जारी रहेगी जांच

सीबीआई जांच में सुप्रीम कोर्ट ने किया दखल से इंकार

मुंबई ■ एजेंसी

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ सीबीआई की प्राथमिक जांच जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली महाराष्ट्र सरकार और देशमुख की याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने अनिल देशमुख पर गृह मंत्री रहते 100 करोड़ प्रतिमाह अवैध उगाही का आरोप लगाया था। 5 अप्रैल को बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीबीआई को मामले की प्राथमिक जांच का आदेश दे दिया।

इसके खिलाफ महाराष्ट्र सरकार और अनिल देशमुख सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।जस्टिस संजय किशन कौल और हेमंत गुप्ता की बेंच के सामने सबसे पहले महाराष्ट्र सरकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने जिरह की। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को सही तरीके से पक्ष रखने का मौका नहीं दिया।

राज्य सरकार ने भी परमबीर सिंह के आरोपों की जांच के लिए एक आयोग का गठन किया था, जिसके बाद देशमुख ने गृह मंत्री का पद छोड़ दिया। इस पर बेंच के सदस्य जस्टिस हेमंत गुप्ता ने कहा कि यह गलत है। देशमुख का इस्तीफा तब हुआ जब हाई कोर्ट ने जांच का आदेश दिया।

सीबीआई से जांच करवाने पर आपत्ति

अनिल देशमुख की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि देशमुख के खिलाफ जांच का आदेश दे दिया गया, लेकिन हाईकोर्ट ने उनका पक्ष नहीं सुना। जज इस दलील से सहमत नहीं हुए। उनका कहना था कि किसी मामले की जांच से पहले आरोपी से मंजूरी नहीं ली जाती है। सिब्बल ने कहा कि देशमुख को जांच सीबीआई से करवाने पर आपत्ति है। इस पर जजों ने कहा कि जिस व्यक्ति पर आरोप लगे हैं, उसे यह चुनने का अधिकार नहीं होता कि जांच कौन सी एजेंसी करेगी। जजों ने यह भी कहा कि यह मामला बहुत गंभीर है। इसमें गृह मंत्री पर आरोप लगे हैं। आरोप लगाने वाला कोई और नहीं, राज्य का आला पुलिस अधिकारी है। यह मामला ऐसा नहीं है, जहां एक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी ने दूसरे पर आरोप लगाया हो।

संक्षिप्त समाचार

इजराइल ने सीरिया की राजधानी दमिश्क के उपनगरों पर किया मिसाइल हमला

बेरूत, (एजेंसी)। इजराइल ने सीरिया की राजधानी दमिश्क के पास और दक्षिणी उपनगरों में मिसाइल हमला किया। सीरिया की सरकारी मीडिया ने यह खबर दी। हालांकि खबर में तत्काल किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं दी है। सीरियाई वायु रक्षा प्रणाली ने कुछ मिसाइलों को उनके निर्धारित लक्ष्य भेदने से पहले ही गिरा दिया। कुछ मिसाइलों को पड़ोसी लेबनान से गुजर रहे इजराइली युद्धक विमानों से दागा गया। ब्रिटेन की सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि इजराइल ने दमिश्क के पास सैन्य चौकियों को निशाना बनाया। हालांकि इस बारे में उसने कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। लेबनान के आतंकवादी संगठन हिज्बुल्ला के अल-मनार टीवी ने कहा कि सीरियाई वायु रक्षा की एक मिसाइल लेबनान-सीरिया सीमा पर गिरी, जिसकी गूंज दक्षिणी लेबनान तक सुनाई दी। इजराइल ने सीरिया में ईरान से संबंधित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर पिछले कई वर्षों में सैकड़ों हमले किये हैं, लेकिन दुर्लभ ही इनकी जिम्मेदारी लेता है।

देश में कोविड-19 जांच खुद करने के लिए बांटी जांच किट

ग्रीस, (एजेंसी)। ग्रीस में दवा की दुकानों में कोरोना वायरस संक्रमण जांच किट दी जा रही है जिससे हर व्यक्ति अपनी जांच खुद कर सकेगा। संक्रमण के मामलों में वृद्धि को रोकने के लिए उठाये गए कदमों के तहत प्रत्येक निवासी को हर सप्ताह मुफ्त में एक किट दिए जाने का नियम बनाया है। घर पर जांच करने के लिए किट वितरण में प्राथमिकता शिक्षकों और 16-18 वर्ष के हाई स्कूल के छात्रों को दी जा रही है क्योंकि कुछ कक्षाओं के लिए स्कूलों को दोबारा खोलने पर विचार किया जा रहा है।

कोरोना संक्रमित फिलीपीन के पूर्व राष्ट्रपति जोसेफ एस्ट्राडा वेंटिलेटर पर

मनीला, (एजेंसी)। फिलीपीन के पूर्व राष्ट्रपति जोसेफ एस्ट्राडा को कोरोना संक्रमण फैलने के बाद वेंटिलेटर पर रखा गया है। एस्ट्राडा के बेटे एवं पूर्व सीनेटर जिंगोय एस्ट्राडा ने यह जानकारी दी।

जिंगोय एस्ट्राडा ने बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए एस्ट्राडा (83) को एक सप्ताह पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था और शुरूआत में उनकी हालत में सुधार हो रहा था। उन्होंने फेसबुक पर जारी मेडिकल बुलेटिन में बताया कि सोमवार से उनके पिता की स्थिति खराब हो गई और उन्हें वेंटिलेटर पर रखना पड़ा।

ग्रीस में दवा की दुकानों में मिल रही है कोरोना संक्रमण जांच किट

एथेंस , (एजेंसी)। ग्रीस में दवा की दुकानों में कोरोना वायरस संक्रमण जांच किट दी जा रही है जिससे हर व्यक्ति अपनी जांच खुद कर सकेगा। संक्रमण के मामलों में वृद्धि को रोकने के लिए उठाये गए कदमों के तहत प्रत्येक निवासी को हर सप्ताह मुफ्त में एक किट दिए जाने का नियम बनाया गया है। घर पर जांच करने के लिए किट वितरण में प्राथमिकता शिक्षकों और 16-18 वर्ष के हाई स्कूल के छात्रों को दी जा रही है क्योंकि कुछ कक्षाओं के लिए स्कूलों को दोबारा खोलने पर विचार किया जा रहा है।

न्यूजीलैंड में भारतीयों की एंट्री 28 अप्रैल तक बैन

वेलिंगटन, (एजेंसी)। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए न्यूजीलैंड ने भारतीयों के आने पर रोक लगा दी है। भारतीयों की न्यूजीलैंड में एंट्र पर बैन 11 अप्रैल से 28 अप्रैल तक लागू रहेगा। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि उनके देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 23 मामलों में से 17 भारतीय हैं। ये सभी भारत से लौटे थे। इसलिए यह फैसला लिया गया है। सिंगापुर ने भी भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए 8 हजार भारतीयों के वीजा रोक दिए हैं। ये वो भारतीय हैं जो पिछले साल कोरोना काल के दौरान सिंगापुर से भारत आए थे और अब वापस जाना चाहते हैं। न्यूजीलैंड में पिछले कुछ दिनों के अंदर कोरोना के 2,531 नए केस सामने आए हैं। प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने कहा कि भारत से आने वाले यात्रियों में कोरोना के मामले सामने आ रहे थे। इसलिए ये अस्थाई बैन लगाया गया है। न्यूजीलैंड के नागरिकों पर भी ये लागू होगा। हमारी सरकार ऐसे और देशों पर भी नजर बनाए है, जहां कोरोना के केस तेज से बढ़ रहे हैं। अगर जरूरत पड़ी तो दूसरे देशों से आने वाले यात्रियों पर भी बैन लगाया जाएगा।

पंजाबी सिंगर जग्गी की शादी टूटी

ब्रिटेन, (एजेंसी)। जग्गी डी के नाम से मशहूर पंजाबी सिंगर जगविंदर सिंह धालीवाल को लंदन पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन पर पत्नी किरण संधू ने घरेलू हिस्सा का केस दर्ज कराया है। जग्गी ने ब्रिटिश-इंडियन किरण से 11 साल पहले शादी की थी और दोनों के तीन बच्चे हैं। 5 मार्च को ही उनकी शादी की 11वीं सालगिरह थी। जग्गी ने किरण को बधाई देने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट भी की थी। बताया जा रहा है कि जग्गी ने दिल्ली के एक होटल में में कुछ लड़कियों के साथ पार्टी की थी, जिसमें ड्रग्स और सिगरेट ली गई थी। इसके बाद वे किरण के साथ शादी की 11वीं सालगिरह मनाने लंदन पहुंचे। जग्गी के वहां पहुंचते ही किरण के हाथ उनका फोन लगा और कुछ मैसेज पढ़ लिए। इस बात से जग्गी आग बबूला हो गए और वे किरण को पीटने लगे। इसके बाद किरण ने मदद के लिए पुलिस बुलाई। चूंकि जग्गी का फोन किरण के हाथ में था, इसलिए उन्होंने उनकी कुछ चैट उनके (जग्गी) सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर दीं। किरण को चैट से यह जानकारी भी मिली कि जग्गी उन्हें धोखा दे रहे थे। उन्हें यह पता भी चला कि जग्गी और फेमस पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा लड़कियों के साथ पार्टियां कर रहे थे और ड्रग्स ले रहे थे।

कोरोना से बचने पहली पसंद बना मालदीव

लंदन, (एजेंसी)। कोरोना से बचने के लिए भारतीय पर्यटक बड़ी संख्या में मालदीव पहुंच रहे हैं। वहां पर भारतीय सैलानियों की संख्या में पिछले साल की तुलना में 50त्न इजाफा हुआ है। साल के शुरूआती दो महीनों में ही वहां पर 44 हजार भारतीय पहुंचे। जो 2020 की तुलना में दोगुने हैं। मालदीव पर्यटन विभाग के मुताबिक भारत से ही सबसे ज्यादा पर्यटक पहुंच रहे हैं, जबकि चीन, जापान और द. कोरियाई के पर्यटक 98 फीसदी तक घट गए हैं। पिछले कुछ दिन में देश में कोरोना संक्रमित एक लाख या उससे भी ज्यादा मिल रहे हैं। दूसरी लहर के चलते कारोबार फिर से बंद कर दिए गए हैं। कई शहर दोबारा लॉकडाउन में चले गए हैं। इसलिए लोग दूर-दराज के पर्यटन स्थलों पर छुट्टी मनाना चाह रहे हैं। वैसे भी सभी लोगों के वैक्सीनेशन में लंबा वक्त लगेगा, इसलिए लोग सुरक्षित जगहों पर घूमने की योजना बनाने लगे हैं। पहले मालदीव हाई एंड डेस्टिनेशन हुआ करता था। पर अब वहां के होटल आकर्षक डील दे रहे हैं। दक्षिण एशिया पूरी तरह बंद हैं। थाइलैंड भी नहीं खुल सका है।

ब्राजील में कब्रिस्तान में कम पड़ी जगह

ब्राजीलिया, (एजेंसी) । कोरोना वायरस ब्राजील में लगातार बेकाबू होता जा रहा हैं। कोरोना संक्रमण के कारण यहां इतनी ज्यादा मौतें हो रही है कि अब कब्रिस्तान में भी जगहें कम पड़ने लगी है और पुरानी कब्रों को खोद कर शवों को दफनाया जा रहा है। कई जगहों को पुराने कब्रिस्तान से कंकाल निकालकर फिर से नई कब्रें खोद कर जगह बनाई जा रही है। गौरतलब है कि कोरोना की सबसे अधिक मृत्यु दर वाले देशों में ब्राजील भी शामिल है। ब्राजील में अभी तक कोरोना से 3 लाख 25 हजार लोगों की मौत हो चुकी है और लगातार मौत का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। दुनिया का सबसे सघन आबादी वाले शहर साओ पालो भी ब्राजील में ही है और यहां इस शहर के नए काशोइरिन्हा सीमेट्री की तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं इस इलाके में कोरोना संक्रमण के कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही है कि कर्मचारी कब्रिस्तान से पुराने कंकालों को निकालकर नए शवों के लिए स्थान बना रहे हैं। बीते एक सप्ताह से रोज औसतन 75,500 केस आ रहे हैं तो 3000 लोगों की मौत हो रही है। यही कारण है कि दुनिया के अधिकतर देशों ने ब्राजील से आने वाले विमानों पर रोक लगा दी है। इधर दुनियाभर में भी कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। दुनिया में अभी तक कुल संक्रमितों की संख्या 13 करोड़ हो चुकी है। वहीं 28.6 लाख से अधिक लोग इस बीमारी से अपनी जान गंवा चुके हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 1000 कब्रों से कंकालों को निकाला गया है। ब्राजील में पुराने कंकालों को अब गलाने का काम किया जा रहा है और दिन रात नई कब्रें खोदी जा रही है। इन दिनों साउ पालो शहर के कब्रिस्तानों में रोज रिकॉर्ड संख्या में शव आ रहे हैं। ब्राजील में वायरस के दो नए स्ट्रैन का भी पता चला है इसलिए भी वहां की सरकार की चिंता बढ़ गई है। सिर्फ मार्च माह की बात की जाए तो ब्राजील में 66000 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना ने अमेरिका के बाद सबसे अधिक मौतें ब्राजील में ही हुई है।

जबरन उतारा मिसेज श्रीलंका का ताज, सिर में आई चोट

कोलंबो। मिसेज श्रीलंका को ताज पहनाये जाने के बाद वहां मौजूद मिसेज वर्ल्ड कैरोलीन जूरी ने जबरन मिसेज श्रीलंका के सिर से ताज उतार लिया। इस हादसे से मिसेज श्रीलंका को सिर में चोट भी लग गई। श्रीलंका में मिसेज श्रीलंका प्रतियोगिता के दौरान स्टेज पर यह बेहद दुखद और शर्मनाक वाकया हुआ। कोलंबो में हो रहे इस कार्यक्रम का राष्ट्रीय टीवी चैनल पर सीधा प्रसारण किया जा रहा था। श्रीलंका में आयोजित मिसेज श्रीलंका प्रतियोगिता के दौरान पुष्पिका डी सिल्वा को विजेता घोषित किया और उनके सिर पर ताज पहनाया गया। लेकिन तभी स्टेज पर मौजूद वर्तमान मिसेज वर्ल्ड कैरोलनि जूरी ने ये कहते हुए उनका ताज उतार दिया कि नियमों के मुताबिक पुष्पिका को ताज नहीं मिल सकता, क्योंकि वो तलाकशुदा हैं। इस दौरान सोने का ताज डी सिल्वा के बालों में फंस गया और काफी मशक्कत के बाद ताज निकला। कैरोलिन के इस कदम से डी सिल्वा के सिर में चोट लगी और उनकी आंखों में आंसू आ गए। वो फौरन स्टेज छोड़कर चली गईं और अस्पताल में जाकर अपना इलाज करवाया। बाद में कार्यक्रम के आयोजकों ने इस बात की पुष्टि की कि मिसेज डी सिल्वा तलाकशुदा नहीं हैं। आयोजकों ने डी सील्वा से माफी मांगते हुए उनका ताज उन्हें वापस लौटा दिया। डी सिल्वा ने इस घटना को लेकर फेसबुक पर पोस्ट लिखा और कहा कि ये घटना उनके साथ अन्याय और अपमान है। उन्होंने बताया कि वह अपने पति से अलग हुई हैं, लेकिन वह अभी तलाकशुदा नहीं हैं। उन्होंने इस मामले में कानूनी कार्रवाई की बात भी कही है। बता दें कि डी सिल्वा इससे पहले वर्ष 2011 में मिस श्रीलंका का खिताब भी जीत चुकी हैं।

जिससे शादी कर रहा था दूल्हा, वह बहन निकली

बीजिंग, (एजेंसी) । पडोसी देश चीन में शादी के दिन ही एक दुल्हन को उसकी असली मां मिल गई। हैरानी की बात ये है कि दुल्हन की असली मां उसकी सास बनने जा रही थी। करीब 20 साल बाद बेटी के मलिने पर मां रो पड़ी। दरअसल जो दूल्हा-दुल्हन शादी कर रहे थे, वह असल जिंदगी में भाई-बहन निकले। शादी रचाने वाली दुल्हन बचपन में अपने परिवार से बिछड़ गई थी। दरअसल जब शादी की रस्में संपन्न की जा रही थी, जब अचानक लड़के की मां की नजर अपनी होने वाली बहू के हाथों में पर पड़े। हाथों को देखते ही मां के होश उड़ गए और वह जोर-जोर से रोने लगी। मां ने दुल्हन के हाथों पर जन्म चिह्न बना देखकर उसे पहचान लिया और देखते ही अपनी बेटी को खोज लिया। चीन में यह मामला जिआनग्सू प्रांत के सोझोउ का है और यह शादी 31 मार्च को संपन्न हो रही थी। चीनी मीडिया में बताया गया है कि दुल्हन के हाथ में बने निशान देखकर मां ने उनके वर्तमान मां-बाप से पूछताछ की तब पता चला कि करीब 20 साल पहले दुल्हन के वर्तमान मां-बाप ने उसे गोद लिया था और अब तक यह रहस्य बना हुआ था कि लड़की के माता-पिता उसके असली माता नहीं है। वर्तमान माता-पिता को यह बच्ची सड़क किनारे मलिी थी। वर्तमान माता-पिता ने बताया कि सड़क किनारे में मिली बच्ची तभी से उनके पास है हालांकि शादी में एक नया मोड़ उस समय आ गया जब शादी पर कोई रोक नहीं लगी। दूल्हे की मां ने बताया कि दूल्हे को भी गोद लिया गया था और दुल्हन की असली मां को इस शादी पर कोई ऐतराज नहीं था। करीब 20 साल पहले जब दुल्हन की असली मां को उसकी बेटी नहीं मिली थी तो उसने एक बच्चे को गोद ले लिया था। अब इसी बच्चे से उनकी असली बेटी की शादी हो गई। इस खुलासे के बाद दुल्हन अपने जैविक माता-पिता के बारे में और ज्यादा जानने के लिए उत्सुक हो गई। दुल्हन ने कहा कि यह मौका उसके लिए शादी के दिन से भी ज्यादा खुशी का है।

एस्ट्राजेनेका वैक्सीन और ब्लड क्लॉटिंग में लिंक

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। यूएस की एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर एमेर कुकी ने कहा कि एस्ट्राजेनेका का टीका लगाए जाने के बाद रक्त के असामान्य थक्के बनने के कथित मामलों को टीके के संभावित दुष्प्रभावों के रूप में रखा जाना चाहिए। खून के थक्के और कम प्लेटलेट्स के मेल की संभावित व्याख्या इम्यून रिस्पॉन्स के रूप में हो सकती है, जोकि कभी-कभी हेपारिन से मरीजों के इलाज के दौरान दिखती है। बयान के तुरंत बाद ब्रिटेन के मेडिसिन रेग्युलेटर ने एस्ट्राजेनेका वैक्सीन को बेहतर बताया है। हालांकि, ब्लड क्लॉटिंग के रेयर मामलों को देखते हुए 30 साल से कम उम्र के लोगों को फाइजर और मॉडर्ना कंपनी के टीके लगाए जाने चाहिए। भारत जहां संक्रमण की दूसरी लहर की चपेट में आ चुका है, वहीं दुनिया के 22 देश ऐसे हैं जहां अब कोरोना की तीसरी लहर ने दस्तक दे दी है। इसमें ब्राजील, फ्रांस, यूक्रेन, रूस जैसे देश भी शामिल हैं।

इंडोनेशिया में भारी बारिश से मृतकों की संख्या 126 हुई, दर्जनों लापता

लेम्बाता, (एजेंसी)। पूर्वी इंडोनेशिया में भूस्खलन और बाढ़ की घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या 126 तक पहुंच गई है और दर्जनों लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने कहा कि संबंधित क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है जिससे खोज अभियान में बाधा आ रही है। अदोनारा द्वीप के ईस्ट फ्लोरेस जिले में सर्वाधिक जनहानि हुई है जहां अब तक 67 शव बरामद हो चुके हैं और 6 लोग लापता हैं। इस क्षेत्र में हुई घटना में रविवार सुबह पास की पहाड़ियों से मलबा गिर पड़ा जिसकी चपेट में कई लोग आ गए। हादसे के समय ये लोग सोए हुए थे। रात भर हुई बारिश के चलते नदियों के तट टूट गए और अचानक आई बाढ़ में कई लोग बह गए।

इंडानेशिया की राष्ट्रीय आपदा मोचन इकाई के अनुसार, पास के लेम्बाता द्वीप पर चक्रवात सेरोजा के चलते हुई बारिश के कारण नवंबर में फटे एक ज्वालामुखी के लावा के प्रवाह में तेजी आ गई और इसकी चपेट में एक दर्जन से अधिक गांव आ गए। इस घटना में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई और 44 अन्य के बारे में कोई जानकारी नहीं है। सैकड़ों सुरक्षाकर्मी और आम लोग इस उम्मीद के साथ मलबे में लोगों को तलाशने में लगे हैं कि कहीं कोई जीवित मिल जाए। इंडोनेशिया में विभिन्न द्वीपों पर भूस्खलन और बाढ़ की घटनाओं में कम से कम 126 लोगों की मौत हुई है।

वहीं, पास के ईस्ट तिमोर में भी 27 लोगों की मौत की खबर है। हजारों घर नष्ट हो गए हैं और इसके चलते हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। मौसम के कम से कम शुक्रवार तक खराब रहने का पूवार्नुमान है और तूफान दक्षिण में ऑस्ट्रेलिया की तरफ बढ़ गया है। लगातार जारी बारिश और प्रभावित क्षेत्रों के दूर-दराज में होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में बाधा आ रही है। अनेक स्थानों पर सड़कें और पुल नष्ट हो गए हैं।

ब्रिटेन ने की अपने तीसरे कोरोना टीके की शुरूआत, लोगों से की टीका लगवाने की अपील

लंदन, (एजेंसी)। ब्रिटेन ने वेल्स में लोगों को मॉडर्ना कंपनी का कोविड-19 रोधी टीका लगाने की शुरूआत की। देश में दो खुराक वाला यह तीसरा टीका है जहां की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा फाइजर/बायोएनटेक और ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका के टीकों का पहले से ही इस्तेमाल कर रही है। मॉडर्ना कंपनी का टीका ब्रिटेन में सबसे पहले वेल्स के कार्मर्थेंशाइर के लोगों को लगाया गया। देश में इस टीके के इस्तेमाल को इस साल जनवरी में मंजूरी प्रदान की गई थी। ब्रिटेन सरकार ने कहा कि उसने इस टीके की एक करोड़ 70 लाख खुराक मंगाने का ऑर्डर दिया है।

देश के स्वास्थ्य मंत्री मैट हैंकॉक ने कहा कि मुझे खुशी है कि हम ब्रिटेन के पश्चिमी वेल्स में मॉडर्ना कंपनी के टीके की शुरूआत कर सकते हैं। ब्रिटेन सरकार ने समूचे राष्ट्र की ओर से टीके हासिल किए हैं और टीकाकरण कार्यक्रम से देश के एकजुट होकर काम करने का पता चलता है। उन्होंने कहा कि पूरे ब्रिटेन में प्रत्येक पांच लोगों में से तीन को टीके की कम से कम एक खुराक मिल चुकी है और आज हम, स्वीकृति प्राप्त कर चुके तीसरे टीके के साथ शुरूआत कर रहे हैं। आप जहां भी रहते हैं, जब भी आपको बुलाया जाए, आएं और टीका लगवाएं।

महिला अतिथि के साथ अभद्रता, बैठने को नहीं दी कुर्सी

अंकारा, (एजेंसी) । तुर्की में महिला अतिथि के साथ सरेआम एक कार्यक्रम में अभद्रता की गई। इस इस्लामिक कंट्री में यह अभद्रता भी किसी ऐरे-गैरे ने नहीं बल्कि बल्की खुद देश के राष्ट्रपति ने की। तुर्की की राजधानी अंकारा में आयोजित यूरोपीय संघ की एक बैठक में खुद यूरोपियन कमीशन की महिला अध्यक्ष को ही कुर्सी नहीं मिली। सोशल मीडिया पर ये वीडियो काफी वायरल हो रहा है और इस पर काफी कमेंट्स भी आ रहे हैं। बुधवार को तुर्की की राजधानी अंकारा में आयोजित एक बैठक में हिस्सा लेने के लिए यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयन और कई अन्य शीर्ष अधिकारी पहुंचे थे। जब उसुर्ला बैठक स्थल पर पहुंची, तो हॉल में सिर्फ दो कुर्सियां पड़ी थीं, जिन पर तुर्की के राष्ट्रपति तैयप एदोर्गान और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष मिशेल ने कब्जा जमा लिया। उसुर्ला हैरत में पड़ गईं और थोड़ी देर वहीं खड़ी रहीं। कुर्सी पर बैठे दोनों नेता ये सब देखते हुए भी चुपचाप बैठे रहे और किसी ने भी उन्हें कुर्सी ऑफर करने की जहमत नहीं उठाई। बाद में उन्हें एक सोफे पर बिठाया गया। यूरोपीय कमीशन के अध्यक्ष होने के नाते उसुर्ला वॉन डेर लेयन का अपने साथ ऐसे व्यवहार की उम्मीद नहीं थी। इससे भी ज्यादा हैरत करने वाला व्यवहार तुर्की के राष्ट्रपति का था जिसने ना तो अपने मेहमान को कोई तवज्जो दी ना ही वहीं महिला के प्रति सम्मान दिखाया। यूरोपीय संघ के कार्यकारी के प्रवक्ता एरिक मैमर ने बताया कि निश्चित रुप से ये हैरान करनेवाली बात थी। वैसे भी यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष होने के नाते उन्हें यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष और तुर्की के राष्ट्रपति के समकक्ष बिल्कुल उसी तरीके से बैठाया जाना चाहिए था। वीडियो में, उसुर्ला वॉन डेर लेयन, कमरे में हुई इस अजीब घटना पर अपना हाथ हिलाते हुए अविश्वास प्रकट करते देखा जा सकता है।

स्पर्म डोनर ढूंढने के लिए मिलेंगे 56 हजार रुपए

पेईचिंग, (एजेंसी) । चीन की एक बैंक को एक अच्छे स्पर्म डोनर की तलाश है। इसकी खोज के लिए 56 हजार रुपए भी खर्च करने को तैयार है। बैंक इसके लिए कई तरह के विज्ञापन का भी इस्तेमाल कर रहा है। स्पर्म बैंक ने एक पोस्ट जारी कर लिखा है कि आपका समर्पण भविष्य के लिए मददगार साबित होगा। चीन से बेहद अजीब मामला सामने आ रहे हैं। यहां अब अच्छी क्वालिटी के स्पर्म डोनर की मांग बेहद बढ़ गई है। एक स्पर्म बैंक ने सोशल मीडिया पर से डोनर्स से आगे आने की अपील की है। स्पर्म बैंक का कहना है कि पुरुष को अच्छे पैसे दिए जाएंगे। दरअसल झेजियांग ह्यूमन स्पर्म बैंक ने बीते दिनों से डोनर्स को स्पेम डोनेट करने को कह रहा है बैंक इसके लिए कई तरह के विज्ञापन का भी इस्तेमाल कर रहा है। स्पर्म बैंक ने एक पोस्ट जारी कर लिखा है कि आपका समर्पण भविष्य के लिए मददगार साबित होगा। हम आपको सेवा करने और स्पर्म डोनेट करने के लिए बुला रहे हैं। इससे पहले स्पर्म बैंक ने पोस्ट में लिखा कि स्पर्म डोनेट करना रक्तदान करने के बराबर है। ये मानवता के लिए किया गया काम है। हम अच्छे स्पर्म ढूंढने के लिए पांच हजार युआन (56,053 रुपए) देंगे। चीन में इस समय स्पर्म बैंक की स्थिति सहीं नहीं है।

झेजियांग ह्यूमन स्पर्म बैंक के निर्देशक शेंग हुईकियांग ने कहा कि हम कुछ वर्षों में भारी कमी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई लोग स्पर्म डोनेशन के लिए संपर्क करते हैं, लेकिन काफी कम ही इसके लिए पास हो पाते हैं। शेंग ने आगे कहा कि स्मोकिंग, शराब, देर रात जागने और कसरत नहीं करने के कारण इंसानों की स्पर्म क्वालिटी बेहद खराब हो रही है।

अगर चीन ने हमला किया तो ताइवान आखिरी दिन तक लड़ेगा : जोसेफ

ताइपे, (एजेंसी)। ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने कहा कि अगर चीन ने हमला किया तो द्वीप अंतिम दिन तक अपनी रक्षा करेगा। जोसेफ वू ने कहा कि सैन्य धमकी के साथ सुलह के चीन के प्रयासों से द्वीप के निवासियों को मिश्रित संकेत मिल रहे हैं। चीन दावा करता है कि ताइवान उसका भूभाग है। वू ने कहा कि ताइवान के हवाई क्षेत्र में चीन के 10 युद्धक विमानों ने उड़ान भरी और ताइवान के पास उसने अभ्यास के लिए एक विमान वाहक समूह को तैनात किया है। वू ने कहा, हम बिना किसी सवाल के, अपना बचाव करने के लिए तैयार हैं। अगर हमें युद्ध लड़ने की जरूरत हुयी तो हम युद्ध लड़ेंगे, और अगर हमें आखिरी दिन तक अपना बचाव करना पड़ा तो हम अपना बचाव करेंगे। चीन ताइवान की लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित सरकार को मान्यता नहीं देता है, और चीनी नेता शी चिनफिंग ने कहा कि दोनों के एकीकरण को अनिश्चितकाल के लिए नहीं टाला जा सकता है।

वू ने मंत्रालय की एक ब्रीफिंग में कहा, वे एक ओर अपनी संवेदनाएं भेजकर ताइवान के लोगों को आकर्षित करना चाहते हैं, लेकिन वहीं वे ताइवान के करीब अपने सैन्य विमान और सैन्य पोतों को भी भेज रहे हैं ताकि ताइवान के लोगों को भयभीत किया जा सके। वू ने कहा, चीन ताइवानी लोगों के लिए मिश्रित संकेत भेज रहा है...। चीन की सैन्य क्षमताओं में भारी सुधार और ताइवान के आसपास उसकी बढ़ती गतिविधियों ने अमेरिका की चिंताएं बढ़ा दी हैं, जो कानूनी रूप से यह आश्वासन देने के लिए बाध्य है कि ताइवान खुद का बचाव करने में सक्षम है। ताइवान और चीन 1949 में गृह युद्ध के बीच अलग हो गए थे तथा ताइवान के अधिकतर लोग मुख्य भूमि के साथ मजबूत आर्थिक आदान-प्रदान जारी रखते हुए वास्तविक स्वतंत्रता की मौजूदा स्थिति को बनाए रखने के पक्ष में हैं।

देश में कोरोना का एक भी मामला नहीं : उ. कोरिया

सियोल, (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को पेश की कई अपनी हालिया रिपोर्ट में दावा किया है कि देश अब भी कोरोना वायरस से मुक्त है। उत्तर कोरिया ने करीब एक साल पहले संक्रमण की शुरूआत में देश को महामारी से मुक्त रखने के प्रयास को राष्ट्र के अस्तित्व का सवाल करार दिया था। उत्तर कोरिया ने अपनी सीमाएं बंद कर रखी हैं, पर्यटकों के आगमन पर रोक है और राजनयिकों को भी देश से बाहर किया जा चुका है। संक्रमण के लक्षण वाले हजारों लोगों को पृथक-वास में रखा है, लेकिन इसके बाद भी उत्तर कोरिया ने कहा कि उसके देश में कोविड-19 का एक भी मामला सामने नहीं आया। यह एक ऐसा दावा है, जिस पर भरोसा करना मुश्किल है क्योंकि उत्तर कोरिया की स्वास्थ्य प्रणाली अच्छी स्थिति में नहीं है और देश का कारोबार भी संक्रमण से प्रभावित चीन के साथ है और यह कारोबार उसकी अर्थव्यवस्था के लिए जीवन रेखा के समान है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के उत्तर कोरिया के प्रतिनिधि एडविल सल्वाडोर का कहना है कि उत्तर कोरिया ने कहा है कि उसने महामारी की शुरूआत से एक अप्रैल तक 23,121 लोगों की जांच की है, लेकिन इनमें से कोई भी संक्रमित नहीं पाया गया। सल्वाडोर ने कहा कि उत्तर कोरिया ने 26 मार्च से एक अप्रैल के बीच 732 लोगों की जांच की। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि उत्तर कोरिया पृथक-वास में भेजे गए लोगों की संख्या अब एजेंसी के साथ साझा नहीं कर रहा है। उत्तर कोरिया ने कहा था कि वह कोरोना वायरस से अपने खिलाड़ियों की रक्षा करने के लिए तोक्यो ओलंपिक में हिस्सा नहीं लेगा।

दिल्ली के पास सिर्फ 4-5 दिन का ही कोरोना टीका : सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली (आनंद राय)। दिल्ली समेत देशभर में कोरोना वायरस संक्रमण के विस्तार और खतरे के बीच टीकाकरण भी जारी है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का कहना है कि दिल्ली को कोरोना का टीका बुधवार को मिला है। हमारे पास फिलहाल 4-5 दिन का ही टीका बचा है। हमने इस संबंध में और टीकों की मांग की है, हमें उम्मीद है कि जल्द ही इसकी पूर्ति हो जाएगी। उन्होंने लोगों से भी अपील की है कि हमें मिल कर कोरोना को हराना है। केंद्र सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि स्वास्थ्य कर्मियों का टीकाकरण कम हुआ है। हम इस बारे में यही कह सकते हैं कि केंद्र सरकार के अस्पतालों में ही कम टीकाकरण हुआ है। यह कोई मुद्दा भी नहीं है। मुद्दा यह है कि लोगों को ज्यादा से ज्यादा टीका लगना चाहिए।

वहीं, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा है कि राजधानी दिल्ली में 24 घंटे टीका लगना शुरू हो गया है। इससे टीकाकरण की रफ्तार भी बढ़ गई है। जनता को यह सुविधा देने वाली दिल्ली सरकार देश की पहली सरकार है। उन्होंने कहा कि राजधानी के लोगों की व्यस्त दिनचर्या को देखते हुए दिल्ली सरकार ने यह फैसला लिया है। इससे अब कोई भी व्यक्ति कभी भी टीकाकरण केंद्र पर जाकर टीका लगवा सकता है। वहीं, अगर कोई व्यक्ति रात्रि कर्फ्यू के बीच टीका लगवाने जाता है, तो उसे ई पास लेकर जाना होगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने लोकनायक अस्पताल में चल रहे टीकाकरण का वीडियो ट्वीट करते हुए दिल्ली के सभी पात्र लोगों से आगे आकर टीका लगवाने की अपील की है। टीकाकरण अभियान के अंतर्गत बुधवार टीकाकरण की रफ्तार काफी सुस्त रही। इस वजह से शाम ६.00 बजे तक मात्र 41,412 लोगों को ही टीका लगा। एक कारण यह रहा कि बुधवार को नगर निगम की डिस्पेंसरी में रूटीन टीकाकरण का दिन था। इसलिए यहां केवल 5 साल से कम उम्र के बच्चों को अन्य बीमारियों से बचाव वाले टीके लगे। इसलिए यहां कोरोना टीका नहीं लगा। सिर्फ बड़े सरकारी व निजी अस्पतालों में ही सामान्य रूप से टीकाकरण हुआ। इसलिए टीकाकरण की रफ्तार धीमी रही, जबकि मंगलवार को शाम ६.00 बजे तक 76,642 लोगों ने टीका लगवाया था। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बुधवार को 33,867 लोगों ने टीके की पहली डोज व 7,545 लोगों ने टीके की दूसरी डोज ली। इनमें से सिर्फ तीन लोगों में ही हल्के दुष्प्रभाव देखे गए।

नई दिल्ली में गुरुवार को दिल्ली के दिलशाद गार्डन इंडस्ट्रियल एरिया में दामोदर पार्क के पास एक फैक्ट्री में आग लगने के बाद मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड की गाड़ियां एव आग बुझाते हुए दमकलकर्मी।

40 साल बाद वेलकम झील फिर से करेगी आम लोगों का वेलकम

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली के यमुनापार में कभी 54 जलाशय हुआ करते थे। इनमें कई झील व तालाब शामिल थे, लेकिन समय के साथ ये लुप्त होते गए। ऐसे ही जलाशयों में शामिल थी वेलकम झील। 40 साल बाद अब इसे फिर से जीवन मिलने जा रहा है। इसमें बारिश का जल संचय किया जाएगा। अभी उत्तर-पूर्वी दिल्ली में एक भी झील नहीं है। पिछले 2 सालों से केंद्र सरकार से मिले फंड के जरिये पूर्वी निगम इस झील का पुनरुद्धार करने में जुटा है। पहले यह कार्य दिसंबर, 2020 में पूरा हो जाना था, लेकिन कोरोना की वजह से इसमें देरी हो गई। निगम अधिकारियों की मानें तो झील का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसमें पानी की व्यवस्था करने में समय लग रहा है। वेलकम वार्ड के पार्षद अजय कुमार निगम में लगातार इस काम को जल्द पूरा करने की मांग करते आ रहे हैं।

अजय कुमार ने कहा कि वह 20वीं सदी के सातवें दशक के अंतिम वर्षों तक यहां पर 39 एकड़ में झील थी। स्कूल के दिनों में वह यहां परिवार के साथ आते भी थे। इसके बाद इसमें पानी सूख गया। जमीन का कुछ हिस्सा निर्माण कार्यों की भेंट चढ़ गया। अभी करीब 32 एकड़ जमीन बची हुई है। इसी में 14 एकड़ में झील तैयार की जा रही है। दरअसल इस झील को जीवन देने के लिए 20 साल से निगम में प्रस्ताव आ रहे थे। फंड की कमी की वजह से इस पर काम शुरू नहीं हो पा रहा था। बारिश की बूंदों को सहेजने के लिए जलाशयों को जीवित करना जरूरी है। इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जहां भी जगह मिलेगी, वहां पर जलाशय बनाने की कोशिश की जाएगी। वेलकम झील की सौगात इसी वर्ष जनता को मिल जाएगी।

दिल्ली एम्स में पहले की तरह ही जारी रहेंगी ओपीडी सेवाएं

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में इलाज करा रहे मरीजों के लिए राहत की खबर है। एम्स की रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अमनदीप ने बताया कि अस्पताल में ओपीडी सेवाएं पहले की तरह ही जारी रहेंगी, लेकिन एम्स प्रशासन के आदेशानुसार अगले 4 सप्ताह तक ओपीडी सेवाओं के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन को बंद किया है ताकि लाइन में लगे लोगों के द्वारा कोरोना ना फैले। इलाज के लिए आने वालों के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सेवाएं जारी रहेंगी। इससे पहले कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए एम्स में गुरुवार 8 अप्रैल से ओपीडी की सुविधा में कटौती करते हुए रुटीन वॉक इन ओपीडी बंद करने की बात कही गई थी। ओपीडी में सिर्फ ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लिया जा सकेगा। एम्स के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा जारी आदेश के तहत प्रत्येक विभाग में रोज अधिकतम 50 मरीजों का ही पंजीकरण किया जाएगा। शाम को चलने वाले विशेष सुपर स्पेशलिटी क्लीनिक में भी ऑफलाइन पंजीकरण बंद कर दिया गया है।

बता दें कि, दिल्ली में मंगलवार को इस साल के सर्वाधिक कोरोना के 5100 नए मामले सामने आए थे। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, मंगलवार को इस संक्रमण से 17 और मरीजों की मौत हो जाने से मृतकों की संख्या 11,113 हो गई। पिछले कुछ हफ्ते में कोरोना वायरस के मामलों में तेज वृद्धि के बीच संक्रमण दर 4.93 प्रतिशत है। इससे पहले पिछले साल 27 नवंबर को राजधानी में 5,482 मामले सामने आए थे। दिल्ली में संक्रमितों की संख्या मंगलवार को 6,85,062 हो गई, जबकि 6.56 लाख मरीज ठीक हो चुके हैं। दिल्ली में सोमवार को कोविड-19 के 3,548 नए मामले सामने आए थे और 15 लोगों की मौत हुई थी। यहां रविवार को 4033 नए मामले सामने आए थे और 21 मरीजों की मौत हो गई थी। शनिवार को 3,567 नये मामले सामने आए थे, जबकि शुक्रवार को 3594 नए मामले सामने आए थे। हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, मंगलवार को इस संक्रमण से 17 और मरीजों की मौत हो जाने से मृतकों की संख्या 11,113 हो गई। बुलेटिन के मुताबिक, एक्टिव मरीजों की संख्या 17,332 हो गई है, जबकि एक दिन पहले 14,589 मरीज थे। बुलेटिन के मुताबिक, एक दिन पहले आरटी-पीसीआर तरीके से 69,667 जांच और रैपिड एंटीजन तरीके से 33,786 जांच समेत कुल 1,03,453 नमूनों की जांच की गई। होम आइसोलेशन में 8,871 लोग हैं, जबकि सोमवार को 7,983 लोग आइसोलेशन में थे। कंटेनमेंट जोन की संख्या भी बढ़कर 3291 हो गई है। एक दिन पहले यह 3090 थी।

बिना किसी कारण घर से बाहर न जाएं, पहले किया गया अनुरोध

नई दिल्ली, (संवाददाता)। नाइट कर्फ्यू के दौरान लोग बिना किसी कारण के घर से बाहर न रहें, इसके लिए क्षेत्र की पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। हालांकि कर्फ्यू के पहले दिन पुलिस ने सख्ती के बजाय अनुरोध पर जोर दिया। जिन लोगों पर अनुरोध का असर हुआ, उनके खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, लेकिन जहां बात अनुरोध से बात नहीं बनी, वहां पुलिस ने महामारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की। आने वाले दिनों में अब पुलिस अनुरोध के बजाय सीधे कार्रवाई करेगी। नाइट कर्फ्यू के दौरान स्थिति पर नजर रखने के लिए गश्त के अलावा सड़कों पर जगह-जगह इंटिग्रेटेड पिकेट लगाए गए हैं। राजौरी गार्डन इलाके में तो आमतौर पर बाजारों में रात में 10 बजे भी हलचल रहती है, मंगलवार रात को पुलिस ने गश्त के दौरान सड़क पर मौजूद लोगों से स्पष्ट तौर पर कहा कि वे घर चले जाएं। थानाध्यक्ष अनिल शर्मा स्वयं पुलिस बल के साथ क्षेत्र का दौरा कर रहे थे। इस दौरान उन्हें जहां भी दुकानें खुली नजर आईं, उन्होंने उसे तत्काल बंद कराया और हिदायत देते हुए कहा कि नाइट कर्फ्यू के दौरान नियमों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करें। द्वारका जिले में भी सभी थानाध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। पुलिस की कई गाड़ियों से उद्घोषणा की जा रही थी कि लोग अपने घर चले जाएं। उत्तम नगर इलाके में जहां आमतौर पर सड़क किनारे रात 11 बजे तक हलचल रहती है वहां पुलिस की सक्रियता के कारण स्थिति अब थोड़ी बदली नजर आ रही है। इलाके में उत्तम नगर व बिंदापुर थाना क्षेत्र के पुलिस के अधिकारी गश्त करते रहे। इसी तरह जनकपुरी थाना क्षेत्र में भी पुलिसकर्मी पूरी तरह सक्रिय नजर आए।

दिल्ली मेट्रो में कोरोना नियमों के उल्लंघन पर बढ़ी सख्ती

नई दिल्ली, (संवाददाता)। एक बार फिर दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने दिल्ली में तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण को काबू करने के लिए भी अपनी कमर कस ली है। डीएमआरसी ने मेट्रो में सफर के दौरान कोविड नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। डीएमआरसी के दिल्ली मेट्रो के फ्लाइंग स्क्वॉड ने बीते दो दिन में 1365 यात्रियों के चालान काटे हैं। डीएमआरसी ने ट्वीट कर बताया कि दिल्ली मेट्रो के फ्लाइंग स्क्वॉड ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर 7 अप्रैल 2021 को फेस मास्क ठीक से नहीं पहनने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए 672 यात्रियों के चालान काटे हैं। वहीं, 6 अप्रैल को नियमों का पालन नहीं करने पर 693 यात्रियों का चालान किया था।

डीएमआरसी ने ट्विटर के माध्यम से लोगों को यह जानकारी दी। कोरोना वायरस संक्रमण से बचने के लिए पहले से अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। दिल्ली मेट्रो ने आपकी सुरक्षित यात्रा के लिए सभी ठोस कदम उठाए हैं। यात्रियों से अपील है कि वो सुरक्षित सफर के लिए मेट्रो दिशानिदेर्शों का पालन करें औरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने गुरुवार को कहा कि कोरोना वायरस के काफी सारे नए मामले युवाओं के हैं। दिल्ली में संक्रमण दर 6% पार गई है। इस बार कोरोना काफी तेजी से फैल रहा है, लेकिन मौतें कम हैं। दिल्ली में टीकाकरण अभियान अच्छा चल रहा है। अभी हमारे पास वैक्सीन का चार-पांच दिन का स्टॉक है। हमने केंद्र सरकार से और वैक्सीन की मांग की है, उम्मीद है वो हमें जल्द ही मिल जाएगी। जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र को लिखा था कि टीकाकरण सभी के लिए खोला जाना चाहिए। इसके साथ ही हमने 2 और अनुरोध किए हैं कि सभी वयस्कों के लिए टीकाकरण की अनुमति दी जानी चाहिए। दूसरी बात यह है कि इसे टीकाकरण के लिए अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर ही नहीं, बल्कि कैंप सेटिंग में भी अनुमति दी जानी चाहिए। हमें मिलकर कोविड़ से लड़ना चाहिए। केंद्र ने आरोप लगाया कि दिल्ली में स्वास्थ्य कर्मियों का टीकाकरण कम था। हम यह भी कह सकते हैं कि केंद्र सरकार के अस्पतालों में टीकाकरण कम था। यह कोई समस्या नहीं है, मुद्दा यह है कि हम जल्द ही अधिक से अधिक लोगों का टीकाकरण करेंगे।

दिल्ली में बुधवार को कोरोना वायरस के 5506 नए मामले दर्ज किए गए, जो 24 नवंबर 2020 से बाद एक दिन में संक्रमण के सबसे अधिक मामले हैं। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी बुलेटीन के अनुसार, यहां पर पिछले 24 घंटों के दौरान इस महामारी के कारण 20 मरीजों की मौत हुई और इसके बाद मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 11,133 हो गया।

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप की निगरानी के लिए स्थापित किए गए निगरानी उपकरण

नई दिल्ली, (संवाददाता)। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने दिल्ली में और इसके आसपास भूकंपीय गतिविधि की करीबी निगरानी के लिए अतिरिक्त भूकंप रिकार्डिंग उपकरण स्थापित किए हैं। दरअसल, पिछले साल इस क्षेत्र में भूकंप की एक श्रृंखला देखी गई थी। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने इस आशय के निर्देश जारी किए थे। उपग्रह से मिली जानकारी के आधार पर दिल्ली के वजीराबाद, तिमारपुर और कमला नेहरू रिज, राजस्थान के झुंझुनूं और अलवर जिले, हरियाणा में सोनीपत, गुरुग्राम, रोहतक, रेवाड़ी और नूंह जिले, उत्तर प्रदेश में बागपत जिले में यह उपकरण लगाए गए हैं। इन सभी स्थलों से मिले भूगर्भीय क्षेत्र सर्वेक्षण उपग्रह डेटा का आकलन किया जा रहा है। इससे जो जानकारी मिलेगी वह भविष्य में भूकंपरोधी भवनों के निर्माण में सहायक होगी।

एनसीएस ने कुछ विशेषज्ञों के साथ सलाह-मशविरा कर दिल्ली और उसके आसपास भूकंप की गतिविधि की करीबी निगरानी के लिए अतिरिक्त रिकार्डिंग उपकरणों को तैनात किया है। इससे समय-समय पर होने वाली भूगर्भीय हलचल का पता चल सकेगा। उपकरण की तैनाती वाडिया इंस्टीट्यूट आफ हिमालयन जियोलाजी, देहरादून के सहयोग से की गई है। वहीं, उपकरण से मिलने वाले मानचित्रों और डेटा का विश्लेषण आइआइटी कानपुर के साथ मिलकर किया जा रहा है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और इसके आसपास के क्षेत्रों में पिछले साल अप्रैल से मामूली और छोटे-छोटे भूकंप आए थे। इन भूकंपों का केंद्र पूर्वोत्तर दिल्ली, रोहतक, सोनीपत, बागपत, फरीदाबाद और अलवर के इलाकों में था। एक अधिकारी ने बताया कि एनसीएस ने भूकंप की निगरानी 11 अतिरिक्त अस्थायी क्षेत्र स्टेशनों के माध्यम से की है, जो भूकंप के कारण स्त्रोतों की बेहतर समझ के लिए भूकंप का सटीक पता लगाने के लिए मई और जून 2020 के दौरान स्थापित किए गए थे। ये सभी स्टेशन परिचालन कर रहे हैं और भूकंप का पता लगाने के लिए वास्तविक समय के पास डेटा प्रदान कर रहे हैं। पिछले तीन महीनों में रिक्टर स्केल पर 1.8 और 2.9 के बीच नौ भूकंप आए और ज्यादातर पश्चिमी दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, रोहतक, सोनीपत, बागपत, बहादुरगढ़ और गाजियाबाद क्षेत्रों में स्थित हैं।

आईआईटी दिल्ली ने बनाया एक घंटे में डेंगू और एचआईवी की जांच वाला डिवाइस

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली सहित अन्य संस्थानों के शोधार्थियों ने डेंगू व एचआईवी की जांच रिपोर्ट एक घंटे में देने वाली किट विकसित की है। इसका आकार बाजार में उपलब्ध किट से छोटा है और इसे आसानी से स्थानांतरित किया जा सकता है। डेंगू व एचआईवी की जांच के लिए यह एक आसान उपकरण है। यह उपकरण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मलेरिया रिसर्च व नेशनल एड्स रिसर्च इंस्टीट्यूट पुणे के वैज्ञानिकों के सहयोग से तैयार किया है। आईआईटी दिल्ली में भौतिक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर जेपी सिंह ने बताया कि यह यह उपकरण 8 से 10 लाख की लागत का है। लेकिन इसमें जो चिप लगती है जिस पर ब्लड रखकर टेस्ट किया जाता है उसकी कीमत 50 रुपए से भी कम है। इसका उपयोग सरकारी अस्पतालों सहित अन्य जगहों पर हो सकती है। हमने अभी इसका प्रोटोटाइप बनाया है।

भीषण गर्मी झेलने के लिए तैयार रहें लोग, जल्द चलेगी लू

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में गर्मी बढ़ने के साथ ही मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल गया है। मौसम के उतार-चढ़ाव के बीच दिन में तीखी धूप के बावजूद फिलहाल दिल्ली के साथ एनसीआर के शहरों नोएडा-ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद में गर्मी से आंशिक राहत महसूस की जा रही है। तापमान में भी थोड़ी कमी आई है। सुबह के समय गर्मी से हल्की राहत मिल रही है। भारतीय मौसम विभाग की मानें तो शुक्रवार को भी मौसम की यही स्थिति रहने वाली है। इसके बाद न्यूनतम और अधिकतम दोनों ही तापमान में वृद्धि दर्ज हो सकती है।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि आने वाले दिनों में राजधानी वासियों के साथ एनसीआर के लोगों को भी लू का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग ने 11 और 12 अप्रैल के आसपास दिल्ली में अधिकतम तापमान 40 तक पहुंचने के साथ ही लू चलने की भी संभावना जताई है। इस दौरान दिल्लीवासियों को भीषण गर्मी का एहसास होगा।

नहीं मान रहे दिल्ली वाले नाइट कर्फ्यू के तुरंत बाद ई-पास के लिए 73 हजार आवेदन

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली में रात्रि कर्फ्यू लागू होने के तुरंत बाद ई-पास के लिए 73,154 आवेदन आए। इनमें से केवल 1,271 को मंजूरी दी गई थी। दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि 34,759 से अधिक आवेदन खारिज कर दिए गए, क्योंकि आवेदक दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के आदेश के अनुसार छूट वाली श्रेणियों में नहीं थे। नई दिल्ली जिले में सबसे अधिक 13,139 आवेदन प्राप्त हुए, इसके बाद दक्षिण पश्चिम में 11,661, दक्षिण में 9,947, पश्चिम में 7,673, उत्तर पश्चिम में 6,560, और पूर्वी दिल्ली में 6,065 आवेदन प्राप्त हुए। वहीं ई पास आवेदन में गड़ीबड़ी को लेकर स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि ई-पास को लेकर कुछ शिकायत मिली थी जिसे दूर कर लिया गया है। बता दें कि दिल्ली में नाइट कर्फ्यू के दौरान पहले से रजिस्ट्रेशन के बिना कोविड-19 का टीका लगवाने के लिए जाने वाले लोगों को ई-पास की सॉफ्ट या हार्ड कॉपी अपने साथ रखनी होगी। अधिकारियों ने बुधवार को इस बारे में जानकारी दी। कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के कारण दिल्ली सरकार ने मंगलवार को 30 अप्रैल तक रात 10 बजे से सुबह पांच बजे तक राजधानी में नाइट कर्फ्यू लगा दिया है, जो 30 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा।

दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक शहर में बुधवार को को संक्रमण के 5500 से अधिक मामले आए तथा 20 और लोगों की मौत हो गई। टीकाकरण के लिए जाने वालों को भी छूट मिली हुई है जो कोविन ऐप के जरिए मिले मैसेज को दिखा सकते हैं और टीकाकरण केंद्र पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने नाइट कर्फ्यू लगाने को उचित ठहराते हुए कहा कि ऐसे समय में जब संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं कई लोग पार्टियां कर रहे थे और भीड़भाड़ बढ़ रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कठोर कदम नहीं है क्योंकि कई श्रेणियों में छूट भी दी गई है। उन्होंने कहा कि टीकाकरण केंद्र पर जाकर पंजीकरण कराकर टीका लेने वालों को पहले ई-पास लेने की जरूरत होगी।

दिल्ली के चिड़ियाघर में अब पक्षियों के अलावा ये खास चीज भी लुभाएगी

नई दिल्ली। चिड़ियाघर में अब तक हाथी, शेर, गेंडा और पक्षी देखने के लिए आने वाले पर्यटकों को अब चिड़ियाघर का जंगल भी लुभाएगा। चिड़ियाघर की छह एकड़ जमीन पर ट्री प्वाइंट बनाने का काम किया जा रहा है। इसमें 100 तरह के पौधे लगाने का काम किया जा रहा है, जिसमें से 60 तरह के पौधे लगाए भी जा चुके हैं। छह एकड़ में 100 तरह के पेड़ लगने से पर्यावरण को भी लाभ होगा। प्रबंधन का कहना है कि पर्यटकों के लिए ट्री प्वाइंट बनाने का तेजी से किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि चिड़ियाघर के मध्य क्षेत्र में करीब छह एकड़ ऐसी जमीन थी, जिसमें पहले से कई तरह के पेड़ लगे हुए थे। वहीं, बाद में इस जमीन पर चिड़ियाघर के अंदर और बाहर का कूड़ा डाले जाने लगा, जिसकी वजह से वहां कूड़े का ढेर एकत्रित हो गया। निदेशक ने बताया कि लाकडाउन के दौरान उन्होंने कूड़े के ढेर को खत्म कराने का काम किया, जिसके लिए एनडीएमसी और दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की मदद ली। उन्होंने बताया कि अब इस जमीन को साफ कराकर इसमें पेड़ लगाने का काम तेजी से किया जा रहा है। इसके लिए दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम की नर्सरी से पेड़ मंगाए जा रहे हैं, जिन्हें लगाया जा रहा है। अब तक 60 से अधिक प्रकार के पौधे लगाए जा चुके हैं। वहीं, पहले से भी पेड़ लगे हुए थे। अधिकारियों का कहना है कि पक्षी, सांप और जानवरों के साथ लोग एक साथ 100 प्रकार के पेड़ एक ही स्थान पर देख सकते हैं। चिड़ियाघर ने इस स्थान को ट्री प्वाइंट का नाम दिया है। निदेशक ने बताया कि नीम, पीपल, बोतल पाम, खिरनी, तोतापरी, गुलमोहर, देवदार, बरगद समेत 100 तरह के पेड़ लगाने का काम किया जा रहा है।

केजरीवाल सरकार ने कोरोना मरीजों को दो बड़ी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली मे कोरोना संक्रमण बेकाबू होने के बाद दिल्ली सरकार इसकी रोकथाम के लिए पूरी तरह जुट गई है। सभी अस्पतालों के चिकित्सा निदेशकों और अधीक्षकों को कोरोना मरीज को 10 मिनट में भर्ती करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही मरीजों को कोई परेशानी न हो इसके लिए 50 से अधिक बेड क्षमता वाले 115 निजी अस्पतालों को कुल बेड क्षमता के 50 फीसद बेड कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए आरक्षित करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके साथ ही अगर अस्पताल चाहें तो अपनी बेड क्षमता भी बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही लोकनायक अस्पताल और गुरू तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल में भी बेड बढ़ाए गए हैं। इनमें से लोकनायक में बेड की संख्या बढ़ाकर 1500 और जीटीबी में अब एक हजार कर दी गई है। इनमें से लोकनायक में आइसीयू बेड की संख्या 300 और जीटीबी में 100 हो गई है। इन अस्पतालों में सरकार ने दो दिन पहले ही बेड बढ़ाए थे। अब संक्रमण बढ़ने पर दोबारा बेड बढ़ाए गए हैं।

संपादकीय

हम छोटी बचत से हाथ न धोएं

वित्त मंत्रालय से आया अप्रैल फूल का झटका तो वापस हो गया, लेकिन यह सवाल हवा में तैर रहा है कि एनएससी, पीपीएफ और अन्य छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर आगे भी बरकरार रहेगी या मौजूदा विधानसभा चुनावों के खत्म होने के बाद यानी अगली तिमाही में कटौती होगी? कहा गया है कि वित्त मंत्रालय से ब्याज दर कम करने का जो आदेश जारी हुआ, वह भूल से जारी हो गया था। यह बताने के लिए वित्त मंत्री ने अंग्रेजी में एक शब्द इस्तेमाल किया, 'ओवरसाइट'। शब्दकोश में इसके कई अर्थ हैं। पहला और प्रचलित अर्थ तो है, निगरानी या नजर रखना। पूर्व केंद्रीय सचिव अनिल स्वरूप ने अपने ट्वीट में चुटकी भी ली कि अगर 'ओवरसाइट' इस्तेमाल की जा रही होती, तो शायद यह 'ओवरसाइट' न होती। मतलब यह है कि अगर कामकाज पर किसी की नजर होती, तो ऐसी चूक नहीं होती। शब्दकोश में ओवरसाइट का दूसरा अर्थ चूक ही है। जाहिर है, वित्त मंत्री यही कहना चाहती हैं कि ब्याज दरों में कटौती का आदेश गलती से जारी हो गया। लेकिन अर्थव्यवस्था और राजनीति पर बारीक नजर रखने वालों की राय है कि आदेश वापस भले ही हो गया, लेकिन उसका जारी होना कोई चूक नहीं, बल्कि वक्त की जरूरत थी। कुछ आर्थिक विशेषज्ञों का तो यहां तक कहना है कि दरों में कटौती वापस लेने का फैसला ही सरकार की गलती है। लेकिन उस किस्से पर चलने से पहले यह समझना जरूरी है कि आखिर यह आदेश वापस हुआ क्यों? यहां एक महत्वपूर्ण आंकड़ा देखना पड़ेगा। देश भर में किस-किस राज्य के लोग छोटी बचत योजनाओं में कितना पैसा जमा करते हैं? इसके एकदम ताजा आंकड़े तो अभी सामने नहीं हैं, पर नेशनल सेविंग्स इंस्टीट्यूट ने 2017-18 तक के आंकड़े जारी किए हैं। इनके मुताबिक, इन स्कीमों में सबसे ज्यादा पैसा बंगाल से जमा होता है, पूरे देश के मुकाबले उसकी हिस्सेदारी 15 फीसदी से ऊपर है। और, जिन चार राज्यों व एक केंद्र शासित क्षेत्र में अभी विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, वे सब मिलकर इन स्कीमों में करीब एक चौथाई पैसा देते हैं। जाहिर है, पैसा जमा करने वाले ये सारे परिवार ब्याज में कटौती से नाराज हो सकते थे। कोई भी सरकार ऐन चुनाव के दिन अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने वाला ऐसा फैसला जानते-बूझते तो करेगी नहीं।

मगर वित्तीय व्यवस्था पर नजर रखने वालों का तर्क है कि पूरी दुनिया में ब्याज दरें घट रही हैं। कर्ज भी सस्ता हो रहा है और बैंकों की जमा-राशि पर भी ब्याज दरें काफी गिर चुकी हैं। अमेरिका में शून्य फीसदी, तो जर्मनी में ब्याज लेने के बजाय उल्टे ब्याज देने की व्यवस्था, यानी 'निगेटिव इंटरेस्ट रेट' हो गई है। भारत सरकार भी बॉन्ड जारी करके जो कर्ज ले रही है, उस पर ब्याज दर काफी गिर चुकी है। ऐसे में, छोटी बचत योजनाओं का ब्याज कम नहीं किया गया, तो इसके दो खतरे हैं। एक तो यह कि लोग बैंकों से पैसा निकालकर इस तरफ खिसकाना शुरू कर सकते हैं, जो बैंकों के लिए घातक हो सकता है। अगर उन्हें डिपॉजिट कम मिलेंगे, तो फिर वे लोन कैसे देंगे? चारों ओर गिरती ब्याज दरों के बीच देश की सबसे बड़ी हाउसिंग फाइनेंस कंपनी एचडीएफसी ने अपने फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दर चौथाई फीसदी बढ़ाने का एलान कर दिया। इसका साफ मतलब है कि या तो कंपनी के पास डिपॉजिट कम हो रहे हैं या फिर उसके पास कर्ज की मांग बढ़ने लगी है, जिसे पूरा करने के लिए उसे और रकम चाहिए। सरकार का खजाना और हिसाब-किताब देखने वाले अधिकारियों की दूसरी बड़ी फिक्र यह है कि अगर छोटी बचत योजनाओं का ब्याज कम नहीं किया गया, तो इससे सरकारी खजाने पर ही बोझ बढ़ेगा, क्योंकि इस ब्याज का भुगतान तो सरकार को ही करना होता है। अभी सरकार के खजाने पर दबाव जारी है और कोरोना के ताजा हमले की वजह से आर्थिक स्थिति में सुधार पर फिर ब्रेक लगने का डर बढ़ रहा है। इस हालत में कहीं से भी खर्च बढ़ाने वाला कोई भी काम करना समझदारी नहीं माना जाएगा। लिहाजा यह मानने का कोई कारण नहीं है कि वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने यह सब सोच-समझकर ही छोटी बचत पर ब्याज घटाने का फैसला किया था, और इसीलिए यह आशंका बनी हुई है कि जैसे ही राजनीति का दबाव घटेगा, आर्थिक तर्कशास्त्र हावी होगा और यह फैसला वापस आ जाएगा।

आर्थिक उदारीकरण और नवीन अर्थशास्त्र के पैरोकार भी कहते रहे हैं कि आम जनता का पैसा सीधे या म्यूचुअल फंड स्कीमों के जरिए शेयर बाजार में जाएगा, तभी अर्थव्यवस्था पूरी रफ्तार पकड़ेगी। मोटे तौर पर ये विशेषज्ञ छोटी बचत योजनाओं में बड़ी रकम जमा होने को अच्छा नहीं मानते। लेकिन सरकार को और इस तर्क के समर्थकों को कुछ सवालों के जवाब भी देने चाहिए। लघु बचत की ज्यादातर योजनाओं में जमा होने वाला पैसा कम से कम एक साल और ज्यादा से ज्यादा 15 साल के लिए लॉक रहता है। यानी, सरकार लंबी जरूरतों के लिए इस पैसे का इस्तेमाल कर सकती है। वह इसे सही जगह लगाकर इस पर बेहतर रिटर्न भी दिला सकती है। आखिर 1986 से 2000 तक पीपीएफ पर 12 फीसदी का सालाना ब्याज मिलता रहा। हालांकि, उसके बाद से ही इसमें गिरावट का सिलसिला चल रहा है। सिर्फ पिछली सरकार के दौरान दो बार इसमें हल्की बढ़त हुई। बहरहाल, इन योजनाओं की शुरुआत इसलिए की गई थी, ताकि आम जनता में बचत की आदत डाली जा सके, उनका पैसा सुरक्षित हाथों में रहे और सरकार को विकास योजनाओं के लिए पैसे मिल सकें। योजनाओं की सफलता का सुबूत है कि देश भर में घरेलू बचत का 80 फीसदी से भी ज्यादा हिस्सा इन्हीं योजनाओं में जाता है। 2008 के आर्थिक संकट के वक्त भारत दुनिया के सामने मजबूती से खड़ा रहा, उसका बहुत बड़ा श्रेय लघु बचत योजनाओं को जाता है। ब्याज दर घटाने के पीछे तमाम तर्क हो सकते हैं, लेकिन आम आदमी के पैसे की सुरक्षा का क्या इंतजाम हो रहा है, इसका भी जवाब सरकार की तरफ से आना चाहिए। खासकर यह देखते हुए कि आने वाले वक्त में नौकरियों पर खतरे की तलवार लटकी ही रहने वाली है। ऐसे में, लोगों में बचत की आदत को बढ़ावा देना सरकार के लिए भी फायदेमंद होगा।

प्रवीण कुमार सिंह

निजी क्षेत्र को लेकर की जा रही सस्ती राजनीति रोजगार के सवाल को और गंभीर बनाएगी

यह सस्ती राजनीति रोजगार के सवाल को और गंभीर ही बनाएगी। ये दल और खासकर कांग्रेस इससे अपरिचित नहीं हो सकती कि चीन की जो तमाम कंपनियां दुनिया भर में छा गई हैं, उनके विकास में वहां की सरकार का हाथ है। यदि सरकारी नौकरियों के पीछे भागते युवाओं को संतुष्ट करना है तो फिर सरकारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि निजी क्षेत्र रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करे। इसी के साथ उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि भर्ती परीक्षाएं रह-रहकर रद या फिर स्थगित न हों, क्योंकि जब ऐसा होता है तो परीक्षाओं के साथ सरकारों की भी विश्वसनीयता का क्षरण होता है।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के रद-स्थगित होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले महीने सेना को अपनी एक देशव्यापी भर्ती परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने के कारण रद करनी पड़ी। प्रश्नपत्र लीक होने अथवा अन्य किसी धांधली के कारण परीक्षा रद होने का यह इकलौता मामला नहीं। ऐसे मामले सामने आते ही रहते हैं। जब कोई भर्ती परीक्षा रद होती है तो लाखों छात्र प्रभावित होते हैं और नौकरी पाने की उनकी प्रतीक्षा भी बढ़ जाती है। जबसे कोविड महामारी फैली है, तबसे उसके कारण भी कई परीक्षाएं रद हुई हैं। हाल में महाराष्ट्र राज्य सेवा आयोग की परीक्षा पांचवीं बार स्थगित की गई। कोरोना के कारण ही हाल में मध्य प्रदेश पुलिस कांस्टेबल परीक्षा रद की गई। राजस्थान में अध्यापक पात्रता परीक्षा आर्थिक पिछड़ों को मौका देने के चलते स्थगित हुई। उत्तर प्रदेश में अधीनस्थ सेवा आयोग की परीक्षा परिणाम आने के बाद रद कर दी गई, क्योंकि जांच में यह सामने आया कि इस परीक्षा में गड़बड़ी हुई थी। इसी आयोग ने अप्रैल में होने वाली अपनी तीन और परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं।

चंद दिनों पहले उत्तराखंड सरकार ने सहकारी बैंक भर्ती परीक्षा रद कर दी, क्योंकि उसमें धांधली के आरोप लगे थे। इसके पहले हरियाणा स्टाफ सेलेक्शन कमीशन की ओर से हुई ग्राम सचिव भर्ती परीक्षा को प्रश्न पत्र लीक होने के कारण रद करना पड़ा था। हिमाचल प्रदेश में हिमाचल पथ परिवहन निगम की कंडक्टर भर्ती का परीक्षा परिणाम अटक गया है, क्योंकि उसमें धांधली की जांच रपट का इंतजार किया जा रहा है। दिल्ली के जिला न्यायालयों में ग्रुप-सी की भर्ती परीक्षा भी स्थगन का शिकार हो चुकी है। परीक्षा स्थगन का कारण वही रहा-प्रश्न पत्र लीक होना। वास्तव में ऐसी भर्ती परीक्षाओं की

गिनती करना मुश्किल है, जिन्हें प्रश्न पत्र लीक होने या अन्य किसी गड़बड़ी के कारण रद किया गया। इसमें संदेह नहीं कि रिक्त पड़े सरकारी पदों पर समय से भर्ती न हो पाने का एक कारण इस या उस वजह से रद या स्थगित की जाने वाली भर्ती परीक्षाएं भी हैं। रद, स्थगन, विलंब का शिकार भर्ती परीक्षाएं देर-सबेर आयोजित होंगी ही, लेकिन समस्या यह भी है कि सरकारी नौकरियों की संख्या घटती जा रही है। कोरोना संकट ने केंद्र के साथ राज्यों की आर्थिक हालत पर और बुरा असर डाला है। इसके चलते रिक्त पदों को भरने में और विलंब हो सकता है।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि विभिन्न राज्यों में पुलिसकर्मियों के ही लाखों पद रिक्त हैं। यहां तक कि अर्धसैनिक बलों में भी एक लाख से अधिक पद रिक्त पड़े हुए हैं। सितंबर, 2020 के एक आंकड़े के अनुसार, देश भर में केवल शिक्षकों के ही दस लाख से अधिक पद रिक्त हैं। पुलिस और शिक्षकों के पदों के लंबे समय तक रिक्त बने रहने का कोई मतलब नहीं। इन्हें प्राथमिकता के आधार पर भरा जाना चाहिए। यह बात अन्य विभागों के रिक्त पदों को लेकर नहीं कही जा सकती, क्योंकि कामकाज में तकनीक का दखल बढ़ता जा रहा है। तकनीक और खासकर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसी तकनीक का असर नौकरियों पर पड़ना तय है।

सरकारी नौकरियों में कमी की भरपाई के लिए निजी क्षेत्र का सहयोग लेना आज की सख्त जरूरत है। इस जरूरत को पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बार यह कहकर रेखांकित किया है कि सरकारों का काम उद्योग-धंधे चलाना नहीं है। निस्संदेह सरकारों का काम उद्योग-धंधे चलाना नहीं है, लेकिन उन्हें रोजगार के सवाल पर तो गंभीरता का परिचय देना ही होगा। सरकारी नौकरियों में कमी की भरपाई निजी क्षेत्र कर सके, इसके लिए इस क्षेत्र को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। यह काम बेहतर नियमन और निगरानी तंत्र बनाकर ही किया जाना चाहिए, ताकि न तो किसी तरह की मनमानी हो सके और न ही एकाधिकार वाली स्थिति पैदा हो। निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन देने की बात पर आम तौर पर विपक्षी दल केवल नाक-भौं ही नहीं सिकोड़ते, बल्कि ऐसे आरोपों के साथ सामने आ जाते हैं कि सरकार सब कुछ बेचने पर आमादा है।

कांग्रेस केवल ऐसे आरोपों तक ही सीमित नहीं है कि मोदी सरकार अपने गहने बेचने में जुट गई है, बल्कि वह यह भी प्रचारित कर रही है कि मोदी सरकार केवल तीन-चार उद्योगपतियों के हितों को पूरा करने का काम कर रही है। वाम नेताओं की संगत में घोर वामपंथी बन चुके राहुल गांधी खास तौर पर अंबानी-अदाणी को निशाने पर रखते हैं। जब कोशिश इसकी होनी चाहिए कि देश में अंबानी-अदाणी सरीखे बड़े और लोगों को नौकरियों के साथ रोजगार के अवसर प्रदान करने वाले कारोबारी समूहों की संख्या बढ़े, तब उन्हें न केवल खलनायक बताया जा रहा है, बल्कि आधारहीन आरोपों के जरिये लांछित भी किया जा रहा है। क्या ये कारोबारी समूह अपने उत्पाद या फिर सेवाएं जबरन लोगों को मुहैया करा रहे हैं? क्या ऐसा कुछ है कि इन कारोबारी समूहों के उत्पाद अथवा सेवाएं घटिया होने के बावजूद लोगों को खरीदनी पड़ रही हैं? यह विडंबना ही है कि जो दल संकीर्ण राजनीतिक कारणों से कारोबारी समूहों को निशाना बनाकर निजी क्षेत्र पर नजला गिराते हैं, वही रोजगार का सवाल भी खड़ा करते हैं। यह सस्ती राजनीति रोजगार के सवाल को और गंभीर ही बनाएगी। ये दल और खासकर कांग्रेस इससे अपरिचित नहीं हो सकती कि चीन की जो तमाम कंपनियां दुनिया भर में छा गई हैं, उनके विकास में वहां की सरकार का हाथ है। यदि सरकारी नौकरियों के पीछे भागते युवाओं को संतुष्ट करना है तो फिर सरकारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि निजी क्षेत्र रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करे। इसी के साथ उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि भर्ती परीक्षाएं रह-रहकर रद या फिर स्थगित न हों, क्योंकि जब ऐसा होता है तो परीक्षाओं के साथ सरकारों की भी विश्वसनीयता का क्षरण होता है।

देशमुख को देना पड़ा इस्तीफा

भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे एनसीपी नेता अनिल देशमुख ने आखिरकार सोमवार को महाराष्ट्र के गृहमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। जैसा कि ऐसे मामलों में अक्सर होता है, पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार खो देने का अहसास उन्हें तब हुआ, जब वसूली के आरोपों की सीबीआई जांच कराने का हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद उनके सामने कोई और रास्ता नहीं रह गया। यों तो पूर्व मुंबई पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह के सार्वजनिक तौर पर आरोप लगाने के तुरंत बाद एनसीपी के सर्वोच्च नेता शरद पवार ने भी इसे गंभीर माना था, लेकिन उन्होंने इस्तीफा मांगने या न मांगने का सवाल मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के विवेक पर छोड़ दिया था। तब एनसीपी के अन्य नेता अड़ गए कि देशमुख किसी भी सूरत में इस्तीफा नहीं देंगे। बाद में पवार ने भी देशमुख के कोरोना संक्रमण, हॉस्पिटल में इलाज और आइसोलेशन जैसे तथ्यों के सहारे इस्तीफे की मांग खारिज कर दी। जाहिर है, ऐसे में शिवसेना और कांग्रेस के इस्तीफे पर जोर देने का मतलब था एमवीए सरकार का गिरना। सो किसी ने जोर नहीं दिया, देशमुख पद पर बने रहे।

सोमवार को हाईकोर्ट के फैसले ने आखिर उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया। उनकी जगह दिलीप वलसे पाटिल गृहमंत्री बना दिए गए। इससे कम से कम ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि मौजूदा सरकार पर मंडरा रहा संकट फिलहाल टल गया है। लेकिन आरोप आज भी बरकरार हैं। देखना होगा कि सीबीआई जांच से किस तरह के तथ्य बाहर आते हैं और उनका सरकार की स्थिरता पर क्या असर पड़ता है। वैसे उद्धव सरकार से यह पहला इस्तीफा नहीं है। इससे पहले एक टिकटॉक स्टार पूजा चव्हाण की आत्महत्या के बाद विवादों में आए शिवसेना के संजय राठौड़ को वनमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। इन विवादों ने मुख्य विपक्षी दल बीजेपी के हमलावर तेवर को धार जरूर दी है, लेकिन राजनीतिक तौर पर अपना संतुलन बनाए रखने की वजह से सरकार की स्थिरता पर तत्काल कोई खतरा नहीं दिख रहा है। लेकिन जब से यह सरकार बनी है, तभी से इसे असहज राजनीतिक गठजोड़ बताया जा रहा है।

सच भी यही है कि पारंपरिक तौर पर कांग्रेस और एनसीपी भले मिलकर सरकार बनाती रही हों, शिवसेना हमेशा इनके विरोधी खेमे में रही है। उसका गठबंधन बीजेपी से रहता आया था। हिंदुत्व दोनों की राजनीति का समान आधार रहा है। जब इस समान आधार के बावजूद दोनों का साथ रहना संभव नहीं हुआ तो महाराष्ट्र में नया राजनीतिक प्रयोग हुआ और उद्धव सरकार बनी। इस प्रयोग की सफलता-असफलता अन्य राज्यों में भी संभावित राजनीतिक गोलबंदी को प्रभावित करेगी, लेकिन अभी तो सबसे बड़ा सवाल गवर्नेंस का है। राजनीतिक प्रयोग की नाकामी या कामयाबी तो तब देखी जाएगी, जब सरकार नियम-कानून और शासन-प्रशासन की न्यूनतम मर्यादा बनाए रख पाएगी। अभी तो इसी पर सवालिया निशान लगा हुआ है।

उप राज्यपालों के पास अधिक अधिकार क्यों होने चाहिए?

पिछले सप्ताह संसद में दिल्ली के उप राज्यपाल के अधिकारों को लेकर एक विधेयक पारित हुआ। इसमें दिल्ली के उप राज्यपाल के अधिकार पहले से कहीं अधिक स्पष्ट किए गए हैं। हालांकि समय-समय पर दिल्ली को और अधिकार देने अथवा उसे पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग होती रही है, लेकिन देश की राजधानी होने के कारण केंद्र ने उसके अधिकार सीमित ही रखे। उप राज्यपाल को अधिक अधिकार प्रदान कर एक तरह से उनके जरिये ही दिल्ली के शासन को संचालित किया गया। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के रूप में दिल्ली के उप राज्यपाल के पास राज्यपालों की अपेक्षा अधिक शक्तियां हैं। अन्य राज्यों की तरह दिल्ली के पास पुलिस, कानून एवं व्यवस्था और भूमि संबंधी अधिकार नहीं हैं। हालांकि दिल्ली के पास विधानसभा है, मगर वह इन तीन विषयों से जुड़े कानून नहीं बना सकती। दिल्ली सरकार के पास मुख्यत: शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, पेयजल व्यवस्था से संबंधित अधिकार हैं। दिल्ली की सफाई व्यवस्था और कुछ अन्य अधिकार उसके नगर निगमों के पास हैं। आजादी के बाद से दिल्ली को जिस तरह संचालित किया गया, उसके चलते वह बेतरतीब और अनियोजित विकास का शिकार हुई है। आज अगर दिल्ली के लोगों से पूछा जाए कि यहां बेतरतीब विकास के लिए कौन जिम्मेदार है तो शायद वे ठीक-ठीक जवाब नहीं दे पाएंगे। आजादी के बाद देश के राज्यों को तीन स्तरों पर विभाजित किया गया। दिल्ली तीसरे स्तर का राज्य था। 1952 से 1956 तक दिल्ली के पास अपनी विधानसभा और मुख्यमंत्री रहे। 1956 में दिल्ली केंद्र शासित राज्य बना और उसकी विधानसभा भंग कर दी गई। 1991 में दिल्ली को फिर विधानसभा मिली। 1993 में पुन: विधानसभा चुनाव हुए और भाजपा के मदनलाल खुराना मुख्यमंत्री बने। इसके बाद भी एक के बाद एक केंद्र सरकारें दिल्ली की जनता द्वारा चुनी गई सरकारों को पर्याप्त अधिकार देने में संकोच करती रहीं। इसका कारण यह रहा कि दिल्ली में रहने वाले केंद्र सरकार के अधिकारी उसे अपने ढंग से शासित करने की मानसिकता से लैस रहे। जाहिर है कि दिल्ली सरकार के अधिकारों पर बहस की गुंजाइश बनती है। दिल्ली के उप राज्यपाल के अधिकारों संबंधी जो विधेयक संसद से पारित हुआ, उसका आधार उच्चतम न्यायालय का एक निर्णय है। यह निर्णय दिल्ली सरकार और उप राज्यपाल में अधिकारों के टकराव को दूर करने को लेकर दायर एक याचिका के संदर्भ में दिया गया था। उच्चतम न्यायालय ने आदेश दिया था कि दिल्ली में जमीन, पुलिस या लोक व्यवस्था से जुड़े फैसलों के अलावा राज्य सरकार को उप राज्यपाल की मंजूरी लेने की जरूरत नहीं। इस फैसले के बाद दिल्ली सरकार ने अपने निर्णयों से पहले संबंधित फाइल उप राज्यपाल के पास भेजना बंद कर दी और केवल उन्हें सूचित करना प्रारंभ कर दिया। इसने विवादों को जन्म दिया। दिल्ली सरकार और उप राज्यपाल के बीच अधिकारों को लेकर विवाद जारी रहा। केंद्र सरकार के अनुसार इसी विवाद को खत्म करने और उप राज्यपाल के अधिकारों को और स्पष्ट करने के लिए उक्त विधेयक लाया गया है। यदि दिल्ली के उप राज्यपाल को और अधिकार देने वाला विधेयक कानून का रूप लेता है तो उनकी शक्तियां और बढ़ जाएंगी। अब यदि दिल्ली सरकार या उसकी कैबिनेट की ओर से कोई प्रशासनिक फैसला लिया जाता है तो उसमें उप राज्यपाल की मंजूरी आवश्यक होगी। इसके साथ ही दिल्ली विधानसभा के पास उप राज्यपाल की सहमति के बिना प्रशासनिक प्रभाव वाला कोई कानून बनाने का अधिकार नहीं होगा।

चूंकि यह स्थिति दूसरे राज्यों में नहीं है इसलिए यह सवाल उठेगा कि जनता की ओर से चुनी गई अन्य सरकारों और दिल्ली की सरकार में इतना फर्क क्यों? देश के अनेक राज्यों की आबादी दिल्ली से कहीं कम है, जैसे मिजोरम और त्रिपुरा, फिर भी उन्हें दिल्ली के मुकाबले कहीं अधिक अधिकार प्राप्त हैं। दिल्ली देश की राजधानी है। उसके विकास को देखकर देश ही नहीं, दुनिया भारत की बढ़ती हुई ताकत और उसकी आर्थिक क्षमता का आकलन करती है, लेकिन अधिकारों को लेकर अस्पष्टता और दिल्ली सरकार एवं उप राज्यपाल के बीच तनातनी के चलते दिल्ली अनियोजित विकास का पर्याय बनी हुई है। यह एक तथ्य है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण दिल्ली का नियोजित विकास नहीं कर सका। दिल्ली के अनेक इलाकों के मुकाबले एनसीआर के शहरों जैसे गुरुग्राम और नोएडा कहीं बेहतर तरीके से विकसित हुए। इस स्थिति के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण ही जिम्मेदार है। भारत अपनी आजादी की 75 वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। अब जब हमारा लोकतंत्र मजबूत और परिपक्व हो चुका है, तब इस पर चर्चा होनी चाहिए कि केंद्र शासित प्रदेशों को वहां की चुनी हुई सरकारें वैसे ही क्यों न चलाएं, जैसे राज्यों की सरकारें चलाती हैं?

यह ठीक है कि दिल्ली में केंद्रीय सत्ता भी काम करती है, लेकिन ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकती है कि यहां के नगर निगम, दिल्ली विवि, विकास प्राधिकरण, अस्पतालों के साथ कानून एवं व्यवस्था दिल्ली सरकार के अधीन रहे। अगर केंद्र को यह आशंका हो कि दिल्ली सरकार उसके कामों में अड़ंगा लगा सकती है या फिर उसकी भौतिक जरूरतों को पूरा करने में बाधक बन सकती है तो कानूनन ऐसी व्यवस्था की जा सकती है कि वह ऐसा कुछ न कर सके।

यह कैसा लोकतंत्र, जिसमें जनता अपने खून-पसीने से राष्ट्र निर्माण में लगी और जनप्रतिनिधि उसे दीमक की तरह चाट रहे?

अब हमें उसमें सहमति, सौहार्द, समालोचना और सकारात्मकता के समावेश पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इसके लिए गंभीर, समझदार, समावेशी और कठोर नेतृत्व जरूरी है, जो लोकप्रियता के ऊपर लोकहित और तात्कालिक लाभ के ऊपर दूरगामी लाभ को रखकर लोकतांत्रिक उदारवाद और सामाजिक अनुशासन में समन्वय स्थापित कर सके। गांधी जी ने कभी कहा था कि अनुशासित और प्रबुद्ध लोकतंत्र दुनिया की सबसे अच्छी चीज है। क्या गांधी जी की इस अभिलाषा को हम पूर्ण करेंगे? क्या नेहरूवादी राजनीतिक संस्कृति के स्थान पर हम गांधीवादी राजनीतिक संस्कृति की स्थापना कर एक नवीन सांस्कृतिक पुनर्जागरण का शंखनाद कर सकेंगे?

महाराष्ट्र में शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस गठबंधन सरकार के गृहमंत्री अनिल देशमुख पर मुंबई से जूनियर स्तर के एक पुलिस अधिकारी के माध्यम से प्रतिमाह सौ करोड़ रुपये की उगाही के आरोप से प्रत्येक देशवासी का सिर शर्म से झुक गया। आरोप किसी और ने नहीं, मुंबई पुलिस के आयुक्त पद से हटाए गए अधिकारी ने लगाया। इस पर भी गौर करें कि इतना बड़ा आरोप लगा और किसी ने पद नहीं छोड़ा। यह वही मुंबई है, जिसे देश के लोगों ने अपने श्रम से 'व्यावसायिक राजधानी' बना दिया है। यह कैसा लोकतंत्र है जिसमें जनता अपने खून-पसीने से राष्ट्र निर्माण में लगी है और जनप्रतिनिधि उसे दीमक की तरह चाट रहे हैं? इस दीमक का इलाज कैसे होगा और कौन करेगा?

आज देश कोरोना संकट से जूझ रहा है। ऐसे में किसी मंत्री पर वसूली का सरदार होने, सांसदों-विधायकों के गंभीर अपराधों में लिप्त पाए जाने, बड़े सरकारी अधिकारियों और पुलिस के भ्रष्टाचार में डूबे होने तथा न्यायपालिका में अमर्यादित व्यवहार करने वाले कुछ न्यायाधीशों के कारण संविधान और लोकतंत्र के प्रति जनता में निराशा होना स्वाभाविक है। लोकतंत्र को संचालित करने वाली चुनावी व्यवस्था धनबल, बाहुबल और साम-दाम-दंड-भेद पर आधारित हो गई है। राजनीति, शासन और प्रशासन साधन नहीं, साध्य हो गए हैं। प्रत्येक क्षेत्र में सांस्कृतिक क्षरण अपनी पराकाष्ठा पर है। क्या गांधी जी ने ऐसे ही समाज की कल्पना स्वतंत्रता संग्राम के दौरान की थी? क्या इसीलिए उस दौरान असंख्य

भारतीयों ने बलिदान दिया था? क्या ऐसे ही समाज के लिए हमारा संविधान बनाया गया था? आखिर कौन लेगा इस गिरावट की जिम्मेदारी, जो देशवासियों की असंख्य उपलब्धियों को धूमिल करती है? हम लोग अक्सर चुनावों, धरना-प्रदर्शनों, प्राकृतिक आपदाओं या आंतरिक अथवा बाह्य सुरक्षा से निपटने में व्यस्त रहते हैं, पर इन सभी मोर्चों पर सफलता तभी मिलेगी जब सामाजिक तानाबाना मजबूत हो, जब हम अधिकारों के साथ ही अपने दायित्वों का भी निर्वहन करें, जब अपने से पहले समाज को रखें तथा उन मूल्यों को पहचानें और उन पर अमल करें जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं, परंतु क्या हमारी युवा पीढ़ी उस धरोहर को जानती-पहचानती भी है?

उठो सवेरे रगड़ नहाओ, ईश विनय कर शीश नवाओ, रोज बड़ों के छुओ पैर, कभी किसी से करो न बैर, पढ़ो पाठ फिर करो कलेवा, बढ़िया काम बड़ों की सेवा। इस छोटी सी कविता ने बचपन में हमें 'सात मूल्य' दे दिए, जो आज तक हमारे 'कार्य-कथन-चिंतन' की आधारशिला हैं। क्या ऐसा कोई प्रयास आज हम कर पा रहे हैं? वर्तमान पीढ़ी जो माता-पिता, गुरु, सरकारी अधिकारी, राजनीतिज्ञ, कर्मचारी आदि बना रहे हैं, क्या अपने दायित्वों के निर्वहन में ऐसे मूल्यों का ध्यान रख पा रहे हैं? हम अजीब द्वंद्व में फंसे हुए हैं। एक ओर हमें पश्चिमी संस्कृति और वहां के विकास के तौर-तरीके आकृष्ट करते हैं तो दूसरी ओर हम अपने मूल्यों, संस्कारों और संस्कृति से कट कर 'सर्वे-भवंतु-सुखिन:' के बजाय 'अहम् भवामि सुखिन:' की ओर उन्मुख हैं। अपनी जड़ों से कटकर क्या किसी समाज का भला हो पाया है?

यदि हमने मूल्यविहीन-संस्कारविहीन पीढ़ी की फसल पैदा कर ही ली है तो हमारी समस्या और गंभीर हो जाती है। उसके निदान के लिए समाज को एक नूतन सांस्कृतिक-पुनर्जागरण की आवश्यकता है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय 'राजनीतिक पुनर्जागरण' से आजादी तो मिल गई, मगर अंग्रेजों ने बड़ी चतुराई से शिक्षा के जरिये समाज में पश्चिमी संस्कृति के बीज बो दिए। परिणामस्वरूप राजनीतिक पुनर्जागरण देसी राजनीतिक संस्कृति को जन्म न दे सका और समाज विदेशी संस्कृति की ओर आकृष्ट हो गया। स्वतंत्रता के बाद हमने पाश्चात्य सांस्कृतिक और विदेशी राजनीतिक प्रतिमानों को प्राप्त करने में ही अपनी ऊर्जा लगा दी। गांधी जी और जवाहरलाल नेहरू में वैचारिक मतभेद थे।

नेहरू के नेतृत्व के कारण गांधीवादी राजनीतिक संस्कृति के बजाय 'नेहरूवादी राजनीतिक संस्कृति' विकसित हुई। जहां गांधी अहिंसा और राजनीति को शुचितापूर्ण साधन मानते थे, वहीं नेहरू ने यह माना कि आधुनिक विकास के दौर में भ्रष्टाचार तो पनपेगा ही। परिणामस्वरूप, ऐसी 'नेता संस्कृति' विकसित हुई जो जनोन्मुखी और समाजोन्मुखी न होकर 'अपने और अपनों' पर केंद्रित हो गई। इसी से हमारे समाज और राजनीति के प्रत्येक पहलू में हिंसा और भ्रष्टाचार का बोलबाला हो गया है। स्पष्ट है कि यदि हमें इनसे मुक्ति चाहिए तो नेहरूवादी राजनीतिक संस्कृति को त्यागकर गांधीवादी राजनीतिक संस्कृति की ओर लौटना होगा। हमें नई राजनीतिक संस्कृति का सूत्रपात करना होगा और प्राथमिक शिक्षा के माध्यम से आने वाली पीढ़ी में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना करनी होगी। यह काम बहुत कठिन है, क्योंकि इसे हम लोकतांत्रिक तरीके से ही कर सकेंगे। इसमें उन तत्वों के घोर विरोध का सामना करना पड़ेगा, जो पश्चिमी संस्कृति या आयातित विचारधाराओं की छत्रछाया में पले-बढ़े हैं। इतना ही नहीं, भारत की विपुल सांस्कृतिक, साहित्यिक और सामाजिक विविधताओं के कारण देश के विभिन्न क्षेत्रों में मूल्यों की भी विविधताएं हैं। अत: इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का चयन करने में ऐसा सामंजस्य हो, जिससे उनकी अखिल भारतीय स्वीकार्यता सुनिश्चित की जा सके। अभी तक हमने विविधता में असहमति, अलगाव, आलोचना और नकारात्मकता को ही ज्यादा तरजीह दी है। अब हमें उसमें सहमति, सौहार्द, समालोचना और सकारात्मकता के समावेश पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इसके लिए गंभीर, समझदार, समावेशी और कठोर नेतृत्व जरूरी है, जो लोकप्रियता के ऊपर लोकहित और तात्कालिक लाभ के ऊपर दूरगामी लाभ को रखकर लोकतांत्रिक उदारवाद और सामाजिक अनुशासन में समन्वय स्थापित कर सके। गांधी जी ने कभी कहा था कि अनुशासित और प्रबुद्ध लोकतंत्र दुनिया की सबसे अच्छी चीज है। क्या गांधी जी की इस अभिलाषा को हम पूर्ण करेंगे? क्या नेहरूवादी राजनीतिक संस्कृति के स्थान पर हम गांधीवादी राजनीतिक संस्कृति की स्थापना कर एक नवीन सांस्कृतिक पुनर्जागरण का शंखनाद कर सकेंगे?

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त समाचार

भिंड: रिटायर्ड फौजी ने अपनी लाइसेंसी माउजर से गोली मारकर की आत्महत्या

भिंड। सुरपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम कोषण में एक रिटायर्ड फौजी ने अपने लाइसेंसी माउजर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर विवेचना में लिया। पुलिस के अनुसार मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात जगपाल सिंह भदौरिया पुत्र शिवकुमार सिंह भदौरिया उम्र 34 वर्ष निवासी कोषण सेवानिवृत्त फौजी है। जो गांव में अपनी मां के साथ रहता था, जबकि पत्नी व परिवार के अन्य लोग ग्वालियर रहते हैं। मंगलवार की रात करीब 11.30 बजे जगपाल सिंह ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। ग्रामीणों की मानें तो जगपाल सिंह सरपंच की तैयारी कर रहा था। साथ ही उनके बडे भाई हैदराबाद में पदस्थ है और वह लंबे समय से किसी मानसिक रूप से परेशान था इसलिए उसने यह आत्मघाती कदम उठाकर अपने आपको गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

उमरिया: बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में मिला एक मृत तेंदुआ

उमरिया। बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा कोर परिक्षेत्र में नौवाडोल नाले के किनारे मिले एक मादा तेंदुए का शव परीक्षण करने के बाद उसके सभी अवयवों सहित जलाकर पूर्णत: नष्ट कर दिया गया है।क्षेत्र संचालक विंसेट रहीम ने बताया कि गुरुवार को सुबह 8 बजे गार्ड द्वारा पेट्रोलिंग के दौरान तेंदुए का शव देखे जाने के बाद इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। सहायक वन्य जीव शल्यज्ञ डॉ. नितिन गुप्ता, डब्ल्यू.सी.टी. के पशु चिकित्सक और एनसीटी के प्रतिनिधियों के साथ क्षेत्र संचालक मौके पर पहुँचे और शव परीक्षण कर सैम्पल सुरक्षित रखवाये गये। श्री विंसेट रहीम ने बताया कि मृत मादा तेंदुए की आयु लगभग 9-10 वर्ष आंकलित की गई है। तेंदुए की मृत्यु प्रथम दृष्टया अधिक आयु होना प्रतीत हुआ है।

इंदौर: हाईप्रोफाइल घोटाले के फरार आरोपी को एसटीएफ ने दबोचा

इंदौर। विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की इंदौर इकाई ने धार जिले में हुए 93 करोड़ के एक कथित घोटाले के आरोप में फरार चल रहे एक इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक एसटीएफ मनीष खत्री ने बताया कि श्री राजेन्द्रसूरी साख सहकारिता शाखा राजगढ़ वित्तीय घोटाले एवं सिद्धि विनायक मार्केटिंग सोसाइटी में चने घोटाले के अपराध में आरोपी विन्देश मंडलोई निवासी त्रिमूर्ति नगर धार बीते डेढ़ वर्ष से फरार बताया चल रहा था। धार जिले के राजगढ़, अमझेरा, सरदारपुर, राजोद, कुक्षी, कानवन में पुलिस थानों में दर्ज प्रकरणों में मंडलोई फरार चल रहा था। पुलिस ने मंडलोई पर 22500 रूपये के नगद इनाम भी घोषित कर रखा था। आरोपी के विरुद्ध धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में सात अपराध दर्ज है।उन्होंने बताया आरोपी विन्देश श्री राजेन्द्रसूरी साख सहकारिता शाखा राजगढ़ का प्रबंधक थे। इन्हीं के कार्यकाल में अन्य सचालकों ने मिलकर लगभग 93 करोड़ का घोटाला किया था। एसपी के अनुसार वर्ष 2019 में सहकारिता विभाग के द्वारा किये गए आडिट में संस्था के लेखा जोखा में अनियमितता पाई गई। जिस पर तत्कालीन अंकेक्षण अधिकारी राजेश विक्टर की रिपोर्ट पर धार जिले के थाना राजगढ़ और अन्य 6 थानों में प्रकरण दर्ज किया गए।

भिण्ड : कैफे हाउस पर छापा, तीन युवक व दो युवतियों को दबोचा

भिण्ड। शहर के बीचों बीच स्थित कैफे हाउस पर पुलिस छापामार कार्रवाई के दौरान तीन युवक व दो युवतियों को आपत्तिजनक हालत में दबोचा। इस कारवाई के दौरान कैफे हाउस संचालक व उसके परिवारीजनों और पुलिसबल के बीच हाथापाई हुई जिसमें कुछ पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।डीएसपी पूनम थापा को आज मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि हाउसिंग कॉलोनी में ईटिंग मीटिंग कैफे में अश्लील गतिविधियां संचालित होती है। पुलिस बल के साथ छापा मारने पहुंचा। पुलिस ने इसी दौरान कुछ युवक व युवतियों को आपतिजनक स्थिति में पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि कैफे में युवक-युवतियां संदिग्ध अवस्था में मिली थी। कैफे का मेन गेट अंदर से बंद था। पुलिस कार्रवाई में कैफे संचालक के 2 लड़कों ने पुलिस से हाथापाई की थी। दोनों लड़कों को हिरासत में लिया गया है।

श्योपुर: सोते समय सांप के काटने से सहायक शिक्षक की मौत

श्योपुर । बुधबार- गुरुवार की दरमियान रात कराहल तहसील मुख्याल पर रहने वाले शिक्षक की सर्प के काटने से मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कराहल के कैलाश कालोनी में निवासी शिक्षक प्रभु लाल कुशवाह ग्राम पारोद के प्राथमिक शाला में सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ थे, परिजनों ने बताया कि रात्रि के समय खटिया पर अपने घर पर सो रहे थे कि अचानक देर रात लगभग 3.00 बजे सर्प ने काट लिया, परिजनों को पता चलते ही देशी दवा देने वालें को बुला लिया था लेकिन इसके बावजूद भी आराम नहीं मिलने के बाद परिजन स्वास्थ्य केंद्र कराहल लेकर गए । जहां डॉक्टरों द्वारा इलाज किया गया ,आराम नहीं मिलने के पर जिला चिकित्सालय श्योपुर के लिए रेफर कर दिया था जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया । डॉक्टरों ने पीएम उपरांत मृतक शिक्षक का शव परिजनों को सौंप दिया ।

दुर्ग: जिले में बंद रहेंगे निजी और सरकारी बैंक, कलेक्टर के आदेश

दुर्ग । जिले में कोरोना सक्रमण अब विकराल रूप धारण करने लगा है। जिसे देखते हुए दुर्ग कलेक्टर ने जिले के सभी शासकीय और निजी बैंकों को 9 अप्रेल से 14 अप्रेल तक बंद रखने का आदेश जारी कर दिया है। वहीं एटीएम सुविधा पहले की तरह जारी रहेगी। गुरुवार को जारी हुए इस आदेश में कलेक्टर ने कहा कि पूर्व में दी गई सभी छूट की समीक्षा की गई है। जिसके बाद बैंकों को बंद करने का निर्णय लिया गया है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को सख्ती से लॉकडाउन का पालन कराने कहा है। दुर्ग जिले में 6 से 14 अप्रेल तक टोटल लॉकडाउन लगाया गया है। पहले बैंकों को लॉकडाउन में खोलने की अनुमति दी गई थीए बिगड़ते हालातों की समीक्षा के बाद बैंक बंद करने आदेश जारी किया गया है। बुधवार को जिले में कोरोना से 8 लोगों की मौत हुई है। वहीं 1663 नए पॉजिटिव मरीज मिले हैं। बेमेतरा जिले में भी कलेक्टर शिव अनंत तायल ने 10 से 19 अप्रैल सुबह 6 बजे तक लॉकडाउन लगाने के आदेश जारी कर दिया है।

पानी के लिए तरस रहे ग्रामीणों ने रोका मंत्रियों का काफिला, जताया विरोध

दमोह (एजेंसी)। गुरुवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की भाजपा प्रत्याशी क पक्ष में सभा बांसा तारखेड़ा में आयोजित की गई थी। सभा उपरांत जब प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों का काफिला बापस लौटने लगा तो बांसा के करीब एक किमी दूर ग्राम सिहोरा परड़िया में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को लेकर खाली कुप्पों को सड़क पर प्रदर्शन शुरु कर दिया और पानी नहीं तो वोट नहीं की बात कहते हुए चुनाव का वहिष्कार किए जाने की बात कहने लगे। नारेबाजी कर अपना विरोध जता रहे ग्रामीणों के बीच शिवराज सरकार के मंत्री भूपेन्द्र सिंह भी आमसभा से लौटने के दौरान फंस गए। ग्रामीणों के विरोध के बीच उनके द्वारा समस्याओं को सुनकर उन्हें समझाने का प्रयास किया गया। वहीं उनके द्वारा मौके से ही प्रशासनिक अधिकारियों से फोन पर चर्चा करते हुए समस्या के जल्द निराकरण के निर्देश दिए और वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में टैंकरों से पानी सप्लाई के निर्देश दिए। वहीं इस दौरान भाजपा प्रत्याशी राहुल सिंह व जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह भी वहां पहुंचे और उनके द्वारा ग्रामीणों को लगातार समझाइश देकर उनकी मांग पूरी किए जाने की बात कही।

छह महीने बाद एक दिन में 27 मौतें, एक्टिव केस 28 हजार

प्रदेश में बेकाबू कोरोना रिकार्ड 4324 नए केस

पॉजिटिविटी रेट 13 प्रतिशत पर पहुंचा

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में कोरोना बेकाबू हो चुका है। पिछले 24 घंटे में रिकार्ड 4324 केस मिले हैं। 27 मरीजों की मौत हुई है। 6 महीने में यह एक दिन में मौतों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले 9 अक्टूबर 2020 को 27 मौतें दर्ज की गई थीं। एक्टिव केस भी 28 हजार के पार पहुंए गए हैं। कोरोना की पहली लहर में एक्टिव केस 21 हजार के पार नहीं हो पाए थे। एक सप्ताह में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ पॉजिटिविटी रेट 7 अप्रैल को 13 प्रतिशत हो चुका है।

कोरोना को कंट्रोल करने के लिए पूरे प्रदेश में शनिवार और रविवार का लॉकडाउन किया गया है। प्रदेश के 52 में से सिर्फ 9 जिले श्योपुर, अलीराजपुर, भिंड, छतरपुर, बुरहानपुर, दतिया, मुरैना, निवाड़ी और सीधी में 20 से कम पॉजिटिव केस है। शेष जिलों में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। अप्रैल माह के आंकड़े देखे तो एक सप्ताह में 24,281 कोरोना संक्रमित मिले। इस अवधि में 115 मरीजों की इलाज के दौरान मौत हुई। सबसे ज्यादा चिंताजनक यह है कि इन 7 दिनों में 8,724 एक्टिव केस बढ़े है। यही वजह है कि सरकार ने अस्पतालों में व्यवस्थाएं बढ़ाना शुरु कर दिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निजी अस्पतालों में कोरोना मरीजों के लिए बेड बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इससे पहले प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में 50प्रतिशत बेड कोरोना मरीजों के लिए रिजर्व रखने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने गुरुवार सुबह अपने निवास पर हाई लेबल बैठक बुलाई थी। मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद कहा कि मेरी मंशा लॉकडाउन लगाने की नहीं रही है। लेकिन अब अभूतपूर्व संकट है। । प्रदेश के सभी शहरी क्षेत्रों में दो दिन का लॉकडाउन करने का निर्णय लिया गया है। बड़े शहरों में कंटेटमेंट एरिया बढ़ाने का फैसला लिया है।

बेड की संख्या एक लाख की जाएगी

सरकार ने तय किया है कि अब कोरोना मरीजों के लिए एक लाख बेड की व्यवस्था की जाएगी। इसमें से अधिकतर कोविड केयर सेंटर में होंगे आक्सीजन की सप्लाई का कोई संकट नहीं है। भिलाई स्टील प्लांट से ऑक्सीजन मिलना शुरू हो जाएगी। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से चर्चा हुई है। दवाओं की कमी ना रहे, इसका प्रबंध किया जा रहा है।

इंदौर में मिले रिकार्ड 887 संक्रमित

प्रदेश के इंदौर में आज भी सबसे अधिक कोरोना के मरीज मिले। इस जिले में 887 संक्रमित मिले है। वहीं राजधानी भोपाल में 657 कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। इसके अलावा जबलपुर में 362, ग्वालियर में 298, रतलाम में 109, बड़वानी 104, कटनी 166, सिवनी में 75, विदिशा में 60, झाबुआ में 68, शाजापुर 67, सतना में 64 और शिवपुरी में 76 कोरोना संक्रमित मिले। राज्य के 52 जिलों में भी 4 से 50 कोरोना मरीज मिले हैं। प्रदेश में अभी तक 3,22,338 कोरोना संक्रमित मरीज मिल चुके हैं। जबकि इनमें से 2,90,165 मरीज प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों से उपचार के बाद घर पहुंच गये हैं। वहीं 28060 मरीजों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। कोरोना संक्रमण से प्रदेश में कुल 4113 लोगों की मृत्यु हुई है।

महामारी | अस्पताल प्रबंधन ने नहीं मानी लापरवाही

संक्रमण से हालात बिगड़े, एमवायएच परिसर में एंबुलेंस में पड़े रहे पांच शव

इंदौर (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण से शहर के हालत भयावह हो चले हैं। संक्रमितों के साथ भी लगातार मौतों का आंकड़ बढ़ रहा है। मौतें इतनीज्यादा हो रही हैं कि शव संभालना भी मुश्किल हो रहे हैं। तीनों सरकारी अस्पताल एमटीएच, एमआरटीबी, सुपर स्पेशलिटी कोविड केयर सेंटर से शवों को एम्बुलेंस में एमवायएच मार्च्युरी में भेजा जाता है। यहां ड्यूटी पर मौजूद सीएमओ द्वारा कागजी कार्रवाई कर शवों को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सूचना करने के बाद भेजा जाता है। गुरुवार को एम्बुलेंस में ही कुछ शवों को तीन घंटे तक रखना पड़ा क्योंकि मार्च्युरी के अंदर जो शव रखे थे उनकी पैकिंग व कागजी प्रक्रिया ही पूरी नहीं हो पाई थी। तीन घंटों के दौरान शव अस्पताल के पिछले हिस्से में लावारिसों की तरह एम्बुलेंस में पड़े रहे। इस दौरान न आसपास ड्राइवर मौजूद था न परिजन। एम्बुलेंस के कांच भी खुले हुए थे।

लगातार आते रहते हैं शव

जानकारी के मुताबिक सुबह गुरुवार सुबह 7 बजे एमवायएच में शव पहुंचे थे। पांचों शव एम्बुलेंस में रखे हुए थे और एम्बुलेंस अस्पताल के पिछले हिस्से में सड़क किनारे खड़ी हुई थीं। सभी की मौत कोविड से होना बताई जा रही है। इतनी बड़ी संख्या में शव तीन घंटे तक सड़क पर ही एम्बुलेंस में पड़े रहे।

अस्पताल सूत्रों का कहना है कि तीनों अस्पताल में रात में हुए मौतों के बाद शवों को सुबह कागजी कार्रवाई के लिए एमवायएच भेजा है। यहां 24 घंटे शव आ रहे हैं। पूर्व में शवों को मार्च्युरी में रख दिया जाता था, लेकिन अब शव एम्बुलेंस में ही पड़े रहते हैं और खानापूर्ति होने के बाद इन्हें अंतिम संस्कार के लिए सीधे श्मशान या कब्रिस्तान ले जाया जाता है। इस संबंध में अस्पताल अधीक्षक डॉ. पीएस ठाकुर का कहना है कि शव नान एमएलसी थे, इसलिए उन्हें कागजी कार्रवाई के बाद परिजनों की जानकारी के बाद अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जाना था, इसलिए उन्हें मार्च्युरी में नहीं रखा गया, इसमें किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं बरती गई।

कोविड अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म भर्ती भाजपा नेता की मौत, परिजनों किया जमकर किया हंगामा

उज्जैन। माधवनगर कोविड-19 हॉस्पिटल में भर्ती भाजपा नेता जितेंद्र शेरे की गुरुवार को मौत के बाद परिजन-मित्रों ने जमकर हंगामा किया। शेरे ने मौत के कुछ घंटों पहले ही बुधवार रात को सोशल मीडिया पर अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म होने व मरीजों की जान खतरे में होने का मैसेज डाला था। इससे पहले ही परिजन आक्रोशित थेए इस पर शव ले जाने के लिए घंटों इंतजार के बाद भड़क गए। जितेंद्र शेरे का स्वास्थ्य खराब होने पर सोमवार को उन्हें माधवनगर कोविड हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। रात को उनकी पत्नी संगीता से फोन पर चर्चा हुई। सुबह जितेंद्र की मौत की जानकारी मिली। पत्नी संगीता ने आरोप लगाया कि ऑक्सीजन की कमी के कारण उनकी स्थिति बिगड़ी थी। परिजन व अन्य जितेंद्र का शव लेने माधवनगर अस्पताल पहुंचे लेकिन एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं हुई। लंबे इंतजार के बाद भी जब वाहन की व्यवस्था नहीं हुई तो पहले ही अव्यवस्था से नाराज लोगों का आक्रोश फूट गया। उन्होंने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। इस दौरान पुलिस से भी झड़प हुई। बाद वाहन उपलब्ध कराया गया। कलेक्टर आशीषसिंह ने इसका खंडन किया है। उनके अनुसार सोशल मीडिया पर कोरोना से 14 मरीजों की मृत्यु की खबर गलत है। दिनभर में कोरोना से 2 मरीजों की मृत्यु अवश्य हुई है। एक अन्य खबर में ऑक्सीजन की कमी से भी माधव नगर अस्पताल में एक मृत्यु को होना बताया जा रहा है वह भी गलत है। ऑक्सीजन की सप्लाई में एक क्षण के लिए भी बाधा उत्पन्न नहीं हुई है।

ये भाजपा की सरकार है विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे : शिवराज

दमोह में चुनावी सभा में बोले मुख्यमंत्री

दमोह, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। श्री चौहान गुरुवार को दमोह विधानसभा के बांसातारखेड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कमलनाथ सरकार ने किसानों से उड़द खरीदी पर पैसे नहीं दिए। धान नहीं खरीदी, चना-मसूर नहीं खरीदा। किसानों को एक पैसा नहीं दिया, विकास का कोई काम नहीं किया।

इन्होंने सिर्फ मेडिकल कॉलेज, विकास की योजनाएं और किसानों का पैसा ही नहीं छीना, संबल जैसी गरीब कल्याण की योजनाएं भी बंद कर दी। कमलनाथ के पास मंत्री-विधायकों की बात सुनने के लिए समय नहीं था। उनके पास एक ही जवाब होता था, पैसा नहीं है। प्रदेश में विकास के काम रोक दिये। श्री चौहान ने कहा कि हमारी सरकार ने सत्ता में आते ही किसानों को फसल बीमा के 3100 करोड़ रुपए दिलाए। जब से हमारी सरकार आई है, किसानों के खातों में 89,000 करोड़ रुपए पहुंचाए जा चुके हैं। किसान सम्मान निधि की राशि में हमने 4000 रुपए और जोड़े हैं। हमने बंद की गई संबल जैसी योजनाएं फिर से शुरू कर दी है।

अब किसानों को चिंता की जरूरत नहीं, हम उनकी उपज का एक-एक दाना खरीदेंगे। गरीब भांजे-भांजी सिर्फ पढ़ाई करें, मेडिकल इंजीनियरिंग की फीस मामा भरेगा। उन्होंने कहा कि हम आपके क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाएंगे। अगले तीन सालों में हर घर में नलों से पानी पहुंचेगा। सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी देंगे और युवाओं के लिए खेल परिसर बनाएंगे।

इंदौर में जिला कोर्ट परिसर के रिकार्ड रूम में लगी आग

इंदौर (एजेंसी)। जिला कोर्ट परिसर के रेकार्ड रूम में गुरूवार को शाम को अचानक आग लग गई। इस कारण से रेकार्ड रूम में सालों से पड़े रिकार्ड का कुछ हिस्सा जल गया। एडहाक कमेटी के सदस्य कमल गुप्ता ने बताया जब वह शाम करीब साढे छह बजे जिला कोर्ट से घर जाने की तैयारी कर रहे थे ,तभी ही जोर से आवाज आई जाकर देखने पर मालूम हुआ कि शार्ट-सर्किट हुआ है। जिस कारण रिकार्ड रूम के एक कोने के हिस्से से धुआं निकल रहा था, और कुछ हिस्से में आग लग चुकी थी। मौके पर फायर ब्रिगेड़ की टीम पहुंच गई थी। जिला कोर्ट परिसर के रेकार्ड रूम में आग लगने के कुछ ही देर बाद तुरंत नाजिर को बुलाकर वहां की लाइट तुरंत बंद कराई गई।

लाखों केसों का है रिकार्ड

कमेटी के सदस्य कमल गुप्ता ने बताया कि इसमें लगभग 72 लाख केसों का रेकार्ड रखा है, उन्होंने बताया कि एक कोने पर पड़ा रेकार्ड ही नष्ट हुआ होगा, अधिक धुएं के कारण अभी पूरा सर्च करना मुश्किल रहा लेकिन शुक्रवार को चेक करने पर ही जानकारी पूरी मिलेगी। गुप्ता के मुताबिक कुल 72 लाख केसों का रेकार्ड है इनमें वर्ष 2016 से 2021 तक 6 लाख केस डिजीटल हो चुके है, शेष का डिजीटल का कार्य जारी है। गुप्ता के मुताबिक रिकार्ड का कितना नुकसान हुआ है इसकी जानकारी शुक्रवार को वहां जाकर चेक करने पर मालूम पड़ेगा। आगे की सूचना मिलते ही डीजे पहुंचे कोर्टः जिला कोर्ट परिसर के रेकार्ड रूम में आग लगने की सूचना मिलने के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशीलकुमार पालीवाल, नाजिर जानकीलाल व्यास कोर्ट परिसर में पहुंच गए थे।

एसडीओ ने बंदूक की नोक पर बहू और पत्नी को बंधक बनाया, समधी को मारी गोली, घायल

तीन घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने कराया मुक्त

रीवा। सनकी एसडीओ ने बंदूक की नोंक पर अपनी ही बहू को बंधक बना लिया। बेटी के फोन पर 3 दिन बाद छुड़ाने पहुंचे समधी पर तीन फायर कर दिए। एक गोली उनके पैर में लगी।

सूचना मिलने पर आसपास थाने की पुलिस पहुंची। पुलिस जवान जैसे ही घर में घुसने लगे तो एसडीओ ने उन पर भी फायरिंग कर दी। वह रुक-रुककर फायर करता रहा। फिर पुलिस दूर जाकर महिला को छोड़ने अपील करने लगी। किसी तरह से आरोपी को बातों में उलझाया। इसी बीच मौका देखकर कुछ जवान मुख्य गेट का ताला तोड़कर घुसे और एसडीओ को काबू कर लिया। करीब 3 घंटे बाद बहू और आरोपी की पत्नी को मुक्त करा लिया गया। जानकारी के अनुसार डिंडौरी में तैनात एसडीओ का बेटा भोपाल में रहता है। रीवा स्थित घर में आरोपी, उसकी पत्नी और बहू रहते हैं। शहर के समान थाना स्थित नेहरू नगर के एसडीओ सुरेश मिश्रा ने अपनी बहू को तीन दिन से बंधक बना रखा था। महिला ने किसी तरह से अपने पिता श्रीनिवास तिवारी को फोन करके पूरी घटना बताई। गुरुवार दोपहर 12 बजे वह बेटी के ससुराल पहुंचे और उन्होंने समधी से बेटी को छोड़ने की मिन्नत की, लेकिन एसडीओ ने बंदूक से तीन फायर कर दिए। एक गोली गोली उनके पैर में लगी और वह गिर गए। काफी देर तक छटपटाते रहे फिर कुछ रिश्तेदारों ने उन्हें संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस का कहना है कि सिरफिरे ने सुबह से तकरीबन 11 बार फायरिंग की। इससे मोहल्ले में तनाव की स्थिति बन गयी थी। आस पड़ोस के लोग डरे सहमे से घर के अंदर ही छुपे हुए थे।

घर में नग्न अवस्था में मिला आरोपी

पुलिस की टीम ने जैसे ही घर का गेट तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो सिरफिरा व्यक्ति पूरी नग्न हालत में बैठा मिला। घर का सामान, कागजात और रुपये इधर-उधर बिखरे हुए थे। पुलिस ने उसकी रायफल बरामद कर ली और उसे बाहर लाया गया ।

वाहनों में फास्टैग की अनिवार्यता को चुनौती

हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में टोल प्लाजा से गुजरने के लिए फास्स्टैग की अनिवार्यता को चुनौती दी गई है। जिसमें टोल प्लाजा में फास्टैग के साथ नगद भुगतान की अलग लाइन की राहत चाही गई थी। चीफ जस्टिस मोह. रफीक व जस्टिस संजय द्विवेदी की युगलपीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार सड़क व परिवहन तथा विधि विभाग को नोटिस जारीकर जवाब मांगा है। याचिका पर अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की गयी है।

यह मामला होशंगाबाद पिपरिया निवासी बस आपरेटर प्रवेश मिश्रा की ओर से दायर किया गया है। जिसमें कहा गया है कि केन्द्रीय सड़क एवं परिवाहन विभाग द्वारा नेशनल हाईवे टोल प्लाजा में फास्टैग की अनिर्वायता संबंधित आदेश अवैधानिक है। यह आदेश राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों और संग्रह का निर्धारण) नियम 2008 के प्रावधानों के विपरीत है। इसके अलावा फास्टैग न लगाने पर दोगुना शुल्क लेने का प्रावधान रखा गया है। याचिका में कहा गया है कि ऑनलाइन में कोई बुराई नहीं है लेकिन बहुत सारे लोग ऐसे हैं, जिन्हें कभी कभार ही हाईवे से गुजरना होता है। वे फास्टैग करवा भी लेते हैं तो उनका पैसा उसी में जमा रह जाएगा।

निर्देश | उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने लगाई महाराष्ट्र सरकार के आदेश पर अंतरिम रोक

महाराष्ट्र निर्बाध रूप से मध्यप्रदेश को ऑक्सीजन सप्लाई जारी रखे

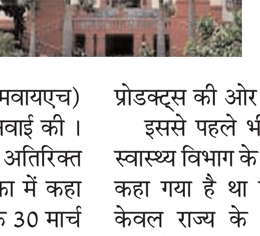

इंदौर । मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने गुरुवार को महाराष्ट्र सरकार के उस आदेश पर एक बार फिर अंतरिम रोक लगा दी जिसके प्रभाव से मध्यप्रदेश के 15 जिलों को मिलने वाली ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रतिकूल रूप से बाधित अथवा प्रभावित हो सकती थी। युगलपीठ के प्रशासनिक न्यायाधीश सुजॉय पॉल और न्यायाधीश शैलेन्द्र शुक्ला ने इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) के अधीक्षक के द्वारा दायर याचिका की आज सुनवाई की । याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी कर रहे अतिरिक्त महाधिवक्ता पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि याचिका में कहा गया था कि महाराष्ट्र सरकार के अधिसूचना दिनांक 30 मार्च 2021 के अनुसार महाराष्ट्र राज्य के भीतर स्थापित ऑक्सीजन संयंत्रों से केवल महाराष्ट्र राज्य के भीतर ही ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा सकेगी। इस अधिसूचना के फलस्वरूप महाराष्ट्र राज्य के संयंत्रों से एमवायएच समेत मध्यप्रदेश की अन्य इकाइयों को अनुबंध के आधार पर मिलने वाली ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित तथा प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो सकती थी। जिस पर आज न्यायालय ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के ऑक्सीजन आपूर्तिकर्ता सप्लायर महाराष्ट्र सरकार के अध्यादेश से प्रभावित हुए बगैर मध्यप्रदेश को ऑक्सीजन की सप्लाई निर्बाध रूप से जारी रखे। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क अतिरिक्त महाधिवक्ता पुष्यमित्र भार्गव ने रखें। केंद्र सरकार की ओर से अधिवक्ता श्रीमती भाग्यश्री सुगंधी ने पक्ष रखा। ऑक्सीजन सप्लायर आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स की ओर से अधिवक्ता अक्षय सप्रे ने पक्ष रखा है।

इससे पहले भी सितंबर 2020 में महाराष्ट्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव की ओर से आदेश जारी कर कहा गया है था कि महाराष्ट्र के सभी ऑक्सीजन संयंत्र केवल राज्य के भीतर ही यानी महाराष्ट्र के भीतर ही ऑक्सीजन की आपूर्ति देंगे। तब भी उच्च न्यायालय ने उक्त आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। उधर आधिकारिक जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश में ऑक्सीजन सप्लाई करने वाली एक निजी कंपनी का प्लांट महाराष्ट्र में ही लगे हैं। वहीं से लगभग राज्य के 15 जिलों में सीधे और दूसरे वेंडर के जरिए ऑक्सीजन सप्लाई की जाती है। आपको बता दें कि इंदौर भोपाल सहित लगभग 15 जिलों में यह कंपनी 120 मीट्रिक टन रोजाना से ज्यादा ऑक्सीजन सप्लाई करती है।

जबलपुर हाईकोर्ट में फिजिकल सुनवाई बंद, 15 व 16 को नॉन वर्किंग

जबलपुर। कोरोना ने एक मर्तबा फिर कहर ढाना शुरु कर दिया है, कई शहर लॉकडाउन होने शुरु हो गये तो वहीं सेनेटाईजेशन कार्य भी शुरु कर दिया गया है। हाईकोर्ट प्रशासन ने भी कोरोना संक्रमितों की बढ़ती संख्या को मद्देनजर रखते हुए जहां एक ओर आज 8 अप्रैल से फिजिकल सुनवाई पूर्णत: बंद कर दी गई है तो वहीं आगामी 15 व 16 अप्रैल को नॉन वर्किंग डे घोषित कर दिये गये है, जिसके पीछे का कारण हाईकोर्ट में कार्यरत् स्टाफ व अधिवक्ताओं के कोरोना संक्रमित होना बताया जा रहा है। वहीं उक्तदो दिनों के नॉन वर्किंग में हाईकोर्ट की मुख्यपीठ सहित इंदौर व ग्वालियर खंडपीठ परिसर में सेनेटाईजेशन का कार्य किया जायेगा। उक्ताशय के आदेश चीफ जस्टिस मोह. रफीक के निर्देश पर रजिस्ट्रार जनरल राजेन्द्र कुमार वाणी ने जारी किये है। हाईकोर्ट में भी फिजिकल सुनवाई के दौरान कुछ संक्रमित सामने आये, जिनमें अधिवक्तागण व न्यायलयीन कर्मी शामिल थे। कोरोना के बढ़ते संक्रमण की चैन को ब्रेक करने चीफ जस्टिस के निर्देश पर हाईकोर्ट प्रशासन ने गुरुवार 8 अप्रैल से फिजिकल सुनवाई 24 अप्रैल तक पूर्णत: बंद रखे जाने के आदेश बीती रात जारी किए थे। वहीं गुरुवार सुबह हाईकोर्ट प्रशासन ने आगामी 15 व 16 अप्रैल को नॉन वर्किंग-डे घोषित करते हुए परिसर को सेनेटाईजेशन कराने के निर्देश दिए हैं। उक्त दो दिवसीय नॉन वर्किंग का कार्य आगामी 10 व 11 जून (ग्रीष्मकालीन अवकाश) को वर्किंग डे के रूप में घोषित किया गया है।

एक नजर

शरद पवार बोले, कोरोना महामारी के कठिन समय में महाराष्ट्र का सहयोग कर रही केंद्र सरकार

मुंबई । महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने वीरवार को कहा कि केंद्र कोरोना महामारी के इस कठिन समय में राज्य सरकार के साथ सहयोग कर रही है। हम सभी को एकजुट होकर इस खतरे से लड़ना होगा। राज्य और केंद्र दोनों को साथ आना होगा और महामारी से लड़ने का तरीका खोजना होगा। फेसबुक पर लाइव संबोधन में पवार ने कहा कि उन्होंने बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन से बात की। उन्होंने स्थिति से निपटने के लिए महाराष्ट्र और अन्य राज्यों का सहयोग करने का आश्वासन दिया। पवार ने कहा कि कोरोना संक्रमण का तेजी से प्रसार और सक्रिय मामलों की बढ़ती संख्या चिंता का कारण है।

राकांपा प्रमुख ने कहा, ÷महाराष्ट्र की स्थिति गंभीर है। मैं सभी हितधारकों से अपील करता हूं कि वे स्थिति की गंभीरता को समझते हुए सहयोग करें। नागरिकों के जीवन की रक्षा के लिए कुछ कठोर उपायों की आवश्यकता है।÷ राकांपा प्रमुख ने कहा कि केंद्र भी मदद कर रहा है। मैंने महाराष्ट्र के हालात के बारे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन से बात की थी।÷ पवार ने कहा कि वर्धन ने आश्वासन दिया कि केंद्र महाराष्ट्र सरकार और अन्य सभी राज्यों द्वारा स्थिति से निपटने के लिए खड़ा रहेगा। पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में स्वास्थ्य कार्यकर्ता वायरल संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं, जैसे विशेषज्ञों की सलाह पर वायरस श्रृंखला को तोड़ने के लिए कड़े प्रतिबंध लगाना। 80 वर्षीय नेता की टिप्पणी राज्य सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के खिलाफ व्यापारियों और छोटे व्यापारियों के विरोध के बाद आई। महाराष्ट्र में विपक्षी भाजपा ने सरकार के प्रयासों का समर्थन करने के बाद शुरू में प्रतिबंधों की आलोचना की है। इधर, महाराष्ट्र के स्वास्थ्यमंत्री राजेश टोपे के अनुसार महाराष्ट्र में कोरोनारोधी वैक्सीन का सिर्फ तीन दिन का स्टाक बचा है। महाराष्ट्र को आक्सीजन सिलेंडर की भी कमी का सामना करना पड़ रहा है। राजेश टोपे ने बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के ज्यादातर टीकाकरण केंद्रों पर वैक्सीन की पर्याप्त खुराकें नहीं हैं। अभी हमारे पास वैक्सीन की सिर्फ 14 लाख डोज हैं, जो मुश्किल से तीन दिन के लिए पर्याप्त होंगे। लोगों को वापस करना पड़ रहा है। यदि ऐसी स्थिति जारी रही, तो उन्हें पुन÷ टीकाकरण केंद्रों पर लाना मुश्किल हो जाएगा। टोपे का कहना है कि अब 20 से 40 वर्ष की उम्र वालों को भी टीका लगना जरूरी हो गया है। क्योंकि महाराष्ट्र में इसी आयुवर्ग के ज्यादा लोग संक्रमित हो रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार ऐसा नहीं है कि केंद्र की ओर से महाराष्ट्र को टीका मिल नहीं रहा है। टीका मिल रहा है, लेकिन उसकी मात्रा कम और रफ्तार धीमी है। उनके अनुसार महाराष्ट्र को प्रति सप्ताह कम से कम 40 लाख डोज की आपूर्ति होनी चाहिए। मुंबई की महापौर किशोरी पेडणेकर ने मुंबई में वैक्सीन की कमी को लेकर चिंता जताई है। उनके अनुसार मुंबई में कोविशील्ड की सिर्फ एक लाख खुराकें शेष हैं। महाराष्ट्र में बढ़ते कोरोना मामलों के बीच यहां अस्पतालों में बेड व आक्सीजन की भी बेहद कमी महसूस की जा रही है।

यौन संबंध बनाने के लिए इंस्टाग्राम पर ट्रेनी एयर होस्टेस को तंग कर रहा था 12वीं का छात्र, पुलिस ने ऐसे पकड़ा

नई दिल्ली । दिल्ली में 12वीं के एक छात्र को 20 वर्षीय युवती को यौन संबंध बनाने के लिए सोशल मीडिया साइट पर उसका उत्पीड़न करने, धमकी देने और उसे परेशान करने के आरोप में पकड़ा गया है। पुलिस ने गुरुवार को इस बारे में यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शिकायत मिलने के कुछ ही घंटे में मामला सुलझाते हुए तकनीकी सूचना के आधार पर दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके में रहने वाले 17 वर्षीय लड़के की पहचान की गई थी।

पुलिस ने बताया कि मामले का पता बुधवार को उस वक्त चला जब महिला ने पुलिस से संपर्क कर शिकायत की और आरोप लगाया कि इंस्टाग्राम पर कोई उसे परेशान करता है और सोशल मीडिया पोर्टल के मैसेंजर में उसे अश्लील सामग्री भेजकर यौन संबंध बनाने के लिए दबाव डालता है। महिला एयर होस्टेस की ट्रेनिंग ले रही है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि आरोपी फर्जी ईमेल बनाकर उसे मेल भी भेजता था। पीड़िता ने बताया कि वह पिछले तीन चार दिनों से इस कथित प्रोफाइल यूजर की हरकत से बेहद प्रताड़ित महसूस कर रही है। पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) आर. सत्यसुंदरम ने बताया कि शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धाराओं 354 (परेशान करने, पीछा करने), 506 (डराने धमकने के लिए दंडित करने), 509 (महिला की गरिमा को भंग करने वाले शब्दों, हावभाव या कृत्य करने) के तहत जगत पुरी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि ईमेल आईडी और इंस्टाग्राम चलाने के लिए जिस मोबाइल फोन का इस्तेमाल हो रहा था उसे बरामद कर लिया गया है और आरोपी को किशोर न्यायालय बोर्ड में पेश किया गया।

देश के इस केंद्रशासित प्रदेश में सस्ती हुई शराब, सरकार ने हटाया कोरोना टैक्स

नई दिल्ली । कोरोना के कारण बिगड़ी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने और लोगों को शराब से दूर करने की मकसद के साथ केन्द्रशासित प्रदेश पुड्डुचेरी में शराब पर कोरोना टैक्स लगाया गया था। आबकारी विभाग ने गुरुवार से शराब पर लगाए गए कोविड टैक्स को हटा लिया। आबकारी उपायुक्त टी सुधाकर ने एक अधिसूचना जारी करते हुए आज कहा कि उपराज्यपाल टी सौंदरराजन ने इस आदेश की अनुमति दी है। आपको बता दें कि टैक्स हटाने के बाद कोविड महामारी के प्रकोप से पहले की दर पर ही शराब बेची जाएगी। आपको बता दें कि पुडुचेरी में हाल ही में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं। आपको बता दें कि पुड्डुचेरी में कोविड प्रकोप के बाद मार्च 2020 में लॉकडाउन लगाया गया था। सभी दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बंद कर दिया गया था। केन्द्रशासित प्रदेश में शराब पर कोविड टैक्स को बीते 10 महीनों के दौरान तीन बार बढ़ाया गया था।

आपको बता दें कि पुडुचेरी के अलावा कई राज्यों में शराब पर टैक्स बढ़ा दिए गए थे। इस कारण से यहां शराब महंगी हो गई थी। धीरे-धीरे कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने शराब पर लगा कोविड टैक्ट वापस ले लिए। दिल्ली में भी कोरोना लॉकडाउन के शुरुआती दिनों में शराब महंगी हो गई थी। हालांकि बाद में स्थानीय सरकार ने अपने इस फैसले को वापस ले लिया। इसी तरह उत्तराखंड में शराब पर कोरोना टैक्स लगाया गया था। यहां तो शराब दुकानदार अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे।

रात दो बजे निकाली राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार ने आईएएस अफसरों की तबादला सूची

जयपुर । राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार में बुधवार रात दो बजे प्रशासनिक फेरबदल हुआ। फेरबदल में 67 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए। इस फेरबदल में परंपरा टूटी और मुख्य सचिव निरंजन आर्य से वरिष्ठ अधिकारी सुबोध अग्रवाल को शासन सचिवालय में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर तैनात किया गया। अब तक यह परंपरा रही है कि मुख्य सचिव से वरिष्ठ अधिकारियों को शासन सचिवालय के बाहर विभिन्न बोर्ड एवं निगम में लगाया जाता है। लेकिन गहलोत सरकार ने इस परंपरा को तोड़ दिया। अग्रवाल को पांच माह में दूसरी बार खान एवं पेट्रोलियम विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर लगाया गया है। मौजूदा मुख्य सचिव आर्य 1989 बैच के अधिकारी हैं, वहीं अग्रवाल 1988 बैच के हैं। वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों की कमी से जूझ रही गहलोत सरकार ने तीन विधानसभा सीटों पर हो रहे उप चुनाव के बीच प्रशासनिक फेरबदल किया है। अधिकांश वरिष्ठ अधिकारी केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली चले गए। फेरबदल में 8 कलेक्टर व 2 संभागीय आयुक्त बदले गए। सरकार के निकट माने जाने वाले वरिष्ठ अधिकारी अजिताभ शर्मा का ढ़ाई साल में चौथी बार तबादला किया गया है। अब उन्हे केवल 5 माह में खान विभाग से हटाकर जयपुर मेट्रो का सीएमडी बनाया गया है। बार-बार तबादला होने के कारण शर्मा ने पिछले दिनों केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर जाने के लिए आवेदन किया है।

तबादला सूची में मुख्य रूप से स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख सचिव पद पर कुंजीलाल मीणा को लगाया गया है, वे अब तक प्रमुख कृषि सचिव के पद पर तैनात थे। अब उनकी जगह भास्कर सांवत को लगाया गया है। परिवहन आयुक्त रवि जैन को वाणिज्यकर आयुक्त के पद पर लगाया गया है। वहीं सूचना एवं जनसंपर्क आयुक्त महेंद्र सोनी नए परिवहन आयुक्त होंगे। जानकारी के अनुसार सीएम गहलोत पिछले तीन-चार दिन से प्रशासनिक फेरबदल को लेकर अपने विश्वस्तों के साथ चर्चा कर रहे थे।

भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय फेरीवाले और व्यापारी सांगली में कोरोनोवायरस महामारी के बीच सप्ताहांत पर तालाबंदी लागू करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले के खिलाफ एक विरोध मार्च में भाग लेते हुए।

जेल से लिखने की नई रणनीति शुरू, संजय राउत ने अनिल परब के खिलाफ सचिन वाझे के पत्र पर कहा

मुंबई । शिवसेना नेता संजय राउत गुरुवार को महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री अनिल परब के समर्थन में सामने आए। सचिन वाझे द्वारा ट्रांसपोर्ट मंत्री अनिल परब पर लगाए गए आरोपों को लेकर संजय राउत ने कहा कि वह ऐसा कभी नहीं कर सकते। यह एक राजनीतिक साजिश है। बता दें कि अनिल परब पर निलंबित सचिन वाझे ने गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने एनआईए को लिखे लेटर में महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के अलावा राय के ट्रांसपोर्ट मंत्री अनिल परब पर भी उन्हें उगाही करने के लिए कहे जाने की बात कही थी। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा, जेल से चिट्ठी लिखने का एक नई रणनीति शुरू हो गई है। शिवसेना के मंत्री के खिलाफ साजिश है। मैं अनिल परब को जानता हूं, वह ऐसे काम में शामिल नहीं हो सकते। मैं आश्वस्त कर सकता हूं कि कोई भी शिव सैनिक बाला साहेब के नाम पर झूठी कसम नहीं खा सकता। शिवसेना नेता सचिन वाझे के चार पत्रों के पत्र का जिक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख और मौजूदा परिवहन मंत्री अनिल परब ने उन्हें व्यवसायियों और प्रतिष्ठानों से पैसा इकट्ठा करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। इसी तरह के आरोप मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परम बीर सिंह ने अनिल देशमुख पर लगाए थे, जिन पर आरोप था कि वे सचिन वाझे को मुंबई में बार और रेस्तरां से हर महीने 100 करोड़ निकालने का आदेश देते थे। इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो कर रही है। 25 मार्च को, मुकेश अंबानी बम कांड के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा जांच की जा रही है, सचिन वाझे ने अदालत से अनुरोध किया था कि उन्हें जबरन वसूली के मामले में कुछ कहने की अनुमति दी जाए। अदालत ने उसे लिखित रूप में अपना सबमिशन करने के लिए कहा था। हालांकि, जब वह बुधवार को पत्र लाया गया, तो अदालत ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।वहीं, अनिल परब ने आरोपों को खारिज किया है और इसे भाजपा की एमवीए सरकार को बदनाम करने की साजिश करार दिया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मुख्यमंत्री को बदनाम करने के लिए, मुख्यमंत्री के करीबी किसी व्यक्ति को दोषी ठहराना जरूरी था

आर्थिक संकट से जूझ रही है जगन मोहन रेड्डी सरकार, जमीन बेचकर जुटाएगी 1500 करोड़

विशाखापत्तनम । आंध्र प्रदेश की जगन मोहन रेड्डी सरकार आर्थिक संकट से जूझ रही है और इससे निपटने के लिए उसने विशाखापत्तनम शहर में सरकारी जमीन बेचने का फैसला लिया है। जगन सरकार का कहना है कि इससे उसे 1,500 करोड़ रुपये की रकम जुटाने में मदद मिलेगी। राज्य की प्रस्तावित राजधानियों में से एक विशाखापत्तनम में 14.7 एकड़ जमीन सरकार ई-नीलामी के जरिए बेचने जा रही है। यह भूमि 18 जगहों पर है, जिन्हें बेचने के लिए पिछले दिनों राज्य सरकार ने नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन के जरिए नोटिफिकेशन जारी किया था। इन जमीनों को खरीदने के लिए बोली जमा करने की तारीख 22 अप्रैल तय की गई है। इन जमीनों में से सबसे बड़ा हिस्सा रामकृष्ण पुरम बीच रोड पर स्थित हार्बर पार्क में है। यहां 13.59 एकड़ सरकारी भूमि है, जो प्राइम लोकेशन पर है और सरकार को इसके जरिए अच्छी खासी रकम मिलने की उम्मीद है।

तेलुगु देशम पार्टी की सरकार के दौरान इस भूमि को यूएई की एक इन्फ्रास्ट्राक्चर कंपनी को लीज पर दिया गया था ताकि इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर का निर्माण किया जा सके। इसके अलावा यहां फाइव स्टार होटल और बहुमंजिला मॉल बनाने की भी तैयारी थी। इस प्रोजेक्ट की नींव 2018 में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू और तत्कालीन केंद्रीय मंत्रियों सुरेश प्रभु, पी. अशोक गजपति राजू की मौजूदगी में रखी गई थी।

कई बार बदला प्लान, अंत में बेचने पर ही लगी मुहर

हालांकि जगन मोहन रेड्डी सरकार ने सत्ता में आने के बाद अक्टूबर 2019 में इस कॉन्ट्रैक्ट को कैंसल कर दिया था। यूएई के लुलू ग्रुप का कहना था कि वह इस प्रोजेक्ट में 2,200 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इसके अलावा यहां 7,000 युवाओं को रोजगार मिलने का भी दावा किया गया था। इसी साल 8 फरवरी को हुई कैबिनेट मीटिंग में मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने इस जमीन पर नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन और आंध्र प्रदेश इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर की ओर से दिए गए प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इस प्रस्ताव के तहत यहां कॉमर्शियल और रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स तैयार होने थे। इससे राज्य सरकार को 1,450 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है।

बनाने से ज्यादा बेचने में फायदा देख रही है जगन सरकार- लेकिन अब वह प्रस्ताव भी स्थगित हो गया है। एक अधिकारी ने कहा कि सरकार के पास निर्माण के लिए रकम का अभाव है। ऐसे में सरकार ने इस जमीन को ही बेचने का फैसला लिया है ताकि सरकारी स्कीमों के लिए जरूरी रकम का इंतजाम किया जा सके। सरकार का कहना है कि इस जमीन पर निर्माण की बजाय बेच देने पर उसे ज्यादा रकम हासिल होगी।

अब तक 9 करोड़ से ज्यादा लोगों को लग चुकी है वैक्सीन, 30 लाख पिछले 24 घंटे में लगी

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि भारत में लगने वाली कोविड-19 वैक्सीन की खुराक की कुल संख्या 9 करोड़ को पार कर गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 13,77,304 सेशन के माध्यम से संचयी रूप से 9,01,98,673 वैक्सीन की खुराक दी गई है, जो कि प्रांतीय रिपोर्ट के अनुसार आज सुबह 7 बजे तक का आंकड़ा है। पिछले 24 घंटों में लगभग 30 लाख लोगों को टीके की खुराक दी गई।

आठ राज्यों में लगी 60 फीसद तक वैक्सीन

देश में अब तक दी गई कुल खुराक में 60 फीसद सिर्फ आठ राज्यों में लगाई गई। टीकाकरण अभियान (7 अप्रैल, 2021) के दिन-82 के अनुसार, 29,79,292 वैक्सीन खुराक दी गई। जिसमें से 26,90,031 लाभार्थियों को पहली खुराक के लिए 38,760 सेशन में टीका लगाया गया था और 2,89,261 लाभार्थियों को टीका की दूसरी खुराक मिली चुकी है।

विश्व स्तर पर दैनिक खुराक की संख्या के संदर्भ में, भारत प्रति दिन 34,30,502 खुराक की औसत के साथ शीर्ष पर है। यानी यहां एक दिन में सबसे अधिक वैक्सीन लगाई जाती है। वहीं, पिछले 24 घंटों में 1,26,789 नए मामलों के साथ, भारत के दैनिक नए मामलों में वृद्धि जारी है।

एम्स जोधपुर में पैर में कैंसर की गांठ का ब्रेकीथेरेपी कैथेटर तकनीक से हुआ ऑपरेशन, रेडियोथेरेपी से पैर को बचाया

जोधपुर । एम्स जोधपुर के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी व रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग ने ब्रेकीथेरेपी कैथेटर तकनीक से कैंसर की गांठ को सर्जरी से निकाला और आंतरिक रेडियोथेरेपी देकर पैर को बचाया, ताकि मरीज का पैर कटने से बच गया। एम्स जोधपुर के निदेशक डॉ संजीव मिश्रा ने बताया कि जोधपुर की भोपालगढ़ क्षेत्र की एक बीस वर्षीय युवती के दाएं पैर में घुटने के नीचे काफी बड़ी कैंसर की गांठ थी, जो फिबुला बोन व आसपास के टिश्यूज में फैल गई थी।

ये गांठ पैर के दो तिहाई हिस्से को करीब 20 सेंटीमीटर तक घेरे हुए थी। ये पैर के कुछ खून व तंत्रिका नसों से भी चिपकी हुई थी। चिकित्सकीय परामर्श पर ज्ञात हुआ कि इससे पहले भी मरीज का एक बार कहीं अन्य इसी गांठ का ऑपरेशन हो चुका था, लेकिन इसके बाद भी ये गांठ वापस बन गई थी। मिश्रा के अनुसार, दोबारा उसी जगह ऑपरेशन कर कैंसर को पूरी तरह से निकालना तो महत्वपूर्ण था ही, पूरे पैर को बचाना भी चुनौतीपूर्ण था। बायोप्सी में कैंसर की गांठ कोंड्रोसार्कोमा नामक कैंसर बीमारी निकली। मरीज को सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के सह आचार्य डॉ जीवन राम विश्नोई की देखरेख में भर्ती किया गया। मरीज के इलाज का प्लान संस्थान निदेशक डॉ संजीव मिश्रा के दिशानिर्देश में डॉ जीवन राम विश्नोई, डॉ पुनीत पारीक, विभागाध्यक्ष, डॉ भारती देवनानी सहायक आचार्य ने मिलकर के निर्धारित किया। साथ ही, सिटी स्कैन व बॉन स्कैन से ये सुनिश्चित किया गया कि कहीं ये रोग और अंगों में फैला हुआ तो नहीं है। इस परिस्थिति में पांव को घुटने के ऊपर से काटने के अलावा सीमित विकल्प ही थे। अध्ययन करके पैर को बचाने की सर्जरी प्लान की गई तथा सर्जरी के दौरान ही ब्रेकीथेरेपी कैथेटर लगाने का फैसला किया गया।

इस ऑपरेशन में पैर के फिबुला बोन के साथ में पैर के साइड व पीछे की मांसपेशियां व सॉफ्ट टिश्यूज, स्किन व कुछ नसें भी निकाली गईं। इसमें ब्रेकीथेरेपी तकनीक से इस प्रकार के ट्यूमर में ज़्यादा कारगर तरीके से ट्यूमर बेड पर रेडियोथेरेपी दी जा सकती है।

इसमें इस तकनीक के साथ में इक्स्टर्नल बीम रेडियोथेरेपी भी दी जाती है। इसमें अत्याधुनिक मशीन से इरिडीयम रेडीओऐक्टिव सौर्स से इंटर्स्टिटशल ब्रेकीथेरेपी कैथेटर तकनीक द्वारा रेडियोथेरेपी दी गई। सर्जरी के पांच दिन बाद में लगातार तीन दिन तक सुबह व शाम को मिलाकर के 17 ग्रे मात्रा की रेडियोथेरेपी दी।

उसके बाद में कैथेटर निकालकर डिस्चार्ज कर दिया गया। घाव भरने व टांके निकलने के बाद लगभग एक महीने पश्चात बाह्य रेडियोथेरेपी का प्लान किया गया है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ एम के गर्ग ने बताया की इस तकनीक से ऐसे बहुत से मरीज़ लाभान्वित होंगे।

कोरोना इफेक्ट : 10 में से एक व्यक्ति को 8 महीने बाद भी हो रहीं ये दिक्कतें, स्टडी में दावा

नई दिल्ली । कोविड-19 के हल्के रूप से ग्रस्त होने के आठ महीने बाद हर 10 में से एक व्यक्ति कम से कम एक मध्यम से गंभीर लक्षण से प्रभावित हो रहा है जो उनके काम, सामाजिक या निजी जिंदगी पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाला माना जाता है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है।

अध्ययन में पाया गया कि सबसे लंबे दीर्घकालिक लक्षणों में स्वाद एवं सूंघने की क्षमता चले जाना और थकान शामिल है। स्वीडन की डेंडेरिड हॉस्पिटल और कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट पिछले साल से यह कथित कम्युनिटी अध्ययन कर रहा है जिसका मुख्य लक्ष्य कोविड-19 के बाद रोग प्रतिरोधक क्षमता का पता लगाना है।

युवा और काम पर जाने वालों में दिखा साइड इफेक्ट- कम्यूनिटी अध्ययन की प्रमुख अनुसंधानकर्ता शारलोट थालिन ने कहा, हमने तुलनात्मक रूप से युवा और काम पर जाने वाले लोगों के स्वस्थ समूह में हल्के कोविड-19 के बाद दीर्घालिक लक्षणों की जांच की और हमने पाया कि स्वाद एवं सूंघने की क्षमता चले जाना प्रमुख दीर्घकालिक लक्षण है। थालिन ने कहा, कोविड-19 से ग्रस्त हो चुके प्रतिभागियों में थकान और सांस संबंधी समस्याएं भी आम हैं लेकिन ये उस हद तक नहीं हैं। यह अध्ययन जेएएमए पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

मास्क नहीं पहनने वालों पर तीसरी आंख की नजर, सीधे घर पहुंच रहे चालान; थूकने वालों पर भी जुर्माना

जोधपुर । कोरोना महामारी के बढ़ते मरीजों की संख्या को लेकर प्रशासन लगातार सख्ती बरत रहा है। एक ओर जहां जोधपुर में नाइट कर्फ्यू लगाया गया है, वही दिन के समय में तीसरी आंख भी बिना मास्क के घूम रहे लोगों पर नजरें जमाई हैं। सड़क पर पान व गुटखा खाकर थूकने वालों के भी चालान काटे जा रहे हैं। इन चालानों को संबंधित व्यक्तियों के घर पर भेजा जा रहा है। कोरोना मरीजों के लगातार बढ़ती संख्या के मद्देनजर सरकार के आदेशों की पालना के तहत प्रशासन ने सख्ती बरतना शुरू कर दिया है। शाम आठ बजे बाद सड़कों पर घूम रहे लोगों को पुलिस पकड़कर चालान काच रही है, वहीं दिन में जोधपुर के अभय कमांड कंट्रोल सेंटर के जगह सीसीटीवी कैमरा से नजर रखी जा रही है। अभय कमांड कंट्रोल सेंटर से पुलिस

नियमों के उल्लंघन करने वाले और कोरोना गाइडलाइन की अवहेलना करने वालों को ट्रेस कर रही है। साथ ही, बिना मास्क घूमने वाले और सड़कों पर पान तंबाकू खाकर थूकने वाले लोगों को ऑनलाइन चालान भेज रही है।

पुलिस के अनुसार, बिना मास्क घूमने और थूकने वालों के खिलाफ सख्ती बरतने के लिए इन सीसीटीवी कैमरा की मदद ली जा रही है और वाहनों के नंबर के जरिए संबंधित व्यक्ति का पता लगाया जा रहा है। संबंधित थाना क्षेत्र की पुलिस के द्वारा ऐसे व्यक्तियों को ई चालान और चालान तालीम करवाए जा रहे हैं, जिससे कि कोरोना को लेकर आमजन गंभीरता समझ सके और कोरोना गाइड लाइन की पालना हो सके। गत वर्ष कोरोना महामारी के रोकथाम के लिए राज्य सरकार ने सड़क पर थूकने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने के आदेश निकाले थे, लेकिन उस समय पुलिस ने इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। अब कोविड-19 की दूसरी लहर के बढ़ते प्रभाव के कारण पुलिस ने अभय कमांड सेंटर के जरिए लोगों को ट्रेस कर उनके फोटो सहित ई चालान भेजने की व्यवस्था शुरू की है, जिससे कि लोगों में जागरूकता आए और वह इस बीमारी की गंभीरता को समझते हुए मास्क लगाकर बाहर निकले और सड़क पर ना थूके।

बेंगलुरू से जयपुर की फ्लाइट में पैदा हुए बच्चे का नहीं बन पा रहा जन्म प्रमाण पत्र

जयपुर । पिछले माह 17 मार्च को इंडिगो की फ्लाइट में आसमान में जन्म लेने वाले बच्चे के परिजनों को उसका जन्म प्रमाण पत्र नहीं मिल पा रहा है। 22 दिन के इस बच्चे का जन्म बेंगलुरु से जयपुर आने वाली फ्लाइट में हुआ था। उस समय उसकी मां को प्रसव पीड़ा हुई तो फ्लाइट में मौजूद एक महिला चिकित्सक ने अन्य क्रू मेंबर्स की मदद से प्रसव कराया।

दरअसल, अजमेर जिले के जालिया रूपवास गांव निवासी भैरूसिंह अपनी पत्नी ललिता बेंगलुरु में रहता है। वह वहां ऑटो रिक्शा चलाता है। भैरूसिंह को 16 मार्च को सूचना मिली कि उसके पिता की गांव में तबीयत काफी खराब है। इस पर उसने जयपुर तक पहुंचने के लिए इंडिगो एयरलाइंस का तत्काल टिकट बुक करवाया। इसी दौरान महिला के पेट में आठ माह का गर्भ था। लेकिन पिता की तबीयत खराब होने के कारण वे फ्लाइट में बैठ गए। फ्लाइट में बैठने से पहले जांच कराई तो चिकित्सकों ने कहा अभी प्रसव होने में समय है, यात्रा की जा सकती है। इस पर वे फ्लाइट में जयपुर आने के लिए बैठ गए। लेकिन फ्लाइट में ही ललिता को प्रसव पीड़ा होने लगी। उसके साथ यात्रा कर रही एक महिला चिकित्सक ने क्रू मेंबर्स की मदद से प्रसव करवाया।

जन्म प्रमाण पत्र के लिए 22 दिन से धक्के खा रहा पिता- जयपुर पहुंचने पर ललिता व उसके बच्चे को अस्पताल में दिखाया गया, जहां उन्हे पूरी तरह स्वस्थ बताया तो वे गांव चले गए। आठवीं कक्षा पास भैरूसिंह की पीड़ा अब यह है कि वह अपने बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनवाना चाहता है। लेकिन गांव के सरपंच से लेकर जिला प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि जब बच्चे का जन्म यहां हुआ ही नहीं तो हम प्रमाण पत्र कैसे बना दें। इसका प्रमाण पत्र जयपुर में बनेगा। जयपुर हवाई अड्डे पर वह पिछले कई दिनों से चक्कर लगा रहा है।

वह कभी हवाई अड्डा प्रशासन के पास, तो कभी इंडिगो एयरलाइंस के कर्मचारियों के पास जाता है। 22 दिन से परिवार बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए भैरू सिंह धक्के खा रहा, लेकिन अब तक उन्हें कोई समाधान नहीं मिला है। इस बारे में हवाई अड्डा प्राधिकरण के निदेशक ने अधिकारिक रूप से कुछ भी कहने से इंकार कर दिया।

धरती से करोड़ों मील दूर पथरीली जमीन पर मार्स रोवर ने ली इंजेंविनिटी के साथ कमाल की सेल्फी

नई दिल्ली । धरती से करोड़ों मील की दूरी पर पर मौजूद मार्स रोवर परसिवरेंस ने मंगल की पथरीली जमीन पर एक सेल्फी ली है। इस तस्वीर में हेलीकॉप्टर इंजेंविनिटी भी दिखाई दे रहा है। नासा ने परसिवरेंस मार्स रोवर के ट्विटर अकाउंट से इसको पोस्ट करते हुए लिखा है कि टू बॉट्स वन सेल्फी। इसमें आगे लिखा गया है कि जेजीरो क्रेटर से ग्रीटिंग, जहां मैंने मिशन की पलही सेल्फी क्लिक की है। मैं मार्स हेलीकॉप्टर इंजेंविनिटी को भी दे रहा हूं, जो कि कुछ दिनों में अपनी पहली उड़ान के लिए तैयार हो रहा है। ये वास्तव में बहुत बहादुर और लाजवाब है।

इस ट्वीट पर नासा के एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर थॉमस जुरबुचेन ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि मार्स से हमें एक पोस्टकार्ड मिला है। नासा के परसिवरेंस ने इंजेंविनिटी के साथ वॉटसन कैमरे की मदद से एक सेल्फी ली है। ये शेरलॉक इंस्ट्रूमेंट का हिस्सा है जो रोवर की आर्म पर लगा हुआ है। नासा की ह्यूमन स्पेसफ्लाइट प्रोग्राम को लीड करने वाली कैथी लॉर्डर्स का कहना है कि 9 अप्रैल को खास दिन है। इस दिन डॉक्टर थॉमस

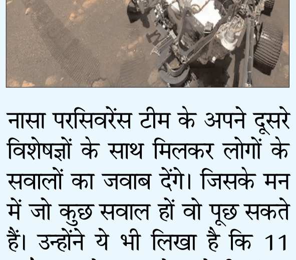

नासा परसिवरेंस टीम के अपने दूसरे विशेषज्ञों के साथ मिलकर लोगों के सवालों का जवाब देंगे। जिसके मन में जो कुछ सवाल हों वो पूछ सकते हैं। उन्होंने ये भी लिखा है कि 11 अप्रैल से पहले हेलीकॉप्टर इंजेंविनिटी की उड़ान नहीं होगी। इसके बाद इसकी कंट्रोल फ्लाइट होगी जो किसी भी दूसरे ग्रह पर होने वाली इस तरह की पहली उड़ान होगी। आपको बता दें कि नासा इस उड़ान को लेकर काफी उत्साहित है। नासा ने 5 अप्रैल को ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी थी कि मार्स रोवर से इंजेंविनिटी को निकाल बाहर निकाल दिया है। इसके बाद 6 अप्रैल को पहली बार ये हेलीकॉप्टर अपने पांव पर लाल ग्रह की पथरीली जमीन पर खड़ा हुआ था। 7 अप्रैल को नासा ने बताया कि इंजेंविनिटी ने मंगल ग्रह की सतह पर हाड जमा देने वाले मौसम में पहली रात सफलतापूर्वक गुजार ली। नासा को डर था यहां के माइनस 90 डिग्री सेल्सियस के तापमान में इसको नुकसान पहुंच सकता है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रात गुजारने के बाद इसकी सही तरह से आवाज आ रही है। 7 अप्रैल को ही मार्स रोवर ने मंगल ग्रह पर एक कमाल की फोटो खींची थी जिसमें लाल ग्रह के आसमान में एक इंद्रधनुष बना हुआ दिखाई दे रहा था। हालांकि वैज्ञानिकों का कहना था कि वहां पर ऐसा नहीं हो सकता है क्योंकि वहां का तापमान काफी कम है। इसलिए वहां पर पानी लिक्विड में मौजूद नहीं हो सकता है। वैज्ञानिकों का मानना था कि ये मार्स के कैमरे की चमक की वजह से हुआ है।

गौरतलब है कि नासा का मार्स रोवर मंगल ग्रह के जेजीरो क्रेटर पर उतर हुआ है, जो कि बड़ी-बड़ी चट्टानों और ऊंची पड़ाडियों से घिरा हुआ है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यहां पर कभी कोई नदी बहती थी। मार्स रोवर यहां पर पानी की मौजूदगी का पता लगाने के अलावा यहां पर जीवन का भी पता लगाएगा।

'द इंटर्न' में दीपिका पादुकोण के साथ नजर आएंगे अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और महानायक अमिताभ बच्चन एक बार फिर पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। दोनों हॉलीवुड फिल्म 'द इंटर्न' के हिन्दी रीमेक में साथ काम करने जा रहे हैं। इससे पहले दीपिका और अमिताभ ने फिल्म 'पीकू' में साथ काम किया था। दीपिका पादुकोण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने फिल्म 'द इंटर्न' के रीमेक की टीम में अमिताभ बच्चन का स्वागत किया है। बता दें कि शुरुआत में इस फिल्म का ऐलान दीपिका पादुकोण और दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के साथ हुआ था। लेकिन ऋषि के निधन के बाद ये फिल्म होल्ड पर चली गई थी। ऐसे में अब एक बार फिर फिल्म का काम शुरू हुआ है और अब ऋषि कपूर वाला किरदार अमिताभ बच्चन निभाएंगे। दीपिका ने सोशल मीडिया पर द इंटर्न का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'मेरे सबसे खास सह–कलाकार के साथ फिर से काम करना मेरे लिए सम्मान की बात। द इंटर्न के इंडियन अडॉप्शन में अमिताभ बच्चन का स्वागत करती हूं।' द इंटर्न, इंटिमेट और रिलेशनशिप पर बेस्ड फिल्म है जो कि वर्कप्लेस के इर्दगिर्द घूमती है। फिल्म में ऑफिस का माहौल दिखाया गया है। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन अमित शर्मा करेंगे।

जब मैं शहर में आया तो मुझे मुंबई का एम भी नहीं पता था

जी टीवी ने हाल ही में अपना नया शो 'तेरी मेरी इक्क जिन्दड़ी' शुरू किया है, जो विपरीत स्वभाव के दो लोगों माही और जोगी की एक अनोखी प्रेम कहानी है, जिनके व्यक्तित्व और जिंदगी के प्रति दोनों का नजरिया एक दूसरे से बिल्कुल जुदा है, लेकिन फिर भी वो प्यार के एक ही रास्ते पर चल पड़ते हैं। इस शो में एक्ट्रेस अमनदीप सिद्धू, माही किरदार निभा रही हैं, और उनके अपोजिट पॉपुलर एक्ट अध्विक महाजन, जोगी के रोल में हैं। इसके अलावा मनीष वर्मा भी गुलशन का किरदार निभा रहे हैं जिसे दर्शक बहुत पसंद कर रहे हैं। गुलशन एक कॉलेज बॉय है, जो दिखने में आकर्षक है। वो जोगी और माही की जिंदगी में हलचल मचाने में लगा रहता है। यह एक्टर इस शो में जबरदस्त स्टाइल लेकर आए, जिससे इसमें दर्शकों की दिलचस्पी और बढ़ गई है। एक्टिंग हमेशा से मनीष का सपना रहा है, लेकिन इस सपने की जड़ में उनके पिता का सपना भी शामिल है। दरअसल, उनके पिता भी यही चाहते थे कि मनीष एक एक्टर बनें। मनीष ने अपने कॉलेज के दिनों में एक्टिंग में अपना किस्मत आजमाना शुरू किया। मनीष दिल्ली से हैं और इसलिए उन्हें मुंबई के बारें में ज्यादा नहीं पता था, लेकिन उन्होंने इस बात को अपने सपनों के बीच रुकावट नहीं बनने दिया। बाकी लोगों से अलग उनका संघर्ष हर दिन बेहतर करने और एक एक्टर के रूप में खुद को साबित करने की अपनी उम्मीदों और इच्छाओं से था। मनीष बताते हैं, जब मैं इस शहर में आया था, तो मुझे मुंबई का 'एम' भी नहीं पता था। अपने सपने के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, एक्टिंग हमेशा से मेरे दिमाग में थी, लेकिन दिक्कत यह थी कि मुझे पता नहीं था कि कहां से शुरुआत की जाए। मुझे लगा कि मॉडलिंग के जरिए आप संपर्क बना सकते हैं और फिर एक्टिंग में आ सकते हैं। मनीष ने कहा, मैंने मॉडल के रूप में काम शुरू कर दिया, लेकिन आगे चलकर मैं मुंबई शिफ्ट हो गया और मैंने ऑडिशन देने शुरू कर दिए। उस समय भी मेरी ऐसी कोई योजना नहीं थी कि मैं कहां शिफ्ट होऊंगा और क्या करूंगा। मुझे पता था मुंबई में फिल्म सिटी बहुत बड़ा है और इसलिए मैं अपने दोस्त के साथ इसी के पास रहने लगा। इंडस्ट्री में कदम रखने और लोगों से संपर्क बनाने की प्रक्रिया धीरे–धीरे आगे बढ़ती रही। मनीष बताते हैं, मेरा ध्यान कभी अपने संघर्ष पर नहीं रहा और इसलिए मैंने इसे बहुत ज्यादा महसूस भी नहीं किया। जब से मैंने एक्टर बनने का फैसला किया, तब से मैं सिर्फ अपने लक्ष्य पर केंद्रिंत हूं, जिसे मैं किसी भी तरह अपनी जिंदगी में हासिल करना चाहता हूं। अपनी जिंदगी में आने वाली छोटी–छोटी समस्याओं पर मैं कम ही ध्यान देता हूं।

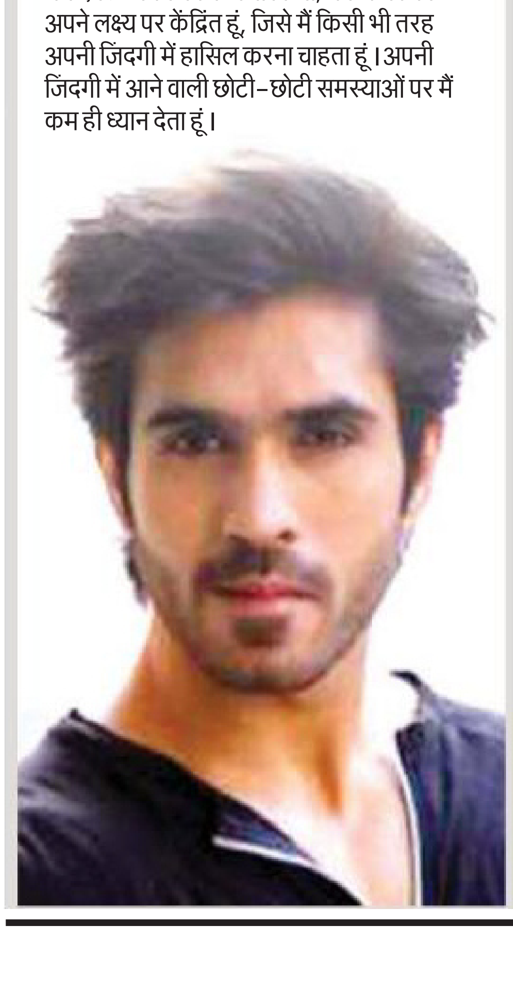

क्या मीका सिंह और आकांक्षा पुरी ने कर ली सगाई? एक्ट्रेस ने बताया सच

बॉलीवुड सिंगर मीका सिंह इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस खबर को तूल तब मिला, जब गुरुद्वारे में एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी के साथ बैठे मीका का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो को खुद आकांक्षा ने ही फैंस के साथ शेयर किया था, जिसके बाद हर कोई उन्हें सगाई की बधाई देने लगा। अब इस मामले में आकांक्षा ने चुप्पी तोड़ दी है। मीका और आकांक्षा का वीडियो देख फैंस अनुमान लगाने लगे कि उन्होंने सगाई कर ली है। आकांक्षा ने इन अफवाहों पर विराम लगाते हुए एक इंटरव्यू में कहा, मीका ने अपने घर पर अखंड पाठ रखवाया था, जिसके लिए मैं उनके घर गई थी। उन्होंने कहा, इसका एक वीडियो मैंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया तो लोगों को लगा कि हमने सगाई कर ली है, जबकि यह भविष्य में शांति और समृद्धि के लिए की गई एक पूजा थी। अकांक्षा ने कहा, मैं वहां सिर्फ आशीर्वाद लेने के लिए गई थी लेकिन लोग कुछ और मान रहे हैं। संयोग से यह अप्रैल फूल का दिन था, इसलिए लोगों को यह भी लग रहा है कि ये कोई शरारत है। ये उनके घर पर ली गईं वास्तविक तस्वीरें और वीडियो हैं। मीका और मैं एक–दूसरे को 12 साल से अधिक समय से जानते हैं। वह एक परिवार की तरह है और हम दोनों बहुत अच्छे दोस्त हैं। आकांक्षा ने आगे कहा, मैं और मीका शुरुआत में प्रशंसकों के कमेंट पर खूब हंसे, लेकिन जब हमारे फैंस ने तोहफे, फूल और केक भेजना शुरू कर दिया तो मुझे लगा कि अब मुझे इस पर बात करनी चाहिए। मुझे पता है कि हमारे फैंस हमें साथ देखना बहुत पसंद करते हैं, लेकिन अफसोस ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। सॉरी यह किसी भी गाने की शूटिंग नहीं है और ना ही कोई शरारत की गई है। बता दें कि 2019 में आकांक्षा पुरी का नाम 'बिग बॉस 13' फेम पारस छाबड़ा की वजह से चर्चा में आया था। वह पारस की एक्स गर्लफ्रेंड हैं। पारस जब शो में गए थे, तब वह आकांक्षा को डेट कर रहे थे, लेकिन बाहर आने के बाद दोनों अलग हो गए।

फिल्म 'तूफान' में दो रोमांटिक गानों को अरिजीत सिंह देंगे अपनी अवाज

'भाग मिल्खा भाग' की सफलता के बाद, फरहान अख्तर और निर्देशक राकेश ओमप्रकाश मेहरा को फिर से एक साथ लाने वाली इंस्पिरेशनल स्पोर्ट्स ड्रामा 'तूफान' के प्रति प्रत्याशा अपने चरम पर है। और अब, फिल्म के प्रति अधिक जिज्ञासु करते हुए, निर्माताओं ने फिल्म में दो लव सॉन्ग्स के लिए अरिजीत सिंह को टीम में शामिल कर लिया है। संगीत ने हमेशा राकेश ओमप्रकाश मेहरा की सभी फिल्मों में एक अभिन्न भूमिका निभाया है, इसलिए इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि 'तूफान' के एल्बम में भी 6 गाने शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि एक प्रेरणादायक स्पोर्ट्स ड्रामा होने के बावजूद, फिल्म में एक मजबूत प्रेम कहानी है और इसमें दो रोमांटिक गाने भी शामिल होंगे। यह गाने कहानी को बेहद खूबसूरती से जोड़ते हैं। एक गीत शंकर एहसान लॉय द्वारा कंपोज किया जाएगा, जबकि दूसरा गाना शमूएल शेट्टी और आकांक्षा नंदरेकर द्वारा कंपोज किया गया है। इस बारे में बात करते हुए राकेश ओमप्रकाश मेहरा कहते हैं, हमारे पास 'तूफान' में दो रोमांटिक नंबर हैं और जब गाने लिखे और कंपोज किए गए, तो इसमें कोई शक नहीं था कि अरिजीत को ही इसमें आवाज देनी चाहिए। मेरे लिए, प्यार और रोमांस हमेशा सर्वोपरि है और अरिजीत आज न केवल एक खूबसूरत आवाज है, बल्कि एक पीढ़ी की भी आवाज है। वह आगे कहते हैं, 'जब आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति होता है जो आपके साथ एक ऐसे प्रोजेक्ट में सहयोग करता है तो यह अपने आप में एक ऐतिहासिक क्षण है। मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं और हमारे दिल में एक दूसरे के लिए बहुत प्यार है। निर्माता रितेश सिधवानी कहते हैं, तूफान में प्रेम कहानी एक महत्वपूर्ण प्रेरक शक्ति है और अरिजीत द्वारा गाए गए 2 ट्रैक कहानी में मूल रूप से फिट बैठते हैं जो कहानी को आगे ले जाते हैं। इन दो गानों के लिए अरिजीत का टीम में शामिल होना बिल्कुल सही है।

तापसी पन्नू ने शुरू की 'शाबाश मिट्ठू' की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू के पास इन दिनों कई फिल्मों की लाइन लगी हुई हैं। इन्हीं में एक है भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज की बायोपिक 'शाबाश मिट्ठू' भी है। इस फिल्म के लिए तापसी पन्नू जमकर मेहनत कर रही हैं। खबर है कि तापसी ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट कर प्रशंसकों को ये जानकारी दी है। शूट के पहले दिन अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए तापसी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'चलिए शुरू करते हैं। पहला दिन, शाबाश मिट्ठू।' तापसी ने जो तस्वीर शेयर की है, उसमें वह हाथ में बैट पकड़े और हेलमेट लगाए नजर आ रही हैं। फैंस को उनका यह क्रिकेटर वाला अवतार बेहद पसंद आ रहा है। तापसी को देख तो ऐसा ही लग रहा है कि वह क्रिकेटर की भूमिका के साथ इंसाफ करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। तापसी पन्नू इस रोल के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। मिताली राज की दोस्त और पूर्व क्रिकेटर नूशिन अल खादिर तापसी को कोचिंग दे रही हैं। तापसी पन्नू ने कहा था, मैंने पहले कभी क्रिकेट नहीं खेला है, वह बस इस गेम की फैन रही हूं। यह भूमिका एक बड़ी चुनौती बनने जा रही है। लेकिन मुझे लगता है कि दबाव मुझे सबसे अच्छा काम करने के लिए प्रेरित करता है। 'शाबाश मिट्ठू' की बात करें तो इसका निर्देशन राहुल ढोलकिया कर रहे हैं और इस फिल्म को प्रिया अवन ने लिखा है। फिल्म का निर्माण वायकॉम 18 स्टूडियो कर रहा है। मिताली भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। उनकी कप्तानी में भारत साल 2017 में वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचा था। तापसी पन्नू के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म लूप लपेटा की शूटिंग खत्म की है। वह इसके अलावा रश्मि रॉकेट में नजर आने वाली हैं। तापसी फिलम 'दोबारा' और 'हसीन दिलरूबा' में भी दिखेंगी।

मैं बॉलीवुड में रहना चाहती हूं

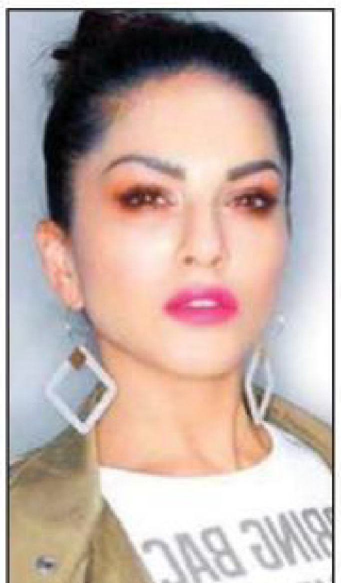

बॉलीवुड में अपने जलवे बिखेरते हुए सनी लियोनी को 9 साल हो गए हैं और अक्सर वह सुर्खियों में भी रहती हैं। उनका कहना है कि वो निश्चित रूप से यहां आगे भी रहना चाहती हैं। 2012 में 'बिग बॉस' के सीजन 5 में आने के बाद उन्होंने उसी साल फिल्म 'जिस्म 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। सनी कहती हैं कि अब तक का सफर शानदार रहा है। सनी ने बताया, ''मुझे लगता है कि यह सफर बहुत ही शानदार रहा है। मुझे लगता है कि मैं अपने सपनों को पूरा कर सकती हूं। बॉलीवुड भारत की सबसे अच्छी जगहों में से एक है।'' अभिनेत्री के 3 बच्चे निशा, नूह और अशर हैं। सनी कहती हैं, ''मैंने यहां रहने के लिए वास्तव में काफी प्रयास किए हैं और मैं यहां रहना चाहती हूं। साथ ही और अच्छे अनुभव लेने के लिए इंतजार कर रही हूं। सनी फिक्शन वेब शो 'अनामिका' के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने जा रही हैं। यह गन फू एक्शन थ्रिलर की तरह है और इसे विक्रम भट्ट ने निर्देशित किया है।

लोगों को अभी स्टार्स की नहीं अच्छे कलाकारों की है चाह

जकीर खान की वेब सीरीज 'चाचा विधायक हैं हमारे' में नजर आ चुके अभिनेता–फिल्मकार शशि वर्मा का मानना है कि स्टारडम की परिभाषा बदलने के पीछे ओटीटी एक प्रमुख कारक है। उन्हें यह देखकर अच्छा लगता है कि अच्छी कहानियों के चलते आयुष्मान खुराना, विक्की कौशल और राजकुमार रॉव जैसे कलाकार स्टार्स बन पाए हैं। इसके लिए काफी हद तक डिजिटल प्लेटफॉर्म्स जिम्मेदार हैं। शशि वर्मा ने कहा, ''हम बदलाव के एक दौर से गुजर रहे हैं। हमें अभी से यह बदलाव नजर आने लगा है। इंडस्ट्री में स्टार फोकस फैक्टर को चुनौती दी जा रही है क्योंकि लोग कैरेक्टर फोकस्ड और स्क्रिप्ट फोकस्ड बन गए हैं। वर्तमान समय में लोगों को स्टार्स की नहीं, बल्कि अच्छे कलाकारों की चाह है। इसी के चलते आयुष्मान खुराना, विक्की कौशल और राजकुमार रॉव जैसे कलाकार उभर कर सामने आए हैं। ये सभी अच्छी कहानियों की वजह से स्टार बन पाए हैं। तो हां, जिस तरह से पूरी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री और ओटीटी की दुनिया बदल रही है, इसे अब और स्टार–ओरिएंटेड कहा नहीं जा सकता।'' इसके बारे में उन्होंने बताया, ''आज स्क्रिप्ट्स हीरो के नहीं, बल्कि कहानी के इर्द–गिर्द लिखी जा रही हैं। इसलिए नई प्रतिभाओं को खुलकर सामने आने का मौका मिल रहा है। इसके अलावा, जिन्हें पहले उनका बकाया नहीं मिल पाया, उन्हें ओटीटी की वजह से अब वह मिल रहा है। तो कुल मिलाकर ओटीटी की काफी अहमियत है।''

बिग बॉस ने करियर पर डाला निगेटिव प्रभाव

टीवी रियलिटी शो 'बिग बॉस' ने कई लोगों को अलग पहचान दी है। कई सेलेब्स के करियर में बिग बॉस मील का पत्थर साबित हुआ है तो किसी के करियर पर इसका निगेटिव प्रभाव भी रहा है। कुछ ऐसा ही एक्ट्रेस कविता कौशिक के साथ भी हुआ है। कविता कौशिक ने शो में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के रूप में एंट्री ली और बहुत कम समय में बहुत सारे झगड़ों में पड़ गईं। शो में उनकी एजाज खान और अभिनव शुक्ला से जोरदार लड़ाई भी हुई थी। उन्होंने परेशान होकर शो भी बीच छोड़ दिया था। अब एक इंटरव्यू के दौरान कविता ने कहा कि अब वो कोई रियलिटी शो नहीं करेंगी क्योंकि इन शोज ने उनके करियर को नुकसान पहुंचाया है। कविता ने कहा, मुझे रियलिटी शो बिल्कुल भी पसंद नहीं हैं क्योंकि मेरे पास धैर्य नहीं है। मैं इसके लिए खुद को कम ही आंकती हूं और रियलिटी शो करके मुझे कोई खुशी नहीं होती है। मैंने पहले कभी रियलिटी शो नहीं किया। मैंने नच बलिये 3 और झलक दिखला जा 8 जैसे शो में हिस्सा इसलिए लिया था क्योंकि मुझे घर खरीदना था.अब मेरे पास कुछ घर हैं तो मैं इसके लिए क्योंकि कष्ट लूं? कविता कौशिक से जब बिग बॉस के खराब अनुभव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह लोगों को खुश नहीं कर सकतीं और उनके चेहरे पर भी उदासीनता झलकती है तो इसलिए ऐसे शो का हिस्सा बनना एक तरीके से ठीक नहीं है और मैं अपना 100 पर्सेंट भी नहीं दे पाती हूं। मुझे समझ नहीं आता जब मैं ऐसे शो नहीं करना चाहती हूं तो भी लोग मुझे लगाता ये क्यों ऑफर करते हैं। कविता ने आगे कहा, रियलिटी शो ने अच्छे के बदले मेरे करियर पर निगेटिव प्रभाव ही डाला है। ये मेरे लिए बोरिंग हो रहा है। मैं रियलिटी शोज से बाहर आना चाहती हूं।

ओलंपिक क्वालीफायर से हटी भारतीय जूडो टीम, पृथकवास से गुजर रही पूरी टीम

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारत की 12 सदस्यीय जूडो टीम को किर्गिस्तान के बिशकेक में चल रहे एशिया-ओसियाना ओलंपिक क्वालीफायर से बाहर होने को बाध्य होना पड़ा जब टूनामेंट की शुरूआत से ठीक पहले उसके दो खिलाड़ी अजय यादव और रितु कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए है। किर्गिस्तान में पहुंचने के बाद दूसरे परीक्षण में यादव (73 किग्रा) और रितु (52 किग्रा) को पॉजिटिव पाया गया और दोनों में ही लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं। यह पहला मौका है जब इस घातक संक्रमण में कारण भारतीय टीम का ओलंपिक क्वालीफायर अभियान पटरी से उतर गया है। सभी 12 जुडोका और चार कोच किर्गिस्तान पहुंचने के बाद हुए पहले परीक्षण में नेगेटिव पाए गए थे।

भारत का पूरा 16 सदस्यीय दल अभी बिशकेक में एक होटल में पृथकवास से गुजर रहा है। टीम के कोच जीवन शर्मा ने बिशकेक से कहा, 4 अप्रैल को किर्गिस्तान पहुंचने के बाद परीक्षण किया और सभी नेगेटिव पाए गए। लेकिन पांच अप्रैल को टूनामेंट की शुरूआत से ठीक पहले हुए दूसरे परीक्षण में अजय और रितु पॉजिटिव आए। अजय और रितु में लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं और वे अपने अपने कमरों में पृथकवास में हैं। उनका मनोबल बढ़ा हुआ है और हम फोन के जरिए उनके बात करके उनका हौसला बढ़ा रहे हैं। एशिया-ओसियाना चैंपियनशिप बिशकेक में मंगलवार को शुरू हुई और शनिवार को खत्म होगी। टूनामेंट के नियमों के अनुसार एक भी खिलाड़ी के पॉजिटिव पाए जाने पर पूरी टीम को प्रतियोगिता से हटना होगा। टीम में सुशीला देवी (महिला 48 किग्रा), जसलीन सिंह सैनी (पुरुष 66किग्रा), तुलिका मान (महिला 78 किग्रा) और अवतार सिंह (पुरुष 100 किग्रा) जैसे खिलाड़ी शामिल थे। ये चारों एक महाद्वीपीय कोटे की दौड़ में थे। कोच ने कहा, हमें उम्मीद है कि दोनों अगले कुछ दिनों में नेगेटिव आ जाएंगे। बाकी दल भी बिशकेक के उसी होटल में पृथकवास से गुजर रहा है और टीम प्रबंधन यहां भारतीय दूतावास से सहायता मांग रहा है। कोच ने कहा, हम भारतीय खेल प्राधिकरण और यहां भारतीय दूतावास से बात कर रहे हैं। हम आग्रह कर रहे हैं कि नेगेटिव पाए गए कुछ सदस्यों को स्वदेश लौटने की स्वीकृति दी जाए। बेशक अन्य दो खिलाड़ियों की देखभाल भी करनी होगी। हमें एक या दो दिन में इस बारे में पता चलेगा। इससे पहले भारतीय जूडो महासंघ (जेएफआई) के एक सूत्र ने खिलाड़ी के पॉजिटिव पाए जाने की पुष्टि की। पूरा दल अब बिशकेक में 14 दिन पृथकवास में रहेगा। सूत्र ने इस सभी समस्या के लिए जेएफआई के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि महासंघ ने पूरे दल को एक साथ यात्रा कराकर देश की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि 4 कोच सहित पूरी टीम एक साथ बिशकेक गई जिससे बचा जा सकता था। पूरी टीम ने एक साथ यात्रा की और वहां पहुंचने पर एक खिलाड़ी पॉजिटिव आया तो इससे अन्य खिलाड़ियों की उम्मीदें भी टूट गईं। इससे बचा जा सकता था। जीवन शर्मा ने कहा कि भारतीय जुडोकाओ को ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के दो और मौके मिलेंगे। उन्होंने कहा कि मई में रूप में एक ग्रां प्री प्रतियोगिता होगी और इसके बाद हंगरी में जून में विश्व चैंपियनशिप होगी। हमारे पास अब भी मौका है। लेकिन हमारे पास सभी वजन वर्गों में सिर्फ एक कोटा स्थान होगा और जो भी सर्वाधिक अंक बनाएगा उसे एकमात्र कोटा स्थान मिलेगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अर्जेंटीना को 4-3 से हराया

ब्यूनस आयर्स, (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अर्जेन्टीना दौरे की सकारात्मक शुरूआत करते हुए गत ओलंपिक

चैंपियन को यहां पहले अभ्यास मैच में 4-3 से हरा दिया है। निलाकांत शर्मा (16वें मिनट), हरमनप्रीत सिंह (28वें मिनट), रूपिंदर पाल सिंह (33वें मिनट) और वरूण कुमार (47वें मिनट) ने मंगलवार रात हुए मुकाबले में भारत की ओर से गोल दागे। मेजबान टीम की ओर से ड्रैग फ्लिकर लिएंड्रो तोलिनी (35 और 53वें मिनट) ने दो जबकि मासियो कासेला (41वें मिनट) ने एक गोल किया।

दोनों ही टीमों ने पहले क्वार्टर में धीमी शुरूआत की लेकिन भारतीय टीम ने दूसरे क्वार्टर में तेजी दिखाई। शिलानंद लाकड़ा ने भारत के पहले गोल की नींव रखी। उनके सटीक पास पर सर्कल के अंदर मौजूद निलाकांत ने अर्जेन्टीना के गोलकीपर को पछाड़ते हुए भारत को बढ़त दिलाई। भारत ने इसके बाद लगातार हमले करके विरोधी टीम को बैकफुट पर रखा।

अर्जेन्टीना ने भारत के आक्रामक प्रदर्शन का जवाब देते हुए जल्द ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन अनुभवी गोलीकपर पीआर श्रीजेश ने मेजबान टीम के प्रयास को नाकाम कर दिया। दिलप्रीत सिंह की बदौलत भारत ने 28वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और हरमनप्रीत ने दमदार शॉट की बदौलत मेहमान टीम को 2-0 से आगे कर दिया। अर्जेन्टीना ने तीसरे क्वार्टर में मजबूत वापसी की जब तोलिनी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। भारत ने भी इसके तुरंत बाद पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और अनुभवी रूपिंदर ने गोल करके भारत को 3-1 से आगे कर दिया। हालांकि अर्जेन्टीना ने 42वें मिनट में कासेला की बदौलत एक और गोल दागकर भारत की बढ़त को कम किया। अर्जेन्टीना को इसके बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन युवा भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने इस प्रयास को विफल कर दिया। भारत ने अंतिम क्वार्टर में प्रभावी प्रदर्शन करते हुए अपनी बढ़त बरकरार रखी।

दिलप्रीत ने 47वें मिनट में भारत के लिए एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के बाद टीम में वापसी कर रहे वरूण ने गोल करने में कोई गलती की। तोलिनी ने 53वें मिनट में अर्जेन्टीना की ओर से एक और गोल करके स्कोर 3-4 किया लेकिन इसके बाद भारत केडिफेंस ने मेजबान टीम को और गोल नहीं करने दिए और भारत ने जीत दर्ज की। भारत अपना दूसरा अभ्यास मैच ओलंपिक चैंपियन अर्जेन्टीना के खिलाफ बुधवार को खेलेगा। भारत को 16 दिवसीय दौरे के दौरान अर्जेन्टीना के खिलाफ 6 मैच खेलने हैं जिसमें 11 और 12 अप्रैल को एफआईएच हॉकी प्रो लीग के दो मुकाबले भी शामिल हैं।

आरसीबी प्लेऑफ में जगह जरूर बनाएगी : गंभीर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विराट कोहली जैसा बेहतरीन कप्तान और कई स्टार खिलाड़ी होने के बावजूद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर 13 साल से आईपीएल खिताब से दूर है। टीम इस दौरान तीन बार फाइनल में भी पहुंची, लेकिन खिताब जीतने में कामयाब नहीं हो सकी। टीम ने पिछले साल भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते केस की वजह से यूएई में हुए आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए प्लेऑफ में जगह बनाई थी, लेकिन एक बार फिर खिताब से दूर ही रह गई। टीम के इस साल के प्रदर्शन को लेकर भविष्यवाणी करते हुए भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने कहा है कि आरसीबी प्लेऑफ में जगह जरूर बनाएगी।

कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व कप्तान गौतम गंभीर ने माना है कि विराट कोहली की टीम इस आईपीएल सीजन में प्लेऑफ के लिए जरूर क्वालीफाई करेगी। गंभीर ने इस दौरान यह भी समझाया आरसीबी में इस बार शामिल किए गए ग्लेन मैक्सवेल क्यों फेल होने के बावजूद नीलामी में करोड़ों में बिकते हैं। उन्होंने कहा कि मैक्सवेल का प्रदर्शन कसिस्टेंट नहीं हैं और इसलिए ज्यादा समय तक कोई भी फ्रैंचाइजी उन्हें अपनी टीम में रिटेन नहीं करती है।

विराट कोहली की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम आईपीएल 2021 के पहले मैच में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी। टीम टूनामेंट का अपना आखिरी मैच 23 मई को तीन बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ कोलकाता में खेलेगी। आरसीबी की टीम ने इस साल आईपीएल ऑक्शन में ग्लेन मैक्सवेल और काइल जैमीसन जैसे टी-20 स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया है।

इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते हुए मानसिक स्वास्थ्य की अहमियत महसूस हुई : हार्दिक

चेन्नई, (एजेंसी)। भारत और मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने कहा है कि उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते हुए मानसिक स्वास्थ्य की अहमियत महसूस हुई। पांड्या ने खुद को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने के लिए अपने परिवार को श्रेय दिया। मुंबई इंडियंस द्वारा अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किए वीडियो में हार्दिक ने कहा, जब मैंने इंटरनेशनल क्रिकेट खेला तो मुझे महसूस हुआ कि आपकी जिंदगी में किस तरह का दबाव शामिल हो जाता है। निश्चित रूप से जिंदगी हमारे लिए बदलती है लेकिन व्यक्तिगत रूप से भी आपको सभी चीजों से उबरने की जरूरत होती है।

उन्होंने कहा, इसलिए मुझे महसूस हुआ कि मानसिक स्वास्थ्य भी अहम है, जिसमें मेरे परिवार ने काफी बड़ी भूमिका अदा की जिन्होंने सुनिश्चित किया कि मैं सही जगह बना रहूं। मानसिक रूप से स्वस्थ होने पर ध्यान पिछले साल से ज्यादा दिया जा रहा है क्योंकि कोविड-19 महामारी ने खिलाड़ियों को जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहने को मजबूर कर दिया जिसमें उनकी जिंदगी केवल होटल और स्टेडियम तक ही सीमित हो जाती है।

गत चैम्पियन मुंबई इंडियंस शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग के शुरूआती मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से भिड़ेगी। भारत के लिए 60 वनडे और 48 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हार्दिक ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर शारीरिक फिटनेस की अहमियत पर भी जोर दिया।

भारत में टी-20 वर्ल्ड कप के आयोजन पर उठे सवाल

लंदन, (एजेंसी)। कोरोना महामारी की वजह से भारत में आयोजित टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। आईसीसी के अंतरिम सीईओ ज्यॉफ एलार्डिस ने कहा है कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि आगामी टी-20 विश्व कप के भारत में आयोजन पहले से तय योजना के अनुरूप ही आगे बढ़ेगी, लेकिन अगर भारत टूनामेंट के आयोजन में सक्षम नहीं हुआ, तो गवर्निंग बॉडी के पास बैक-अप योजनाएं भी हैं। आपको बता दें कि टी-20 विश्व कप की तैयारी के लिए सिर्फ छह महीने बचे हैं और भारत लगातार कोविड-19 महामारी से जूझ रहा है। एलार्डिस ने स्वीकार किया कि हमारे पास बैक-अप प्लान भी तायर है, लेकिन अभी हमने उन योजनाओं को सक्रिय नहीं किया है, क्योंकि हम फिलहाल भारत में तय कार्यक्रम के मुताबिक आगे बढे की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी हमारा ध्यान विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल पर होगा, जिसे भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 से 22 जून तक इंग्लैंड में होना है। क्रिकेट को बचाने के लिए खिलाडियों के अनिवार्य टीकाकरण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि टूनामेंट से पहले, दुनिया भर की सरकारों के साथ अनिवार्य खिलाड़ी टीकाकरण पर बातचीत करने की स्थिति में नहीं था। वैसे हमारी चिकित्सा समिति और हमारे बोर्ड ने सिफारिश की है कि जहां भी संभव हो सके, वहां खिलाडियों को टीका लगाया जाना चाहिए। लेकिन ये विभिन्न देशों की स्थिति, उनके पास वैक्सीन की उपलब्धता और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों की प्राथमिकता पर निर्भर करती है।

टी-20 के लिए कार्यकारी समूह गठित कर सकता है बीसीसीआई

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) 16 अप्रैल को होने वाली अपनी शीर्ष परिषद की बैठक में देश में टी-20 प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए कार्यकारी समूह गठित कर सकता है। बिहार क्रिकेट संघ ने पिछले महीने लीग का आयोजन किया था। बीसीसीआई ने लीग के बीच में बताया था कि वह आवश्यक मंजूरी के बिना टूनामेंट आयोजित कर रहा है लेकिन इसके बावजूद लीग नहीं रोकी गई थी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सफलता के बाद देश भर में राज्यस्तरीय टी-20 लीग शुरू हो रही है लेकिन इनमें से अधिकतर भ्रष्टाचार के संदेह के दायरे में आए हैं जो कि बीसीसीआई की नई भ्रष्टाचार निरोधक इकाई के लिए नई चुनौती है।

बैठक के 14 सूत्रीय एजेंडा में भारतीय महिला टीम के सहयोगी स्टाफ की नियुक्ति भी शामिल है। महिला टीम छह साल में पहली बार टेस्ट खेलने के लिए तैयार है। उसके इस साल इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने की संभावना है। यह देखना होगा कि मुख्य कोच डब्ल्यूवी रमन के कार्यकाल को बढ़ाया जाता है या बीसीसीआई इस पद के लिए नए आवेदन मंगवाता है। रमन को 2018 में मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

बीसीसीआई इसके अलावा भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले कर और वीजा मामलों पर भी फैसला ले सकता है। इंटरनेशनल क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने हाल की बोर्ड बैठक में कहा था कि उसे उम्मीद है कि भारतीय बोर्ड इस महीने के आखिर तक आवश्यक वीजा गारंटी और करों में छूट हासिल कर लेगा। इसके अलावा 2021-22 के घरेलू सीजन के आयोजन पर भी चर्चा होगी। पिछले सीजन में बीसीसीआई ने महामारी के कारण 87 साल में पहली बार रणजी ट्रॉफी का आयोजन नहीं किया था।

वीवो ने विराट कोहली को बनाया नया ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली, (संवाददाता)। आईपीएल 2021 की शानदार आगाज से ठीक पहले वीवो इंडिया ने विराट कोहली को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने का एलान किया है। इस साझेदारी से वीवो की कोशिश लाखों युवा और टेक्नोलॉजी के दीवानों तक पहुंचने की है। इस साझेदारी के बाद विराट कोहली जल्द ही वीवो के किसी नए प्रोडक्ट और कैंपेन में दिखाई दे सकते हैं। इससे पहले वीवो के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर आमिर खान, सारा अली खान काम कर चुके हैं। इस साझेदारी पर विराट कोहली ने कहा, मैं वास्तव में इस साझेदारी का इंतजार कर रहा हूं। एक खिलाड़ी होने के नाते मैं निरंतरता और गेम के प्रति प्रतिबद्धता को बखूबी समझता हूं। वीवो ने भारतीय स्मार्टफोन मार्केट में खुद को नई टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के साथ एक उभरते हुए ब्रांड के तौर पर प्रस्तुत किया है। मोबाइल फोटोग्राफी में वीवो की टेक्नोलॉजी गेम चेंजिंग है। बता दें कि आईपीएल के टाइटल स्पॉन्सर के रूप में एक बार फिर से वीवो की वापसी हुई है। आईपीएल की टाइटल स्पॉन्सर की घोषणा के बाद वीवो इंडिया के निदेशक (ब्रांड रणनीति) निपुन मार्या ने वीवो आईपीएल के टाइटल स्पॉन्सर के रूप में वापस आ गया है और यह हमारे लिए बहुत उत्साहजनक और रोमांचक है क्योंकि आईपीएल भारत में सबसे बड़ी संपत्ति है। वीवी को 13वें सीजन से हटाए जाने के बाद ड्रीम 11 को आईपीएल 2020 की टाइटल स्पॉन्सरशिप मिली थी। ड्रीम 11 ने 222 करोड़ रुपये में आईपीएल 2020 लिए स्पॉन्सरशिप अधिकार खरीदे थे।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, 3 नए चेहरों को मिली जगह

वेलिंगटन, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका में जन्में डेवोन कॉनवाय सहित 3 नए चेहरों को जून में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट की श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। कॉनवाय टी-20 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं लेकिन उन्हें पहली बार टेस्ट टीम में जगह दी है। आलराउंडर रचिन रविंद्र और तेज गेंदबाज जैकब डफी टीम में शामिल 2 अन्य नए चेहरे हैं। लाड्र्स में 2 जून और एजबस्टन में 10 जून से होने वाले टेस्ट मैचों के लिए न्यूजीलैंड ने 20 सदस्यीय टीम का चयन किया है। भारत के खिलाफ साउथम्पटन में 18 जून से होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए टीम के सदस्यों की संख्या 15 की जाएगी। 21 साल के रविंद्र को न्यूजीलैंड के सबसे उभारते हुए प्रतिभावान खिलाड़ियों में शामिल किया है। बायें हाथ के इस बल्लेबाज और बायें हाथ के स्पिनर ने 18 साल की उम्र में वेलिंगटन की ओर से पदार्पण किया था और प्रथम श्रेणी स्तर पर तीन शतक और दो अर्धशतक जड़ चुके हैं जिसमें न्यूजीलैंड ए की ओर से वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक भी शामिल है। डफी ने इस साल ईडन पार्क में पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करते हुए 33 रन देकर 4 विकेट चटकाए थे जिसके लिए उन्हें मैन आफ द मैच चुना गया था। पिछले साल मार्च में दायें टखने की सर्जरी कराने वाले आलराउंडर कोलिन डिग्रैंडहोम को टीम में शामिल किया है, लेकिन उन्हें फिटनेस परीक्षण पास करना होगा। तेज गेंदबाज डग ब्रेसवेल को भी फिटनेस परीक्षण पास करना होगा। वह कूल्हे की चोट से उबर रहे हैं। अनुभवी बल्लेबाज रोस टेलर भी पैर की मांसपेशियों के खिंचाव से उबर रहे हैं। कप्तान केन विलियमसन, आलराउंडर मिशेल सेंटनर और तेज गेंदबाज काइल जेमीसन और ट्रेंट बोल्ट पहले टेस्ट से बाहर हो सकते हैं लेकिन यह उनकी इंडियन प्रीमियर लीग प्रतिबद्धताओं पर निर्भर करेगा।

- टीम इस प्रकार है-

केन विलियमसन (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, ट्रेंट बोल्ट, डग ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवाय, कोलिन डि ग्रैंडहोम, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जेमीसन, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, एजाज पटेल, रचिन रविंद्र, मिशेल सेंटनर, टिम साउथी, रोस टेलर, नील वैगनर, बीजे वाटलिंग और विल यंग।

सानिया मिर्जा टॉप्स में शामिल

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा को 4 साल के बाद सरकार की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल किया गया। कई ग्रैंडस्लैम ट्राफियां जीतने वाली 34 साल की सानिया ने चोट के कारण चार साल पहले 2017 में टॉप्स योजना से हटने का फैसला किया था। उन्हें यहां मिशन ओलंपिक इकाई की 56वीं बैठक के दौरान टॉप्स में शामिल किया गया। चोट के कारण उन्हें लंबे समय तक खेल से बाहर रहना पड़ा था। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के एक सूत्र ने कहा, हां, सानिया को हाल में टॉप्स सूची में शामिल किया है। सानिया ने बच्चे के जन्म के कारण खेल से ब्रेक लिया था। उन्होंने अपनी सुरक्षित (प्रोटेक्टिड) रैंकिंग के आधार पर पहले ही तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर लिया है। विश्व रैंकिंग में वह अभी 157वें स्थान पर काबिज हैं लेकिन डब्ल्यूटीए के नियमों के अनुसार जब एक खिलाड़ी चोट या बच्चे के जन्म के लिये छह महीने से ज्यादा समय की छुट्टी लेता है तो वे एक विशेष रैंकिंग (जिसे प्रोटेक्टिड रैंकिंग के तौर पर भी जाना जाता है) के लिये अनुरोध कर सकते हैं। एक खिलाड़ी की विशेष रैंकिंग उनके अंतिम टूनामेंट में हिस्सा लेने के बाद की विश्व रैंकिंग होती है और सानिया के मामले में यह अक्टूबर 2017 में खेला गया चाइना ओपन था। वह तब उस समय विश्व रैंकिंग में नौंवे स्थान पर थीं। इसलिये इस समय सानिया की विशेष रैंकिंग नौ है और इससे वह पहले ही तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुकी हैं। कोविड-19 महामारी के कारण डब्ल्यूटीए ने सभी खिलाड़ियों के लिये विशेष रैंकिंग शुरू की थी। सानिया बच्चे के जन्म के कारण दो साल तक टेनिस नहीं खेलीं और उन्होंने पिछले साल सत्र के शुरूआती होबार्ट इंटरनेशनल डब्ल्यूटीए टूनामेंट से कोर्ट में वापसी की थी। उन्होंने यूक्रेन की नादिया किचेनोक के साथ जोड़ी बनाकर

मैरीकॉम, लवलीना एशियाई चैम्पियनशिप के लिये भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम में

नई दिल्ली, (संवाददाता)। ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुकी छह बार की विश्व चैम्पियन एम सी मैरीकॉम (51 किग्रा) 21 से 31 मई तक यहां होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में भारतीय महिला टीम की चुनौती की अगुआई करेंगी। मैरीकॉम 6 बार की एशियाई पदकधारी हैं, जिसमें 5 स्वर्ण पदक शामिल हैं। उन्होंने 2019 में पिछले चरण इस प्रतियोगिता में नहीं खेलने का फैसला किया था। उन्होंने एक साल पहले ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने के बाद अपने पहले प्रतिस्पर्धी टूनामेंट में हाल में स्पेन में कांस्य पदक जीता था। इस महाद्वीपीय टूनामेंट के लिये चुनी गयी टीम में दो बार की विश्व कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (69 किग्रा) भी शामिल हैं।

असम की यह मुक्केबाज ओलंपिक खेलों के लिये क्वालीफाई कर चुकी हैं। सिमरनजीत कौर (60 किग्रा) और पूजा रानी (75 किग्रा) टीम में दो अन्य मुक्केबाज हैं जो ओलंपिक के लिये जगह पक्की कर चुकी हैं। सिमरनजीत ने चैम्पियनशिप के पिछले चरण में रजत पदक जीता था जिसका आयोजन बैंकॉक में किया था। वहीं पूजा लगातार दूसरा एशियाई स्वर्ण पदक अपनी झोली में डालने का प्रयास करेंगी। उन्होंने 81 किग्रा वजन वर्ग में 2019 में पहला स्थान प्राप्त किया था। स्पेन में पिछले महीने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी टूनामेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाली जैसमीन (57 किग्रा) को अपने से अधिक अनुभवी मनीषा पर तरजीह दी गयी है जिन्होंने 2019 एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता था। जैसमीन ने चयन ट्रायल्स में मनीषा को शिकस्त दी थी। पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन साक्षी भी टीम में है।

- ये है टीम -

मोनिका (48 किग्रा), मैरीकॉम (51 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जैसमीन (57 किग्रा), सिमरनजीत कौर (60 किग्रा), प्विलाओ बासुमत्री (64 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (69 किग्रा), पूजा रानी (75 किग्रा), साविटी (81 किग्रा), अनुपमा (81 किग्रा से अधिक)।